TNF® TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday | tnftoday

'हाथी-डुबाव' पानी पर बेखौफ उन्माद

चम्बल की बीच धारा में दांव पर सौ-सौ जिंदगियां

टीएनएफ टुडे, आगरा।

पिनाहट (आगरा) के चम्बल घाट पर आस्था के नाम पर नियमों को ताक पर रखकर उफनती लहरों के बीच किया जाने वाला यह सफर सीधे तौर पर हादसों को न्योता देना है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश (उसैद घाट) को जोड़ने वाले इस मार्ग पर अक्सर क्षमता से अधिक सवारियां और सुरक्षा उपकरणों की भारी कमी देखने को मिलती है

चार बाल कांवड़ियों की सुनी पुकार, प्रशासन बना पालनहार

डीएम ने चारों बच्चों को बुलाकर उपलब्ध कराई ड्रेस और शिक्षण सामग्री

टीएनएफ टुडे, मथुरा।

भगवान शिव वाकई बहुत भोले हैं। फीस जमा न करने पर स्कूल से बाहर किए गए गरीब परिवार के चार बच्चों ने हरिद्वार से कांवड़ यात्रा निकाल मदद की कामना की थी। सोशल मीडिया पर उनकी पुकार प्रसारित होने पर प्रशासन पालनहार बन गया। जिलाधिकारी सीपी सिंह ने चारों बच्चों को उनके गांव से बुलाकर ड्रेस और अन्य शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई। चारों बच्चों की स्कूल फीस माफ करवाई। एसडीएम छाता चारों बच्चों को गोद लेकर उनकी देखभाल करेंगे।

- चारों की स्कूल फीस माफ, एसडीएम ने चारों बच्चों को लिया गोद
- सोशल मीडिया पर प्रसारित हुई थी बच्चों की कांवड़ यात्रा

सोशल मीडिया ये हुआ था प्रसारित

"भोलेनाथ सुनों पुकार, फीस भरना जरूरी.."

" मथुरा के चार बच्चे भगवान शिव से एक अजीब मांग को लेकर कांवड़ लेकर निकले हैं। असल में इन 4 बच्चों को फीस नहीं जमा कर पाने की वजह से स्कूल से निकाल दिया गया था। इनका कहना है कि हम इस उम्मीद में कांवड़ लेकर निकले हैं कि भगवान भोलेनाथ मेरी पुकार सुनेंगे और हमारी पढ़ाई दोबारा शुरू हो सकेगी!"

30 जुलाई को हरिद्वार से जल लेकर निकले थे

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने अवगत कराया कि चारों बच्चों की पहचान कराई गई। कोसीकलां क्षेत्र के बठैन गेट के पास बैंक कॉलोनी निवासी भरत सिंह के इन चारों बच्चों को बुधवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय बुलाया। भरत सिंह के 4 बच्चे है जिसमें, पुत्री साधना, मुस्कान, प्रेरणा तथा पुत्र शिवम् है, जो कि कमशः 11वी, 09वी, 3वी, 7वी कक्षा में अध्यनरत हैं। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने सभी बच्चों को 2-2 स्कूल ड्रेस, एक बैग, किताबें का सेट, पेंसिल बॉक्स, टिफिन/लंच बॉक्स, जूते, मोजे आदि प्रदान किया।

जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि साधना नगर पालिका इण्टर कॉलेज कोसीकलां में 11वीं की छात्रा है, की पूर्व से ही ट्यूशन फीस नहीं लगती है। शेष तीनों बच्चे आदर्श विद्या मंदिर कोसीकलां में पढ़ते हैं। इनमें से प्रेरणा की सम्पूर्ण फीस माफ की हुई है, शेष 02 बच्चों मुस्कान व शिवम की भी फीस क्रमशः 6800 रुपए व 5500 रुपये माफ कर दिए गए हैं। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने स्कूल प्रबंधक को निर्देशित किया है कि अब से किसी भी बच्चे से फीस नहीं ली जागेगी। उप जिलाधिकारी छाता अखिलेश कुमार द्वारा सभी बच्चों को गोद लिया गया है।

परिवार को शासन की ओर से सुविधाएं मिलेंगी

जिलाधिकारी ने बताया कि भरत सिंह परचून की दुकान संचालित करते है तथा उनकी पत्नी सुनीता द्वारा सिलाई का कार्य किया जाता है। भरत सिंह एवं उनकी पत्नी दोनों लोग दिव्यांग हैं। दोनों लोगों को दिव्यांग पेंशन योजना से लाभांवित किया जा रहा है। भरत सिंह को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरीय) से भी लाभान्वित किया गया है, जिसमें उनको 1 लाख की किस्त पूर्व में प्रदान की जा चुकी है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशानुसार बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी।

एटीएस का बड़ा एक्शन: जाली नोटों के हाई-सिक्योरिटी नेटवर्क का पर्दाफाश

- नेपाल और पाकिस्तान से तार जुड़ने की आशंका
- गंजडुंडवारा के युवक की लखनऊ से गिरफ्तारी से खुल रही परते

सुबोध माहेश्वरी, टीएनएफ टुडे

कासगंज। जिले के गजडुंडवारा के गणेशपुर निवासी अजीम खान और राजा उर्फ समीरुल की लखनऊ से गिरफ्तारी के बाद एटीएस की जांच तेज हो गई है। आरोपियों के पास से बरामद एक लाख रुपये के जाली नोटों में उच्च स्तर के सिक्योरिटी फीचर्स मिले हैं, जिसने जांच एजेंसियों के कान खड़े कर दिए हैं। आशंका जताई जा रही है कि इन नोटों की छपाई सीमा पार हुई है और नेपाल के रास्ते भारत में इनकी खेप सप्लाई की गई। नोटों की गुणवत्ता और विदेशी कनेक्शन को देखते हुए आरोपियों पर कड़े आतंकवाद विरोधी कानून के तहत कार्रवाई की तैयारी चल रही है।

> उच्च स्तरीय जांच चल रही है स्थानीय स्तर पर जो भी नाम और जानकारी सामने आएगी उसके आधार पर स्थानीय पुलिस कार्यवाही करेगी।
> -अमित कुमार

10 से ज्यादा राज्यों में फैला फर्जी करेंसी का जाल

शुरुआती जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क पिछले 2-3 सालों से उत्तर प्रदेश, दिल्ली समेत देश के 10 से अधिक राज्यों में सक्रिय था। एटीएस ने आरोपियों के मोबाइल फोन कब्जे में लेकर फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिए हैं। व्हाट्सएप चैट और कॉल डिटेल से यह साफ होने की उम्मीद है कि जाली नोट कब, कहां और किसे पहुंचाए जाने थे। पूछताछ में मिले 8 से 10 संदिग्ध नामों की तस्दीक की जा रही है और फरार चल रहे राजा के बड़े भाई की तलाश में दबिश दी जा रही है।

पूछताछ के लिए एटीएस लेगी कस्टडी रिमांड

जेल भेजे गए दोनों आरोपियों को एटीएस जल्द ही रिमांड पर लेकर गहन पूछताछ करेगी, ताकि फर्जी करेंसी के मुख्य मास्टरमाइंड तक पहुंचा जा सके। मामले में यूएपीए की धाराएं जुड़ने के बाद इस केस की जांच किसी केंद्रीय एजेंसी एनआईए को सौंपे जाने की भी पूरी संभावना है। एटीएस फिलहाल डिजिटल साक्ष्यों और संपर्कों की कड़ियां जोड़कर जाली नोटों के इस पूरे इंटरनेशनल नेटवर्क को जड़ से खत्म करने में जुटी है।

कारोबार बंद और मशीनें सील, 4 सैंपल भरे

1800 किलो सेलखड़ी और 13.5 कुंतल आटा अभिगृहीत

- आटे में सेलखड़ी की मिलावट की आशंका पर खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ एवं जिलाधिकारी, आगरा के निदेर्शानुसार खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, जनपद आगरा द्वारा खाद्य पदार्थों में मिलावट के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के क्रम में समृद्धि ऑयल मिल, जौतना डाबर रोड, फतेहपुर सीकरी, आगरा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मौके पर श्री अमित कुमार पुत्र श्री सुभाष चन्द्र, निवासी-जौतना डाबर रोड, फतेहपुर सीकरी, आगरा उपस्थित मिले। उनसे प्रतिष्ठान के संचालन एवं खाद्य कारोबार के संबंध में आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई।

निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान पर खाद्य पदार्थ आटे में सेलखड़ी की मिलावट किए जाने की स्थिति पाई गई। मौके से लगभग 1800 किलोग्राम सेलखड़ी, जिसकी अनुमानित कीमत ?30,150/-, तथा लगभग 13.5 कुंतल (1350 किग्रा.) आटा, जिसकी अनुमानित कीमत ?18,900/-, अभिगृहीत किया गया।

उक्त फर्म द्वारा खाद्य तेल के व्यवसाय हेतु फुटकर विक्रेता तथा खाद्य मसालों के व्यवसाय हेतु थोक विक्रेता की श्रेणी में खाद्य लाइसेंस प्राप्त किया गया था, जबकि निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान में खाद्य पदार्थ आटे के निर्माण का कार्य किया जाना पाया गया।

मिलावट एवं अनधिकृत रूप से आटा निर्माण की स्थिति को देखते हुए खाद्य कारोबार को तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया गया तथा आटा निर्माण में प्रयुक्त मशीनों को सील कर दिया गया है। साथ ही, संबंधित खाद्य कारोबारकर्ता के विरुद्ध थाना-फतेहपुर सीकरी, जनपद आगरा में प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्यवाही की जा रही है।

उक्त खाद्य लाइसेंस के निलंबन की प्रक्रिया भी नियमानुसार संचालित की जा रही है।

संग्रहित नमूनों को नियमानुसार खाद्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। खाद्य विश्लेषक की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त रिपोर्ट के निष्कर्षों के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 एवं उसके अधीन बनाए गए नियम/विनियमों के अंतर्गत अग्रिम विधिक कार्यवाही की जाएगी। उक्त कार्यवाही मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी राकेश कुमार, चन्द्र विजय सिंह, शैलेन्द्र कुमार, आर.के. निरंजन, अजय कुमार एवं श्रीमती अमिता जिज्ञासु द्वारा की गई। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, जनपद आगरा द्वारा खाद्य पदार्थों में मिलावट, अधोमानक/असुरक्षित खाद्य पदार्थों के निर्माण एवं बिना अनुमोदित श्रेणी में खाद्य कारोबार किए जाने के विरुद्ध प्रवर्तन कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या वाले बिल को राष्ट्रपति की मंजूरी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 'सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अधिनियम, 2026' को मंजूरी दे दी है, जिससे सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 38 हो गई है। इसके साथ ही, भारत के मुख्य न्यायाधीश (उखक) सहित सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़कर 38 हो गई है।

इस संशोधन से मुख्य न्यायाधीश के अलावा सुप्रीम कोर्ट में 37 और न्यायाधीशों की नियुक्ति हो सकेगी। उम्मीद है कि इससे मामलों के बढ़ते बैकलॉग और संवैधानिक पीठों के गठन के कारण नियमित सुनवाई पर पड़ने वाले असर को कम करने में मदद मिलेगी।

लोकसभा ने 3 अगस्त को इस बिल को मंजूरी दी। इसके बाद, राज्यसभा ने भी इसे पास कर दिया। राज्यसभा में बिल पर चर्चा के दौरान, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की पहल पर आगे बढ़ा। कानून मंत्री के अनुसार, भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने 11 मई को प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर सुप्रीम कोर्ट में जजों की मंजूर संख्या बढ़ाने का अनुरोध किया था। चीफ जस्टिस ने अपने पत्र में बताया कि सुप्रीम कोर्ट में मामलों की बढ़ती संख्या के कारण रोजाना बड़ी संख्या में मामलों का निपटारा करना जरूरी हो गया है। हालांकि, कॉन्स्टिट्यूशन बेंच (संविधान पीठ) के गठन से नियमित मामलों की सुनवाई पर असर पड़ता है, क्योंकि कॉन्स्टिट्यूशन बेंच में शामिल जजों को नियमित सुनवाई से अलग होना पड़ता है।

सीजेपी का बड़ा एलान

'दिल्ली में जंतर-मंतर सीजन-2 जल्द'

दीपके का दावा- हॉल मालिकों को दी गई उल्टा लटकाने की धमकी

एजेंसी, नई दिल्ली।

दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रस्तावित सम्मेलन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने दावा किया कि बैठक के लिए हॉल बुक करने के बाद उसके मालिकों को धमकियां दी गईं। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम के लिए भाजपा पर आरोप लगाया। हालांकि, उनके इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

दीपके ने कहा कि सीजेपी को आज दिल्ली में अपने कार्यकर्ताओं की बैठक करनी थी। इसके लिए पार्टी काफी समय से हॉल की तलाश कर रही थी। उनका दावा है कि कई जगहों पर हॉल देने से इनकार कर दिया गया। हॉल मालिकों ने कथित तौर पर कहा कि उन पर ऊपर से दबाव है।

क्या हॉल बुक करने के बाद शुरू हुआ विवाद?

अभिजीत दीपके ने कहा कि काफी मुश्किलों के बाद सीजेपी ने एक हॉल बुक किया था। उनके पास इसकी रसीद भी है। लेकिन बैठक से पहले ही हॉल के मालिकों को कथित तौर पर धमकी मिली। दीपके ने दावा किया कि मालिकों से कहा गया कि अगर सीजेपी की बैठक यहां होने दी गई तो उन्हें 'उल्टा लटका दिया जाएगा'। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब भाजपा की ओर से किया जा रहा है। दीपके ने कहा कि भाजपा के नेताओं के काम और बयान यह दिखाते हैं कि वे देश के युवाओं से डर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी को लगता है कि इस तरह की छोटी हरकतों से सीजेपी के कार्यकर्ता डर जाएंगे, तो यह गलतफहमी है।

क्या सीजेपी फिर शुरू करने जा रही है 'जंतर-मंतर' मुहिम?

अभिजीत दीपके ने 'जंतर-मंतर' को लेकर भी बड़ा संकेत दिया। उन्होंने कहा कि कई लोग इंस्टाग्राम पर पूछ रहे थे कि 'जंतर-मंतर' का सीजन-2 कब शुरू होगा। दीपके ने कहा कि वह ऐसे लोगों को बताना चाहते हैं कि 'जंतर-मंतर' का सीजन-2 बहुत जल्द शुरू होने जा रहा है। इस बयान से साफ है कि सीजेपी आने वाले दिनों में अपनी गतिविधियां फिर तेज करने की तैयारी में है।

हम देश भर के स्कूलों में जाएंगे: सौरव दास

वहीं, दीपके के बयान पर पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि यह खुद ही सीजन टू है। देश भर में ऐसी नाकाबिल सरकारों और अधिकारियों के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। सीजेपी की तरफ से हम अब देश भर में 'लिसनिंग टूर' (लोगों की बात सुनने का दौरा) शुरू कर रहे हैं ताकि जनता की बात सुन सकें। हम एक कैंपेन चलाएंगे और शिक्षा के मुद्दे को प्राथमिकता देंगे। हम माता-पिता और नागरिकों से अपील कर रहे हैं कि वे अपने इलाके के सरकारी स्कूलों में जाएं, सोशल ऑडिट करें, वहां के हालात रिकॉर्ड करें, सच्चाई सामने लाएं और उन्हें ठीक करने में मदद करें। युवा जिम्मेदारी उठा रहे हैं। जल्द ही सच में एक 'विकसित भारत' सामने आएगा।

क्या दिल्ली पुलिस से भी जवाब मांग रही सीजेपी?

सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने इस पूरे मामले को लेकर दिल्ली पुलिस पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि इस मामले में दिल्ली पुलिस क्या कर रही है? रांका ने सवाल किया कि क्या दिल्ली में कानून-व्यवस्था पूरी तरह खत्म हो गई है? उन्होंने यह भी पूछा कि क्या दिल्ली पुलिस केवल भाजपा के लिए काम कर रही है। फिलहाल इस पूरे मामले में सीजेपी की ओर से लगाए गए आरोप सामने आए हैं। भाजपा या दिल्ली पुलिस की ओर से इस बयान पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

4 माह पहले ब्याही दुल्हनें फिर विवाह को तैयार

- मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में फर्जीवाड़ा की कोशिश

टीएनएफ टुडे, आगरा।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का लाभ लेने के लिए आगरा में बड़ी संख्या में ऐसे आवेदन सामने आए हैं, जिनमें आवेदक पहले से ही विवाहित पाए गए। जांच और सत्यापन के दौरान करीब एक हजार आवेदन निरस्त किए गए हैं। इनमें कुछ ऐसी महिलाएं भी शामिल थीं, जिनकी शादी कुछ महीने पहले ही हो चुकी थी। सरकारी योजना का लाभ लेने के लिए उन्होंने दोबारा सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होने के लिए आवेदन किया था। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत पात्र जोड़ों को सरकार की ओर से आर्थिक सहायता दी जाती है। इसी आर्थिक लाभ का फायदा उठाने के लिए कुछ अपात्र आवेदकों द्वारा योजना में आवेदन किए जाने का मामला सामने आया है। जांच के दौरान कई ऐसे आवेदन मिले, जिनमें आवेदक पहले से विवाहित पाए गए। योजना के तहत प्राप्त आवेदनों की जांच और सत्यापन के दौरान ऐसे मामलों का पता चला। अधिकारियों के स्तर से कराए गए सत्यापन में करीब एक हजार आवेदन अपात्र पाए गए, जिन्हें निरस्त कर दिया गया। इनमें पहले से विवाहित महिलाओं के आवेदन भी शामिल बताए गए हैं। जांच के दौरान कुछ ऐसे मामले भी सामने आए, जिनमें महिलाओं की शादी करीब चार महीने पहले ही हो चुकी थी। इसके बावजूद उन्होंने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत दोबारा विवाह के लिए आवेदन कर दिया। कुछ मामलों में पति वही होने की बात भी सामने आई है। ऐसे मामलों में योजना के आर्थिक लाभ के लिए दोबारा विवाह की तैयारी किए जाने की आशंका जताई गई है।

सत्यापन प्रक्रिया से हुआ खुलासा

योजना में आवेदन करने वाले जोड़ों का सत्यापन कराया जाता है। इसी प्रक्रिया के दौरान पहले से विवाहित होने के मामले सामने आए। अधिकारियों ने जांच के बाद ऐसे आवेदनों को योजना के लिए अपात्र मानते हुए निरस्त कर दिया। अपात्र लोगों द्वारा योजना का लाभ लेने के प्रयास से वास्तविक पात्र लाभार्थियों के हित प्रभावित हो सकते हैं। आवेदन और दस्तावेजों के सत्यापन की प्रक्रिया के जरिए ऐसे मामलों पर रोक लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

जस्टिस यशवंत केस: जांच समिति ने तीनों आरोपों में माना दोषी

नई दिल्ली। इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व जस्टिस यशवंत वर्मा से जुड़े कैश कांड में जांच समिति की रिपोर्ट से बड़ा खुलासा हुआ है। लोकसभा अध्यक्ष की ओर से गठित जांच समिति ने उनके खिलाफ लगाए गए तीनों आरोपों को सही माना है। रिपोर्ट में उन्हें दोषी करार दिया गया है। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस मामले में किसी प्रकार की साजिश के संकेत नहीं मिले हैं। मामला दिल्ली में जस्टिस वर्मा के आधिकारिक आवास से नकदी मिलने और उसके बाद शुरू हुई जांच से जुड़ा है। जांच समिति ने नकदी की मौजूदगी, उससे जुड़े साक्ष्यों के रखरखाव और जस्टिस वर्मा की ओर से दिए गए स्पष्टीकरण को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं।

समिति ने अपने निष्कर्ष में जज को दोषी माना है। रिपोर्ट के मुताबिक, नई दिल्ली के 30, तुगलक क्रिसेंट स्थित आधिकारिक आवास के स्टोररूम में पर्याप्त संख्या में 500 मूल्यवर्ग के नोट मिले थे। समिति ने कहा कि जज यह संतोषजनक ढंग से स्पष्ट नहीं कर सके कि ये नोट वहां कैसे पहुंचे, उनका स्रोत क्या था और उनका स्वामित्व किसका था?

स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगे की रोशनी से जगमगाएंगे अमृत सरोवर, योगी सरकार ने की खास तैयारी

- 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत 15 अगस्त को झंडारोहण के साथ होंगे देशभक्ति के विभिन्न कार्यक्रम
- सरोवरों के आसपास होगा पौधरोपण, स्वच्छता अभियान और जल संरक्षण की दिलाई जाएगी शपथ

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगामी 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पर्व को ऐतिहासिक और यादगार बनाने के लिए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने विशेष तैयारियां की हैं। 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत इस बार प्रदेश के सभी अमृत सरोवर तिरंगे की रोशनी से जगमगाते हुए नजर आएंगे। इन सरोवरों पर केवल ध्वजारोहण ही नहीं होगा, बल्कि देशभक्ति से जुड़े कई शानदार सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा, ताकि जन-जन में राष्ट्रप्रेम की भावना का संचार हो सके।

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर अमृत सरोवरों के आसपास पर्यावरण और प्रकृति को सहेजने का भी बड़ा संदेश दिया जाएगा। शासन के निर्देशों के अनुसार, इन स्थलों पर वृहद स्तर पर पौधरोपण किया जाएगा। इसके साथ ही स्वच्छता अभियान और श्रमदान के कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। पानी की महत्ता को समझाते हुए लोगों को जागरूक करने के लिए जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे, जिसमें उपस्थित सभी लोगों को जल बचाने की शपथ दिलाई जाएगी। साथ ही जनसंपर्क गतिविधियों के जरिए आम नागरिकों को इन अभियानों से सीधा जोड़ा जाएगा।

योगी सरकार की इस अनूठी पहल को सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर जनसहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। इन कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, गांव के युवाओं, खिलाड़ियों, महिला स्वयं सहायता समूहों, विभिन्न सामुदायिक संगठनों और पर्यावरण प्रेमियों की बहुत ही सक्रिय भागीदारी होगी। सभी लोग एकजुट होकर अपने- अपने क्षेत्रों के अमृत सरोवरों पर पहुंचेंगे और आजादी का यह महापर्व पूरे उत्साह के साथ मनाएंगे। उपायुक्त (श्रम रोजगार) रामायण सिंह यादव ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर सरकार के निदेर्शानुसार सभी अमृत सरोवरों को तिरंगे की रोशनी से भव्य रूप से सजाया जाएगा। 15 अगस्त को अमृत सरोवरों पर सम्मान के साथ ध्वजारोहण होगा। इसके साथ ही देशभक्ति के कार्यक्रम, श्रमदान, पौधरोपण और स्वच्छता अभियान भी चलाए जाएंगे। हमारा मुख्य उद्देश्य व्यापक जन सहभागिता के माध्यम से लोगों में देशभक्ति की भावना जगाना और जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

जिले में हर ओर तिरंगा रैली की धूम

शमशाबाद में देशभक्ति के नारों से गूंजा क्षेत्र

टीएनएफ टुडे, शमशाबाद।

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर भाजपा मंडल शमशाबाद देहात द्वारा शनिवार को एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा हिरनेर बीडीएम स्कूल से शुरू होकर नगर भ्रमण करती हुई स्कूल पर ही सम्पन्न हुई। यात्रा में सैकड़ों की संख्या में कार्यकताओं और स्थानीय लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर ₹भारत माता की जय₹ और ₹वंदे मातरम्₹ के नारे लगाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. मंजू भदोरिया ने की।

इस अवसर पर डॉ. मंजू भदोरिया ने कहा कि तिरंगा हमारी शान है, तिरंगा हमारा अभिमान है। हमें देश की एकता और अखंडता के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। युवा देश के भविष्य हैं, उन्हें देश सेवा के लिए आगे आना होगा। कार्यक्रम की पूरी देखरेख मंडल अध्यक्ष शमशाबाद देहात योगेश बघेल ने की। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता पदम सिंह, संजय राघव, राजकुमार कुशवाह उपस्थित रहे।

खेरागढ़ में विद्यार्थियों ने दिया देशभक्ति का संदेश

खेरागढ़। हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत राजकीय महाविद्यालय सैंया, खेरागढ़ में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्राचार्य डॉ रविंद्र कुमार के निर्देशन में कार्यक्रम प्रभारी डॉ अनिल कुमार ने छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय ध्वज फहराने के नियमों और स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास की जानकारी दी।सहायक प्रोफेसर डॉ हुकुम सिंह ने विद्यार्थियों को देश के प्रति नागरिकों के कर्तव्यों और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय परिसर में तिरंगा वॉल पेंटिंग की और देशभक्ति के नारों के साथ तिरंगा रैली निकाली। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने देश की अखंडता, एकता, अस्मिता और धर्मनिरपेक्षता की रक्षा का संकल्प लिया। कार्यक्रम में डॉ विशाल भास्कर, डॉ रेखा सुमन, डॉ मनोज कुमार, डॉ विजय आनंद, दिनेश चंद्र लवानिया, बुजमोहन, राजा बघेल, मोनू सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

फतेहाबाद में गूंजा भारत माता की जय

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

भाजपा मंडल देहात की ओर से मंडल अध्यक्ष योगेश चौहान के नेतृत्व में फतेहाबाद में तिरंगा यात्रा निकाली गई। फिरोजाबाद चौराहे से शुरू हुई यात्रा में बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राओं समेत भाजपाई और क्षेत्रीय लोग शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लेकर बच्चे देशभक्ति के गीत और नारे लगाते हुए चल रहे थे। जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर तिरंगा यात्रा का स्वागत किया। बुधवार को फिरोजाबाद चौराहे से मुख्य अतिथि पूर्व विधायक जितेंद्र वर्मा ने तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा फतेहाबाद-फिरोजाबाद मार्ग से होती हुई पूठपुरा गांव पहुंची, जहां इसका समापन किया गया। यात्रा के दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से वातावरण देशभक्तिमय हो गया। बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर यात्रा में शामिल हुए।

पूर्व विधायक जितेंद्र वर्मा ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा का उद्देश्य लोगों में राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति की भावना को और मजबूत करना है।

इस दौरान यात्रा संयोजक योगेश चौहान, मानवेंद्र राठौर, अजय जादौन, संकेत सिंह, आशीष चौहान, योगवीर वर्मा, रामसेवक मल्ल, रामकेश वर्मा, जयप्रकाश वर्मा, राजबहादुर, लालबहादुर वर्मा, शिवराम वर्मा, फौजीराम, पंकज वर्मा, भगवती प्रसाद, सतीश वर्मा मौजूद रहे।

अछनेरा में दिखा राष्ट्रभक्ति का जलवा

टीएनएफ टुडे, अछनेरा।

देशभक्ति के जज्बे से बुधवार को अछनेरा का माहौल पूरी तरह राष्ट्रभक्ति में रंग गया। जिलाध्यक्ष प्रशांत पौनिया ने शहीद पीतम सिंह को माल्यार्पण कर शहीदो को याद कर-के भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता के जयकारे लगाए। यात्रा के दौरान पूरा अछनेरा ह्यभारत माता की जयह्न और देशभक्ति के नारों से गूंज उठा। तिरंगा यात्रा शहीद पीतम सिंह पार्क से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरती हुई भरतपुर रोड स्थित हरप्रसाद इंटर कॉलेज पहुंची, जहां यात्रा का समापन किया गया। यात्रा में शामिल लोगों में देशप्रेम और उत्साह देखने को मिला। तिरंगा यात्रा में जिलाध्यक्ष प्रशांत पौनियां, सहदेव शर्मा प्रदेश परिषद सदस्य विश्वनाथ शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष जितेन्द्र फौजदार, लवकुश पहलवान, कुंदन सिंह लोधी, प्रकाश शर्मा, गुलशन गर्ग, मुकेश धनगर, पवन छोकर, मिथुन लोधी, सीताराम सारस्वत, दिनेश श्रीवास्तव, अर्जुन सिंह सरपंच मौजूद रहे। कार्यक्रम संयोजक जितेन्द्र फौजदार एवं रामेश्वर वर्मा रहे।

पिनाहट में निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को पिनाहट कस्बे में भाजपा कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। चामड़ देवी मंदिर से शुरू हुई तिरंगा यात्रा नदगवां तिराहे तक पहुंची। यात्रा के दौरान देशभक्ति का माहौल देखने को मिला और कार्यकताओं ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता के जयकारे लगाए। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष श्याम भदौरिया ने तिरंगा झंडा लहराकर किया। उन्होंने कार्यकताओं को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को याद करते हुए प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र की एकता और अखंडता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। यात्रा में भाजपा कार्यकताओं के साथ युवाओं और स्थानीय लोगों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे मार्ग पर देशभक्ति के नारों से वातावरण गूंजता रहा। इस दौरान ओबीसी मोर्चा भाजपा जिला अध्यक्ष कप्तान वर्मा, नगर मंडल अध्यक्ष राजेश गुप्ता, हरिदास कठेरिया, राजेंद्र माहौर, राजकुमार वर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

24 घंटे में आठ मीटर बढ़ा चंबल का जलस्तर

- प्रशासन ने तटवर्ती गांवों के लोगों को किया अलर्ट
- पिनाहट घाट स्थित शिव मंदिर का हिस्सा जलमग्न

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

मध्यप्रदेश और राजस्थान में हुई तेज बारिश के बाद नदियों का पानी चंबल नदी में आने से जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। बीते 24 घंटे में चंबल नदी के जलस्तर में करीब आठ मीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई। जलस्तर बढ़ने से पिनाहट घाट स्थित शिव मंदिर का आधा हिस्सा जलमग्न हो गया है। नदी के तेज बहाव को देखते हुए जलस्तर के और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम करीब छह बजे चंबल नदी का जलस्तर सामान्य स्थिति में करीब 112 मीटर था। रात करीब आठ बजे से नदी के बहाव की गति में बदलाव आया और जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा। बुधवार सुबह तक जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई। शाम करीब छह बजे तक जलस्तर करीब 120 मीटर पहुंच गया। अचानक बढ़े जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने चंबल नदी के तटवर्ती गांवों में अलर्ट जारी कर दिया।जानकारों के अनुसार मध्यप्रदेश और राजस्थान में हुई तेज बारिश के कारण मध्यप्रदेश की पार्वती और पूर्णा नदियों का पानी चंबल नदी में पहुंच रहा है। इसके चलते चंबल का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। नदी के बहाव की गति तेज होने के कारण आने वाले समय में जलस्तर में और वृद्धि की संभावना जताई जा रही है।चंबल नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने की सूचना पर एडीएम आगरा और उपजिलाधिकारी बाह विनोद कुमार पुलिस बल के साथ पिनाहट घाट पहुंचे। अधिकारियों ने चंबल नदी के बढ़ते जलस्तर का जायजा लिया और अधीनस्थ अधिकारियों एवं लेखपालों को तटवर्ती 38 गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए। प्रशासन ने ग्रामीणों से नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से नदी के किनारे नहीं जाने की अपील की है।

24 घंटे में आठ मीटर बढ़ा चंबल का जलस्तर

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

- प्रशासन ने तटवर्ती गांवों के लोगों को किया अलर्ट
- पिनाहट घाट स्थित शिव मंदिर का हिस्सा जलमग्न

मध्यप्रदेश और राजस्थान में हुई तेज बारिश के बाद नदियों का पानी चंबल नदी में आने से जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। बीते 24 घंटे में चंबल नदी के जलस्तर में करीब आठ मीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई। जलस्तर बढ़ने से पिनाहट घाट स्थित शिव मंदिर का आधा हिस्सा जलमग्न हो गया है। नदी के तेज बहाव को देखते हुए जलस्तर के और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम करीब छह बजे चंबल नदी का जलस्तर सामान्य स्थिति में करीब 112 मीटर था। रात करीब आठ बजे से नदी के बहाव की गति में बदलाव आया और जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा। बुधवार सुबह तक जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई। शाम करीब छह बजे तक जलस्तर करीब 120 मीटर पहुंच गया। अचानक बढ़े जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने चंबल नदी के तटवर्ती गांवों में अलर्ट जारी कर दिया।जानकारों के अनुसार मध्यप्रदेश और राजस्थान में हुई तेज बारिश के कारण मध्यप्रदेश की पार्वती और पूर्णा नदियों का पानी चंबल नदी में पहुंच रहा है। इसके चलते चंबल का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। नदी के बहाव की गति तेज होने के कारण आने वाले समय में जलस्तर में और वृद्धि की संभावना जताई जा रही है।चंबल नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने की सूचना पर एडीएम आगरा और उपजिलाधिकारी बाह विनोद कुमार पुलिस बल के साथ पिनाहट घाट पहुंचे। अधिकारियों ने चंबल नदी के बढ़ते जलस्तर का जायजा लिया और अधीनस्थ अधिकारियों एवं लेखपालों को तटवर्ती 38 गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए। प्रशासन ने ग्रामीणों से नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से नदी के किनारे नहीं जाने की अपील की है।

108 एंबुलेंस में महिला ने जना नवजात

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

अरनोटा गांव निवासी गुड़िया पत्नी महेंद्र को बुधवार को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। परिजनों ने तत्काल 108 एंबुलेंस सेवा को फोन कर मदद मांगी। सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस गांव पहुंची और महिला को लेकर अस्पताल के लिए रवाना हुई। अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में महिला की प्रसव पीड़ा बढ़ गई। स्थिति को देखते हुए एंबुलेंस को रास्ते में रोकना पड़ा। इस दौरान एंबुलेंस में तैनात ईएमटी राहुल कुमार और पायलट विवेक कुमार ने सूझबूझ और तत्परता का परिचय देते हुए महिला की सुरक्षित डिलीवरी कराने में मदद की। एंबुलेंस में ही महिला ने बच्चे को जन्म दिया। प्रसव के बाद ईएमटी और पायलट ने जच्चा-बच्चा की स्थिति की जांच की। दोनों की हालत सामान्य होने पर उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। महिला और नवजात दोनों स्वस्थ बताए गए हैं। परिजनों ने आपात स्थिति में समय पर पहुंचकर मदद करने और सुरक्षित प्रसव कराने में सहयोग करने के लिए 108 एंबुलेंस के ईएमटी राहुल कुमार और पायलट विवेक कुमार का आभार जताया। घटना के दौरान एंबुलेंस कर्मियों की तत्परता और सूझबूझ से जच्चा-बच्चा दोनों सुरक्षित रहे।

विज्ञान एवं स्वास्थ्य नवाचार कार्यक्रम आयोजित

खेरागढ़। आईसीएमआर (डीएचआर) के शाइन साइंस हेल्थ इनोवेशन फॉर नेक्स्ट जनरेशन एक्सप्लोरर कार्यक्रम के तहत एमआरएचआरयू खेरागढ़ में छात्र-छात्राओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों को विज्ञान, स्वास्थ्य एवं शोध के क्षेत्र में नवाचार की जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि सीएचसी अधिकारी डॉ. आरके सिंह रहे।अतिथि के तौर पर चौधरी मनोज कुमार प्रधानाचार्य सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालय गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ. संगीता चतुर्वेदी, वैज्ञानिक डॉ. राजकमल व डॉ. गीतांजलि शर्मा मौजूद रहीं। कार्यक्रम में सरस्वती विद्या मंदिर और जनता इंटर कॉलेज की छात्राओं ने भाग लिया। विद्यार्थियों को प्रयोगशाला और अस्पताल का भ्रमण कराकर वहां होने वाले कार्यों की जानकारी दी गई। अंत में प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन आयुष कांत ने किया। इस दौरान मनीष कर्दम, धर्मेंद्र गौतम, ओणम भलवाड़ा, धर्मेंद्र कुमावत, हिमांशु पाराशर और विक्रम मौर्य मौजूद रहे।

गुरु-शिष्य परंपरा की गौरवशाली विरासत का स्मरण

बीडी जैन गर्ल्स पीजी कॉलेज में व्यास जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

टीएनएफ टुडे, आगरा।

भारतीय संस्कृति में गुरू केवल ज्ञान देने वाला नहीं, बल्कि शिष्य के जीवन को दिशा देने वाला प्रकाश-पुंज है। गुरु के ज्ञान, संस्कार और मार्गदर्शन से ही शिष्य का व्यक्तित्व निखरता है। यह विचार श्रीमती बीडी जैन गर्ल्स पीजी कॉलेज की प्राचार्या एवं कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो. पूनम सिंह ने व्यास जयंती के अवसर पर व्यक्त किए।

संस्कृत विभाग, भारतीय शिक्षण संस्थान एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में गुरु-शिष्य परंपरा विषयक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. वंदना अग्रवाल, मुख्य अतिथि प्रो. पूनम सिंह, डॉ. युधिष्ठिर एवं डॉ. रश्मि तिवारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया।

मुख्य वक्ता प्रो. पूनम सिंह ने कहा कि भारतीय शिक्षा परंपरा में गुरू-शिष्य संबंध केवल अध्ययन-अध्यापन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह श्रद्धा, अनुशासन, समर्पण और संस्कारों पर आधारित जीवन-परंपरा रही है। महर्षि वेदव्यास ने भारतीय ज्ञान-विज्ञान और साहित्य को समृद्ध करने में अद्वितीय योगदान दिया।

उनके व्यक्तित्व और कृतित्व से आज की युवा पीढ़ी को ज्ञान के प्रति समर्पण और जीवन में उच्च आदर्शों को अपनाने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम की संयोजिका प्रो० अनुपम शैरी ने गुरू-शिष्य परंपरा की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि व्यास जयंती केवल स्मरण का अवसर नहीं, बल्कि भारतीय परंपरा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और गुरू के प्रति श्रद्धा को जीवन में उतारने का पर्व है। गुरू के ज्ञान और संस्कारों से ही शिष्य का जीवन सार्थक होता है। डॉ. युधिष्ठिर सिंह ने भारतीय शिक्षण मण्डल के ध्येय वाक्य, प्रार्थना आदि पर संस्कृत में प्रकाश डाला। आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. शुभलेश कुमारी ने महाविद्यालय के ध्येय वाक्य से अवगत कराया। बीकॉम की डायरेक्टर डॉ. संतोष गाबा ने आगन्तुकों का स्वागत किया एवं गुरू-शिष्य के सम्बन्ध पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में डॉ. संतोष गाबा, प्रो. शुभलेश कुमारी, प्रो. अनीता रानी, प्रो. किरन सिंह, प्रो. शिखा श्रीधर, प्रो. अनुराधा गुप्ता सहित महाविद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएँ छात्राएँ प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन छात्रा अल्शिफा और चंचल ने संयुक्त रूप से किया।

यमुना में डूबने लगी तो तैरकर दूसरे गांव चली गई विवाहिता

फतेहाबाद। थाना डौकी क्षेत्र के गांव नूरपुर में महिला गृहक्लेश के चलते यमुना नदी में कूद गई। करीब 50 मीटर दूर पहुंची तो वह डूबने लगी। महिला तैरकर यमुना नदी किनारे पहुंच गई और दूसरे गांव में चली गई। करीब पांच घंटे तक पुलिस पीएसी के गोताखोरों की मदद से तलाश करती रही।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नर्मदा देवी पत्नी सूरजभान उम्र 35 वर्ष निवासी नूरपुर थाना डौकी का बुधवार सुबह पति से झगड़ा हो गया था तो वह अपने 7 वर्षीय पुत्री शैली को लेकर यमुना नदी किनारे खेतों पर काम करने चली गई। वह गुस्से में आकर यमुना नदी में कूद गई। जिसकी जानकारी होने पर उसकी पुत्री गांव पहुंची और मां की यमुना नदी में डूबने की सूचना दी। जानकारी पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और डौकी पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद और पीएसी के गोताखोरों की टीम यमुना नदी में तलाश कर रही थी। शाम साढ़े चार बजे के करीब 2 किलोमीटर दूर गढ़ी चंदन गांव में महिला घूमती मिली है। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां महिला की पहचान नर्मदा देवी के रूप में हुई। पुलिस महिला को लेकर थाने आई जहां पूछताछ करने पर महिला ने बताया कि उसका पति से झगड़ा हो गया था। इस वजह से वह यमुना नदी में कूद गई थी करीब 50 मीटर दूर यमुना नदी में बहने पर वह डूबने लगी तो वह तैरकर किनारे पहुंच गई और दूसरे गांव में पहुंच गई तब जाकर पुलिस ने राहत की सांस ली। वहीं इससे पूर्व पुलिस ने स्थानीय गोताखोर व पीएसी के गोताखोरों की मदद से यमुना नदी में करीब 5 घंटे तक सर्च ऑपरेशन चलाया। थानाध्यक्ष चौकी सुनीत शर्मा ने बताया कि महिला की यमुना नदी में डूबने की सूचना मिली थी।पीएसी के गोताखोर वह स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश की जा रही थी। लेकिन महिला पास के ही गांव में घूमती हुई मिली है जिस थाने लाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

खण्ड विकास अधिकारी ने ली अधीनस्थों की बैठक

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

विकासखंड फतेहाबाद में बुधवार को खंड विकास अधिकारी फतेहाबाद की अध्यक्षता में पंचायत सचिवों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, समस्त पंचायत सचिवों को रोस्टर के हिसाब से ग्राम पंचायत में रहने के लिए निर्देश दिए गए। बैठक में खंड विकास अधिकारी फतेहाबाद अरुण कुमार व एडीओ पंचायत नरेंद्र बघेल ने संयुक्त रूप से सचिवों को निर्देश देते हुए कहा कि आईजीआरएस पोर्टल की प्राप्त शिकायत को मौके पर जाकर गुणवक्ता पूर्व निस्तारण करने के निर्देश दिए। वहीं मेरा तालाब मेरी जिम्मेदारी के अंतर्गत चयनितों तालाबों का कायाकल्प करने के निर्देश। डॉ भीमराव अंबेडकर मूर्ति विकास योजना के अंतर्गत प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश। पंचायत सचिवालय में संचालित जन सेवा केंद्रों पर अधिक से अधिक ग्रामीणों के जन्म प्रमाण पत्र ,आय प्रमाण पत्र, मूल निवास ,जाति प्रमाण जारी करने के निर्देश।

प्राथमिक विद्यालय व उच्च प्राथमिक विद्यालयो में ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत कार्य करने के निर्देश। पंचायत सहायकों की पंचायत सचिवालय से ऑनलाइन पोर्टल पर शत प्रतिशत तत्व उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश। मड़ायना गौशाला को पुनः चालू करने के निर्देश। गौशाला में निराश्रित गौवंशों के लिए चारागाह की जमीन चिन्हित करने के निर्देश। बैठक में एडीओ? महेंद्र पाल सिंह, सचिव रितु यादव, संदीप सिंह ,राहुल परिहार, नसीम अहमद, विनोद कुमार आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने वारंटी को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। बुधवार को बमरौली कटारा पुलिस ने थाना डौकी से संबंधित वारंटी को उसके घर से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। थानाध्यक्ष बमरौली कटारा दीपक तिवारी ने बताया कि बुधवार को पुलिस टीम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि डौकी थाने में दर्ज विद्युत अधिनियम के मामले का वारंटी काफी समय से न्यायालय में पेश नहीं हुआ है और अपने घर पर मौजूद है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए थाना बमरौली कटारा के गांव नगला नाथू निवासी कालीचरण पुत्र छुट्टन लाल को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय भेजा गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

फर्जीवाड़े में वांछित आरोपी गिरफ्तार

पिनाहट। थाना पिनाहट पुलिस ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर अचल संपत्ति के साथ धोखाधड़ी करने के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की गिरफ्तारी 11 अगस्त की रात चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर की गई। पुलिस के मुताबिक 28 जून 2026 को वादी मनोज सक्सैना ने थाना पिनाहट में तहरीर देकर बताया था कि वह राजा अरिदमन सिंह की चल-अचल संपत्ति की देखभाल करता है। कस्बा पिनाहट स्थित राजा अरिदमन सिंह की दुकान और मकान किराये पर उठे हुए हैं। आरोप है कि किरायेदार दिनेश कुमार गुप्ता ने दुकान के मालिक के रूप में अपने बेटे राजीव कुमार के नाम दानपत्र तैयार कर उसे मालिक बना दिया। पुलिस के अनुसार इस मामले में गवाही भी कराई गई और कूटरचित दस्तावेज तैयार किए गए। तहरीर के आधार पर थाना पिनाहट में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए थे।इसी क्रम में थाना पिनाहट पुलिस टीम ने 11 अगस्त की रात थाना क्षेत्र में वांछित अभियुक्तों की तलाश और चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर शादाब हुसैन पुत्र जफर हुसैन, निवासी मोहल्ला सुनरट्टी , थाना बाह, कमिश्नरेट आगरा को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध थाना पिनाहट में इसी प्रकार के आरोपों से संबंधित एक अन्य मुकदमा भी दर्ज है, जिसमें कार्रवाई की गई है।

बिना हेलमेट हाईवे पर दौड़ाई बाइक

'बुलेट वाली बहू' की वायरल रील बन सकती है परेशानी का सबब

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा में सोशल मीडिया पर वायरल होने वाली एक रील अब पुलिस के लिए जांच का विषय बन गई है। मथुरा-आगरा हाईवे पर एक युवती का बुलेट चलाते हुए वीडियो सामने आया है। खास बात यह है कि युवती ने हेलमेट नहीं पहना है और चलती बाइक पर फिल्मी अंदाज में रील बनाती नजर आ रही है। वीडियो में युवती मराठी अंदाज की ड्रेस और गहनों से सजी हुई दिखाई दे रही है। आंखों पर काला चश्मा है और वह हाईवे पर बुलेट दौड़ाते हुए कभी कैमरे की ओर देखकर हाथ और चेहरे से इशारे करती है तो कभी एक हाथ से अपनी साड़ी संभालती दिखाई देती है। युवती ने बाइक चलाते समय अपना एक पैर बुलेट के लेगगार्ड पर भी रखा हुआ है। यानी हाईवे पर बाइक चलाने के साथ-साथ कैमरे के लिए अलग-अलग पोज भी दिए जा रहे हैं। इसी वजह से वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

'मेरी बाइक को पूरा आगरा पहचानता है...'

वीडियो को इंस्टाग्राम के PRXYA.JADON अकाउंट से पोस्ट किया गया है। रील के साथ युवती ने लिखा- बाइक से इतने कांड कर चुकी हूं। मेरी बाइक को पूरा आगरा पहचानता है। युवती का यह कैप्शन ही अब सोशल मीडिया यूजर्स के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। वीडियो सामने आने के बाद लोग यातायात नियमों को लेकर सवाल उठा रहे हैं और पुलिस से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

नंबर प्लेट पर भी उठे सवाल

वीडियो में बुलेट के आगे नंबर प्लेट लगी दिखाई दे रही है, लेकिन उस पर कोई नंबर स्पष्ट रूप से लिखा नजर नहीं आ रहा। नंबर प्लेट पुलिस के रंग में रंगी हुई दिखाई दे रही है। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने बाइक के मालिक और उसके नंबर को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। कुछ लोगों ने दावा किया कि बाइक किसी पुलिसकर्मी की हो सकती है।

यूजर्स ने आगरा पुलिस को किया टैग

वीडियो वायरल होने के बाद कमेंट बॉक्स में लोगों ने आगरा पुलिस से कार्रवाई की मांग शुरू कर दी।

रायल फौजी नाम के यूजर ने बिना हेलमेट बाइक चलाने को लेकर चालान की मांग की। एक अन्य यूजर ने आगरा पुलिस को टैग करते हुए सवाल किया कि अगर यही बाइक किसी आम नागरिक की होती तो क्या पुलिस अब तक कार्रवाई नहीं करती?

डीसीपी ट्रैफिक ने लिया संज्ञान

मामला पुलिस अधिकारियों तक पहुंचने के बाद जांच शुरू कर दी गई है। डीसीपी ट्रैफिक सोनम कुमार ने बताया कि वायरल वीडियो संज्ञान में आया है। युवती बिना हेलमेट बुलेट चलाती दिखाई दे रही है। हाईवे पर रील बनाई जा रही है।

उन्होंने बताया कि पुलिस यह पता कर रही है कि बुलेट किसके नाम है और वीडियो में दिखाई दे रही युवती कौन है। जांच के बाद नियमों के उल्लंघन की स्थिति में कार्रवाई की जाएगी।

ताजमहल पक्ष के अधिवक्ता कोर्ट में गैरहाजिर

ताजमहल-तेजोमहालय वाद की अगली सुनवाई 2 सितंबर को

टीएनएफ टुडे, आगरा।

योगी यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष एवं हिंदूवादी नेता कुंवर अजय तोमर द्वारा ताजमहल को तेजोमहालय शिव मंदिर बताते हुए सावन माह में जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक और अन्य हिंदू त्योहारों पर पूजा-अर्चना की अनुमति के लिए दायर वाद पर अपर सिविल जज सीनियर डिवीजन (सप्तम) न्यायाधीश रजत शुक्ला की अदालत में सुनवाई हुई।

कोर्ट में सुनवाई के दौरान वाद में पक्षकार बनने की अर्जी देने वाले सैयद इब्राहिम हुसैन जैदी के अधिवक्ता रहीसउद्दीन न्यायालय में हाजिर नहीं हुए। इस पर अदालत ने कहा कि मामला प्रथम बार कोर्ट में ट्रांसफर होकर आया है। इसलिए सेक्शन 89ए जनरल रूल्स सिविल के तहत सुनवाई की जाएगी। ताजमहल पक्ष के अधिवक्ता को सूचना के लिए समय देते हुए मामले की अगली सुनवाई 2 सितंबर के लिए तय की गई है।

आपको बता दें कि पूर्व में यह मामला लघुवाद न्यायालय में चल रहा था। जो अब अपर सिविल जज सीनियर डिवीजन (सप्तम) न्यायाधीश रजत शुक्ला की अदालत में स्थानांतरित हुआ है। तेजोमहालय के पक्षकार कुंवर अजय तोमर ने अपने अधिवक्ताओं (शिव आधार सिंह तोमर और झम्मन सिंह रघुवंशी) के माध्यम से 23 जुलाई 2024 को वाद दाखिल किया था। इस वाद में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीक्षण पुरातत्वविद् और भारत संघ को प्रतिवादी बनाया गया है। वादी पक्ष का दावा है कि राजा परमार्दिदेव द्वारा 1155 से 1212 के मध्य बनवाया गया तेजोमहालय शिव मंदिर है। जिसे बाद में राजा मानसिंह और राजा जयसिंह ने सुरक्षित रखा। शाहजहां द्वारा इसे अधिग्रहित किया गया। कुंवर अजय तोमर ने दोहराया कि जब उर्स और ईद के दौरान ताजमहल में विशेष व्यवस्थाएं हो सकती हैं, तो सावन के सोमवार पर भी हिंदुओं को पूजा-अर्चना की अनुमति मिलनी चाहिए। उन्होंने पूर्ण विश्वास जताया कि उनके पास ठोस सबूत हैं। वे यह कानूनी लड़ाई अवश्य जीतेंगे।

सनातन और संतों को बदनाम करने में जुटी सपाः भूपेंद्र चौधरी

प्रभारी मंत्री बोले- सपा का पीडीए यानी परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी, इससे आगे कुछ नहीं

टीएनएफ टुडे, आगरा।

उत्तर प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री और आगरा के प्रभारी मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी ने समाजवादी पार्टी पर जोरदार हमला बोला। बुधवार को आगरा पहुंचे प्रभारी मंत्री ने विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा के बाद सर्किट हाउस में प्रेसवार्ता की। इस दौरान उन्होंने सपा के साथ-साथ उसके पीडीए के नारे और राम मंदिर से जुड़े विवाद को लेकर भी तीखे आरोप लगाए। भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि सपा ने सनातन, हिंदू संस्कृति, परंपरा और साधु-संतों को बदनाम करने की सुपारी ले रखी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा और कांग्रेस का प्रयास रहा है कि समाज में सनातन और हिंदू आस्था के प्रति अनास्था पैदा की जाए। राम मंदिर से जुड़े विवाद पर प्रभारी मंत्री ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि इन लोगों को इस बात का कष्ट है कि उनके न चाहने के बावजूद भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर भव्य मंदिर कैसे बन गया। उन्होंने कहा कि विपक्ष का एजेंडा हिंदू संस्कृति, परंपरा, आस्था, सनातन और साधु-संतों के प्रति समाज के विश्वास को कमजोर करना है। उन्होंने कहा कि सरकार ने संबंधित मामलों में एसआईटी गठित कर जांच कराई और जांच में जो लोग दोषी पाए गए, उन्हें जेल भेजा गया। सपा के पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समीकरण पर भी भूपेंद्र सिंह चौधरी ने करारा कटाक्ष किया।

उन्होंने कहा कि सपा का पीडीए अब जनता के सामने पूरी तरह जगजाहिर हो चुका है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, सपा के पीडीए का असली अर्थ परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी है। उन्होंने कहा कि सपा इससे आगे नहीं निकल पाएगी और पार्टी भ्रमित है।सपा के सत्ता में वापसी के दावों पर प्रभारी मंत्री ने कहा कि सपने देखने पर कोई पाबंदी नहीं है। उन्होंने कहा कि सपने कोई भी देख सकता है, ये लोग भी सपने देख रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने अवैध काम किए और गैरकानूनी गतिविधियों में जिनकी संलिप्तता सामने आई, वे कोर्ट के आदेश के बाद जेल में हैं।

उन्होंने दावा किया कि सपा की सरकार में आने की संभावनाएं लंबे समय तक नहीं हैं। आगरा में बारिश के दौरान लगातार धंस रही सड़कों को लेकर पूछे गए सवाल पर भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि कुछ स्थानों पर पुरानी सीवर और पेयजल लाइनों में शिकायतें सामने आई हैं। जल रिसाव के कारण कुछ जगहों पर सड़कें धंसने की स्थिति बनी। उन्होंने कहा कि समीक्षा बैठक में इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा हुई है और संबंधित अधिकारियों को धंसी हुई सड़कों को तत्काल ठीक कराने के निर्देश दिए गए हैं। शिकायतों पर कार्रवाई भी की गई है। बारिश के दौरान जेवर एयरपोर्ट पर जलभराव के सवाल पर प्रभारी मंत्री ने कहा कि अत्यधिक जलभराव से कुछ समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। सरकार इस पर प्रभावी कार्रवाई कर रही है। उन्होंने बताया कि समीक्षा बैठक में भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई और जनप्रतिनिधियों ने जलभराव की समस्या को उठाया। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी परिस्थितियां दोबारा उत्पन्न न हों, इसके लिए सरकार कार्ययोजना तैयार कर रही है।आगरा के प्रभारी मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी बुधवार को जिले के विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा करने पहुंचे थे। समीक्षा बैठक में शहर की आधारभूत सुविधाओं, बारिश से पैदा हुई समस्याओं, सड़कों की स्थिति और अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक के बाद उन्होंने सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए विपक्ष पर राजनीतिक हमला बोला और सरकार की ओर से समस्याओं के समाधान के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी।

ग्रैंड फिनाले एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम

टीएनएफ टुडे, आगरा।

सेंट एंड्रूज पब्लिक स्कूल, कमला नगर में इंटर स्कूल कॉमक्वेस्टझ्र2026 के ग्रैंड फिनाले का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि रंजना बंसल चेयरपर्सन अशोक ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज, विद्यालय के सीएमडी डॉ. गिरधर शर्मा, एम.डी. ओशीन शर्मा, प्रांजल शर्मा, अपूर्वा शर्मा, शिवांजल शर्मा, समस्त निर्णायक मंडल–सीए उमेश गर्ग, सीए अमिता गर्ग, डॉ. आरएस तिवारी 'शिखरेश', डॉ. प्रमिला चावला, प्रशांत कुमार शर्मा, डॉ. शांतनु कुमार शाहू, विद्यालय की प्राचार्या अंशु सिंह तथा उप-प्राचार्य अभिषेक क्रिस्टी ने संयुक्त रूप से माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया।

विद्यालय के सीएमडी. डॉ. गिरधर शर्मा ने कहा कि हमारा प्रयास है कि हर विधार्थी को अवसर मिलना चाहिए। वे अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन कर सकें। सपने देखें और उन्हें साकार करने का भरसक प्रयास करें। छात्र-छात्राओं ने समूह गान एवं भावपूर्ण नृत्य के माध्यम से ओजस्वी गणेश वंदना प्रस्तुत की। टग ऑफ वर्ड्स, वेंचर शार्क एवं डिजिटल पैलेट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कॉमक्वेस्ट के प्रथम चरण में प्रत्येक प्रतियोगिता से चयनित छह-छह टीमों ने ग्रैंड फिनाले में भाग लिया। सेंट एंड्रूज पब्लिक स्कूल ने मुख्य प्रतियोगिता में स्वयं को शामिल नहीं किया। विद्यालय के विद्यार्थियों को अवसर देने के लिए अलग से इंटर एंड्रूज स्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इंटर स्कूल कॉमक्वेस्टझ्र2026 के परिणाम :- टग ऑफ वर्ड्स में प्रथम स्थान –सचदेवा मिलेनियम स्कूल, रितिका नौहवार, स्वातिसिंह- द्वितीय स्थान –ऑल सेंटस स्कूल, शिवानी प्रियदर्शिनी ,मीत साहनी, तृतीय स्थान – कर्नल्स बाइटलैंड स्कूल, वंशिका लवानिया ,योगेश सोलंकी, वेंचर शार्क में :- प्रथम स्थान –कर्नल्स बाइटलैंड स्कूल, निखिल दिवाकर ,सूर्यम रावत, द्वितीय स्थान –गणेश राम नागर, कावयानी श्रीवास्तव,याशिका गुप्ता, तृतीय स्थान – दिल्ली पब्लिक स्कूल, शानवी अग्रवाल,माहिरा कक्कड़, डिजिटल पैलेट में:- प्रथम स्थान – गायत्री पब्लिक स्कूल शास्त्रीपुरम, अभिषेक सैनी, रिदिमा भार्गव, द्वितीय स्थान – गणेश राम नागर, उन्नति गुप्ता,दिशा अग्रवाल, तृतीय स्थान – दिल्ली पब्लिक स्कूल, स्पर्श गोयल,देवाश जैन ने प्राप्त किया।

तीनों प्रतियोगिताओं में पृथक रूप से प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली प्रत्येक विजेता टीमों को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र के साथ क्रमशः ?5,100, ?3,100 तथा ?2,100 का चेक प्रदान किये गए। इंटर एन्डूज स्कूल प्रतियोगिताः- टग ऑफ वर्ड्स में :- सेंट एन्डूज स्कूल, शमशाबाद रोड आगरा, साक्षी यादव ,ओमिका सिंह, वेंचर शार्क में:-सेंट सी०एफ० एन्ड्रज स्कूल, लक्ष्मी कुमारी, अंकिता कुमारी, डिजिटल पैलेट में:- सेंट एन्डूज पब्लिक स्कूल कमला नगर आगरा, परिचित वर्मा,आर्यन वर्मा प्रत्येक विजेता टीम को ?5,100 का चेक एवं शील्ड व प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गए। मुख्य अतिथि रंजना बंसल ने सभी विजेता एवं प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएँ दीं।

रोडवेज अफसरों की मनमानी स्वीकार नहीः सत्य नारायन शर्मा

आगरा। रोडवेज विभाग उप्र सरकार का जनहित में संचालित प्रतिष्ठान है, जो सरकार के नियन्त्रण में है। जहां इस समय अफसरशाही हावी है। कर्मचारियों के साथ भेद-भाव पूर्ण कार्यवाही अधिकारियों का पेशा बन गया है। परिवहन निगम मुख्यालय लखनऊ के आदेशों को दरकिनार कर मनमानी हो रहीं है। लम्बे समय से एक स्थान एवं पटल पर जमें सुपरवाइजर, क्लर्को ने सुविधा शुल्क को अपना पेशा बना रखा है। कर्मचारियों का शोषण, उत्पीड़न बेखौफ किया जा रहा। जिस पर किसी भी स्थानीय अधिकारी का नियन्त्रण नहीं है। निगम हितों एवं जनहितो की धज्जियां उड़ाई जा रही है। लोड फैक्टर, डीजल औसत के नाम पर चालक, परिचालकों को यातना दी जा रही हैं। महिला परिचालकों के लिए अलग से टायलेट, विश्राम गृह नहीं है। दर्जनों परिचालकों को प्रतिदिन ड्यूटी तक नहीं दी जा रही है। जिनमें महिला परिचालक भी सम्मिलित हैं। बिना ड्यूटी के बहुतों के परिवार में आर्थिक संकट पैदा हो गया है। श्रमिक दर दर भटकता रहता है लेकिन सुनने वाला कोई नहीं है। तंग आ चुका कर्मचारी बहुत आक्रोशित हैं। बढ़ता हुआ आक्रोष 24 अगस्त को प्रमाण सहित क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय आगरा पर दिखाई देगा।

एक मृत व्यक्ति बचा सकता है 9 जिंदगियां

हर 3 मिनट में एक मरीज को चाहिए नया अंग

टीएनएफ टुडे, आगरा।

देश में हर दिन बड़ी संख्या में मरीजों को अंग प्रत्यारोपण की जरूरत होती है, लेकिन मांग और उपलब्धता के बीच बड़ा अंतर बना हुआ है। हर तीन मिनट में भारत में किसी न किसी मरीज को एक अंग की जरूरत पड़ती है। ऐसे में अंगदान किसी जरूरतमंद के लिए जीवनदान साबित हो सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, एक मृत व्यक्ति के अंगों से नौ लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है।

इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रणवीर सिंह त्यागी ने कहा कि दक्षिण भारत की तुलना में उत्तर भारत में अंगदान को लेकर अभी भी जागरूकता का अभाव है। लोगों में अंगदान को लेकर कई तरह के भ्रम और संकोच हैं, जिन्हें दूर करने की जरूरत है। शुक्रवार को सिकंदरा बाईपास स्थित सिनर्जी प्लस हॉस्पिटल में इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन की ओर से अंगदान जागरूकता अभियान के तहत पोस्टर का विमोचन किया गया।

जागरूकता पोस्टर का संयुक्त रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रणवीर सिंह त्यागी, डॉ. राकेश त्यागी, डॉ. अरविंद यादव, डॉ. रजनीश मिश्रा और डॉ. दीप्तिमाला अग्रवाल ने विमोचन किया। इस दौरान चिकित्सकों ने लोगों को अंगदान के महत्व की जानकारी दी और समाज में फैले भ्रमों को दूर करने का आह्वान किया।डॉ. रणवीर सिंह त्यागी ने बताया कि अगस्त माह को अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष रूप से अभियान चलाया जा रहा है। इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन की ओर से देशभर में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान का 31 अगस्त को समापन समारोह होगा। इसमें शहर के प्रबुद्ध वर्ग को अंगदान की आवश्यकता और इसके महत्व के बारे में जानकारी दी जाएगी। साथ ही शहरवासियों से अंगदान का संकल्प लेने की अपील की जाएगी।

आगरा पुलिस ने निकाली तिरंगा रैली निकाली

आगरा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से आगरा पुलिस ने बुधवार को ह्यहर घर तिरंगाह्न अभियान के तहत भव्य तिरंगा रैली निकाली। पुलिस आयुक्त, आगरा के निर्देशन में आयोजित रैली में बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। रैली का शुभारंभ रिजर्व पुलिस लाइन्स, आगरा से हुआ। हाथों में तिरंगा लेकर पुलिसकर्मी देशभक्ति के नारों और राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का संदेश देते हुए शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरे।

तिरंगा रैली कलेक्ट्रेट चौराहा, सुभाष पार्क,पंचकुइया चौराहा, तहसील तिराहा होते हुए वापस रिजर्व पुलिस लाइन्स पहुंची, जहां रैली का समापन किया गया। रैली के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और गौरव की भावना के लिए प्रेरित किया। साथ ही आमजन से हर घर तिरंगा अभियान से जुड़कर अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने की अपील की गई।आगरा पुलिस की इस पहल का उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नागरिकों में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और अखंडता की भावना को और मजबूत करना है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ह्यहर घर तिरंगाह्न अभियान केवल तिरंगा फहराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के प्रति सम्मान, गौरव और एकजुटता की भावना को प्रदर्शित करने का माध्यम भी है।

फास्ट क्रिकेट बाह कप क्रिकेट की देन

भारत में फास्ट क्रिकेट की नींव बाह कप क्रिकेट से ही पड़ी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

क्रिकेट मेरे लिए बस चुनौती थी। जिसेखिलाड़ी नहीं आयोजक बन कर स्वीकारी। एक बार टीम बनाई जा रही थी। अजेंद्र गुप्ता, राजीव गुप्ता ओपनर हो गए, मुकेश (भजनलाल), नीरज, नरेश जैन, सचिन, टाटा, गेंदबाज, अश्वनी, अजय, विनय, राजेश, सुरेंद्र बाथम, सर्वेंद्र सिंह चौहान जैसे 70 के दशक के खिलाड़ी थे। टाटा को बाहर करके टीम बनानी थी। बस यही चुनौती थी। तबसे बस आयोजक बन गया विकेट कीपर था। 80 के दशक में सुरेंद्र चौहान ने मेरी जगह ले ली। हाकी के जानदार खिलाड़ी नरेंद्र जिन्हें सोल्कर मानते थे, वे आयोजक क्रिकेट बने।

90 के दशक के हीरो अखिलेश जो 80 के अंत में हमारे साथ जुड़ा उसे उसके बड़े भाई ने नहीं जाने दिया। नहीं तो उसे स्पोर्ट्स कालेज भेजने की पूरी कोशिश की। मगर उसे आगरा कैंप भी नहीं ले जा सके। वह अब सुरेंद्र चौहान के साथ हमारे बीच नहीं है। मगर ये दो प्रतिभाएं देश में नाम करतीं। अफसोस ये दोनों खिलाड़ी थे मगर...

बहुत कुछ खोकर हमने पिताजी के सिद्धान की तरह बाह में अखिल भारतीय स्तर के 1977 से लेकर 2004 तक 19 आयोजन कराए। जिससे बाह की प्रतिभाओं को अच्छा खेल खिलाड़ी देखने साथ खेलने को मिले। मगर अफसोस मेरे लक्ष्य में मद्यपान घर गया। जिसने क्रिकेट को विकृत कर दिया। बात कीजिए तो बात करेंगे क्या किसकी धोखेबाजी अपने साथ प्रतिभा की रही...। मैंने प्रयास किए तो कई खिलाड़ी आज भी नाम लेते हैं। कई आपकी तरह सवाल करते हैं। मैं क्रिकेट का कभी कोच नहीं बना। हां, प्रयोगशाला में उसका डेमोस्ट्रेटर रहा। शरद भदौरिया, अखिलेश गुप्ता, विमल शर्मा, सुरेंद्र, मनीष गुप्ता, आनंद पचौरी, विनय पचौरी, ब्रजकिशोर, अरविंद बरुआ आदि के अलावा भी कई नाम हैं। सुनील पचौरी और तुम तो सुरेंद्र के मित्र थे। कब कोई सूचना उसकी दी। यदि समय रहते हम चेतते तो अखिलेश सुरेंद्र यूं अपयश की जिंदगी के उदाहरण न बनते। इसलिए क्रिकेट को हमने जो खोकर दिया, वह नहीं लौटा, और खोता ही गया।

हां, कोई माने या न माने पर भारत में फास्ट क्रिकेट की नींव बाह कप क्रिकेट से पड़ी। इसका मुझे एहसास है। 1982 में जो प्रदेशीय क्रिकेट कराई उसकी एफिलेशन से कराई तो हमारे 20 ओवर के मैच दो घंटा पांच मिनट वाले देश के पहले फास्ट क्रिकेट के मैच थे। जिनकी अनुमति तत्कालीन सचिव कैलाश नाथ टंडन ने बड़ी मुश्किल से दी थी। इस परंपरा को सफल बनाने में सतीश पचौरी, नरेंद्र काशीवार, सचिन गुप्ता और टाटा अश्वनी शर्मा, नीरज मुकेश आदि की भूमिका के बल पर मिली। धन्यवाद लालजी तिवारी, भैरों, भले, और मुकेश तिवारी की तरह के कई मैदान के बाहर के खिलाड़ी, जिनके बिना हरीशंकर तिवारी को लोग नहीं पूछते। आभार बाह वाह बाह...।

विशाल शर्मा बने राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के जिलामंत्री

आगरा। राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा संगठन को आगरा जनपद में अधिक मजबूत, सक्रिय और प्रभावशाली बनाने के उद्देश्य से संगठन का विस्तार किया गया है। राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के जिलाध्यक्ष पंडित कशिश उपाध्याय ने नगला पदी निवासी विशाल शर्मा पुत्र कालीचरण शर्मा को संगठन की जिला इकाई–आगरा में जिला मंत्री के पद पर नियुक्त किया है। संगठन के शीर्ष नेतृत्व एवं जिलाध्यक्ष द्वारा जारी नियुक्ति पत्र में यह उम्मीद जताई गई है कि विशाल शर्मा संगठन के सिद्धांतों, नीतियों और उद्देश्यों के अनुरूप पूरी निष्ठा, ईमानदारी व जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे तथा संगठन के विस्तार एवं मजबूती के लिए निरंतर कार्य करेंगे। अपनी इस नई जिम्मेदारी पर प्रतिक्रिया देते हुए नवनियुक्त जिला मंत्री विशाल शर्मा ने कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर वे पूरी तरह से खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा मैं अपने दायित्व का पूर्ण रूप से निर्वहन करते हुए समाज में युवाओं के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर कार्य करूँगा। युवाओं को किसी भी प्रकार की समस्या या कठिनाई आने पर उनकी हर संभव सहायता की जाएगी और समस्याओं के निवारण हेतु पूरा योगदान दिया जाएगा। विशाल शर्मा को जिला मंत्री बनाए जाने पर संगठन के कार्यकताओं, परिजनों और क्षेत्रीय गणमान्य लोगों में खुशी की लहर है। इस अवसर पर कालीचरण शर्मा, विक्रम उपाध्याय, ओमवीर सिंह, दिव्यांशू बघेल, परमानंद शर्मा और ठाकुर अनूप ने उन्हें बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

मॉडल स्कूल में गूंजा 'वंदे मातरम'...

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के मॉडल स्कूल में हर घर तिरंगा अभियान के तहत कार्यक्रम

टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के मॉडल स्कूल में बुधवार को ह्यवंदे मातरम‑ गायनह्न कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहाँ 800 से अधिक विद्यार्थियों ने एक स्वर में सामूहिक गायन कर राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को अभिव्यक्त किया। विद्यार्थियों की ओजस्वी आवाज से पूरा परिसर देशभक्ति के भाव से गूंज उठा। इसके साथ ही स्वामी विवेकानंद परिसर, खंदारी में ह्यसामान्य ज्ञान प्रतियोगिताह्न का आयोजन हुआ। जिसमें विश्वविद्यालय एवं मॉडल स्कूल के 800 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन, संविधान, राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय प्रतीकों तथा देश के इतिहास से संबंधित प्रश्न पूछे गए। इसमें विद्यार्थियों ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

मुख्य भूमिका कुलसचिव अजय मिश्रा (पीसीएस) और छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. बीएस शर्मा की रही। संयोजक समिति के सदस्य प्रो. आरके अग्निहोत्री, सौरभ निषाद, डॉ. मोनिका अस्थाना, डॉ. मीनाक्षी चौधरी एवं डॉ. रत्ना पांडेय ने सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अभियान के अगले चरण में आज कुलपति प्रो. आशु रानी की अध्यक्षता में भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। स्वामी विवेकानंद परिसर, खंदारी में 'तिरंगा रैली' निकाली जाएगी और इसी परिसर में तिरंगा मेला, भव्य तिरंगा म्यूजिकल कॉन्सर्ट का आयोजन होगा, जे.पी. सभागार, आगरा में विविध 'सांस्कृतिक कार्यक्रम' प्रस्तुत किए जाएंगे। साथ ही स्वामी विवेकानंद परिसर, खंदारी में खो-खो, कबड्डी एवं रस्साकसी जैसे 'स्थानीय खेल' आयोजित किए जाएंगे।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।

संपादकः धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com

पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

सरकारी खजाने पर 'सिंडिकेट' का डाका और सुहाग का सौदा

उत्तर प्रदेश के आगरा जिले से 'मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना' को लेकर जो खबर सामने आई है, वह न केवल सरकारी तंत्र की आंखों में धूल झोंकने जैसी है, बल्कि सामाजिक नैतिकता के पतन का एक भयावह उदाहरण भी है। आगरा में इस कल्याणकारी योजना के तहत कुल 1201 जोड़े शादी के बंधन में बंधने के लिए कतार में खड़े थे। लेकिन जब प्रशासन ने इन आवेदनों का गहन ऑनलाइन और भौतिक सत्यापन कराया, तो जो सच बाहर आया उसने पूरी व्यवस्था को हिलाकर रख दिया। 1201 आवेदनों में से करीब 1000 आवेदन सीधे तौर पर फर्जी या अपात्र पाए गए और मात्र 201 जोड़े ही सही (पात्र) मिले। यानी 80 फीसदी से ज्यादा आवेदन सिर्फ और सिर्फ सरकारी धन को हड़पने की नीयत से दाखिल किए गए थे। इससे बड़ा और संगठित गोलमाल भला और क्या हो सकता है? इस पूरे फर्जीवाड़े का जो तरीका सामने आया है, वह हैरान करने वाला है। जांच में पता चला कि लगभग 1000 ऐसी महिलाएं दोबारा दुल्हन का जोड़ा पहनकर मंडप में बैठने की तैयारी में थीं, जिनकी शादी महज 4 से 8 महीने पहले ही हो चुकी थी। पति वही था, लेकिन सरकारी मदद के रूप में मिलने वाले करीब 1 लाख रुपये के लालच में वे कागजों पर खुद को दोबारा 'कुंवारा' दिखाकर सिस्टम को ठगने चली थीं। इतना ही नहीं, कुछ आवेदिकाएं तो तय उम्र से कम (नाबालिग) पाई गईं और कुछ ऐसे रसूखदार थे जिनकी सालाना आय सरकार द्वारा तय 3 लाख रुपये की सीमा से कहीं अधिक थी। यह केवल कुछ गरीब परिवारों का लालच नहीं है, बल्कि इसके पीछे बिचौलियों, दलालों और भ्रष्ट स्थानीय कारिंदों का एक पूरा 'सिंडिकेट' सक्रिय है। ये दलाल ऐसे नवविवाहित जोड़ों को तलाशते हैं, जिनकी हाल-फिलहाल में शादी हुई हो। फिर उन्हें चंद रुपयों का लालच देकर सरकारी योजना के तहत दोबारा शादी के लिए राजी किया जाता है। इस पूरी साजिश में बड़ा हिस्सा इन दलालों की जेब में जाता है। उत्तर प्रदेश की इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य गरीब, निराश्रित और जरूरतमंद बेटियों की शादी सम्मानपूर्वक कराना और उन्हें आर्थिक संबल देना है। लेकिन जब योजना की मूल भावना का ही इस तरह गला घोंट दिया जाए, तो सवाल उठना लाजिमी है। -गनीमत इतनी रही कि आगरा प्रशासन ने समय रहते ऑनलाइन और डिजिटल सत्यापन के जरिए इस महाघोटाले को होने से रोक दिया और अपात्र आवेदनों को निरस्त कर दिया। लेकिन सिर्फ आवेदन निरस्त कर देना ही इस मर्ज का मुकम्मल इलाज नहीं है। सवाल यह है कि आखिर इतनी बड़ी संख्या में फर्जी दस्तावेज तैयार कैसे हुए? आय प्रमाण पत्र, आधार कार्ड और निवास प्रमाण पत्रों का सत्यापन प्राथमिक स्तर पर करने वाले अधिकारियों ने अपनी आंखें क्यों बंद कर रखी थीं? जब तक इन बिचौलियों और उनके मददगार सरकारी कर्मचारियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई नहीं होगी और उन्हें जेल नहीं भेजा जाएगा, तब तक ऐसी कल्याणकारी योजनाओं में सेंधमारी बंद नहीं होगी। आगरा का यह मामला देश भर की सभी जनहितैषी योजनाओं के लिए एक बड़ा सबक है। सरकार को सामूहिक विवाह जैसी योजनाओं में बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, बहु-स्तरीय दस्तावेजी जांच और जमीनी सत्यापन को पूरी तरह अनिवार्य कर देना चाहिए ताकि हकदार का हक न मरे। जनता के टैक्स के पैसे से चलने वाली योजनाओं को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ने से बचाना सरकार और समाज दोनों की सामूहिक जिम्मेदारी है।

पीढ़ियाँ उम्र और नाम से नहीं, काम से पहचानी जाती हैं

डॉ. राकेश राणा

किसी पीढ़ी की पहचान इस बात से होती है कि उसने अपने समय को कैसे जिया, उसकी चुनौतियों का सामना कैसे किया और आने वाली पीढ़ियों के लिए क्या छोड़ा। पीढ़ियाँ इतिहास, सामाजिक परिस्थितियों, राजनीति, अर्थव्यवस्था और तकनीकींीí बदलावों से निर्मित होती हैं। समाजशास्त्र में पीढ़ियों का अध्ययन इसी सामूहिक अनुभव को समझने का प्रयास है। जनरेशनल स्टडीज व्यक्ति से आगे जाकर उन साझा अनुभवों और सामाजिक मनोदशाओं को पहचानती है, जिनसे एक दौर में जन्मे लाखों लोग प्रभावित होते हैं। इसलिए किसी पीढ़ी को केवल उसके नाम, व्यवहार या कमियों के आधार पर समझना उसके साथ अन्याय है। आज जेन-जी को लेकर भी ऐसी ही जल्दबाजी दिखाई देती है। उसे उपद्रवी, आंदोलनकारी, अस्थिर या नकारात्मक कह देना आसान है, लेकिन उसकी उपलब्धियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। खेल, शिक्षा, तकनीक, उद्यमिता और संचार के क्षेत्र में इस पीढ़ी ने अपनी अलग पहचान बनाई है। किसी भी पीढ़ी को समझने के लिए उसके समय को समझना जरूरी है। भारतीय पीढ़ियों को उनके ऐतिहासिक संदर्भों में देखें तो एक दिलचस्प सामाजिक यात्रा सामने आती है।

ग्रेटेस्ट जनरेशन : संघर्ष से राष्ट्र-निर्माण तक

आजादी के संघर्ष से जुड़ी ग्रेटेस्ट जनरेशन ने दो विश्व युद्धों, वैश्विक महामंदी, महामारियों और विभाजन की त्रासदी को झेला। फिर भी स्वतंत्र भारत का सपना उसके सामने स्पष्ट था। आजादी उसके लिए केवल राजनीतिक मुक्ति नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण की शुरूआत थी। यह वह पीढ़ी थी जिसकी दुनिया चिट्ठियों, अंतरदेशीय पत्रों और डाकिए की प्रतीक्षा से चलती थी। लैंडलाइन और पीसीओ की कतारें, राशन की दुकानों पर इंतजार, किताबों से पढ़ाई, शिक्षकों का अनुशासन और गर्मियों की छुट्टियों में रिश्तेदारों के घर बिताया गया समय—इसी सादगी में इसका समाजीकरण हुआ। संसाधन सीमित थे, लेकिन सामूहिक स्वप्न बड़ा था। कर्तव्य, अनुशासन, ईमानदारी और सामाजिक सम्मान इसके प्रमुख जीवन-मूल्य बने।

साइलेंट जनरेशन : शांत बदलाव की पीढ़ी

साइलेंट जनरेशन मेहनती, अनुशासित और स्थिरता को महत्व देने वाली पीढ़ी रही। सरकारी नौकरी, परिवार और सुरक्षित भविष्य इसकी प्राथमिकताओं में रहे। घंटों काम करना और छोटे-बड़ों का सम्मान करना इसकी सामाजिक पहचान बनी। कंप्यूटर इसके जीवन में अपेक्षाकृत देर से आया, लेकिन बदलती दुनिया की आहट इस पीढ़ी ने महसूस की। व्यक्तिगत उपलब्धियाँ धीरे-धीरे सामाजिक पहचान का हिस्सा बनने लगीं। प्रत्यक्ष संवाद के साथ फोन ने दूरी कम की! सामुदायिक चेतना भी आकार लेने लगी। यह पीढ़ी बदलाव चाहती थी, लेकिन उसका स्वर अक्सर धीमा था।

बेबी बूमर्स : परंपरा और स्वतंत्रता के बीच बेबी बूमर्स व्यावहारिक, स्वतंत्र सोच वाली और परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने वाली पीढ़ी रही। इसने काम और स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की। पंचवर्षीय योजनाओं, बदलती अर्थव्यवस्था और फैलते बाजारों ने इसके सामने नई संभावनाएँ खोलीं। संचार के नए माध्यमों ने कौतूहल पैदा किया और सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तन ने नई आकांक्षाओं को जन्म दिया। यह पीढ़ी परंपरा और आधुनिकता के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु बनी।

जनरेशन एक्स : वैश्विक सपनों की दस्तक

जनरेशन एक्स उस समय बड़ी हुई जब भारत हरित क्रांति के अनुभव से गुजर रहा था और दुनिया चंद्रमा तक पहुँच चुकी थी। शिक्षा, मीडिया, विज्ञापन और बाजार तेजी से विस्तार कर रहे थे। यह पीढ़ी शिक्षित, सहयोगपरक और अपने उद्देश्यों के प्रति प्रतिबद्ध रही। बाहरी दुनिया से बढ़ते संपर्क ने इसे विविधता और वैश्विक विकास की नई तस्वीर दिखाई। इसी दौर में समाज में समावेशिता, सामाजिक जिम्मेदारी और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा के नए मूल्य मजबूत हुए।

जेन वाई : कंप्यूटर से वैश्विक नागरिक तक

जेन वाई कंप्यूटर क्रांति और वैश्वीकरण के साथ सामने आई। यह उद्यमिता, सामाजिक जागरूकता और वैश्विक संपर्कों की पीढ़ी बनी। इंटरनेट ने इसकी दुनिया की सीमाएँ छोटी कर दीं। भारत की अर्थव्यवस्था भी इसी दौर में उदारीकरण की ओर बढ़ी। बाजार का विस्तार हुआ और नई वस्तुओं, विचारों तथा संस्कृतियों से परिचय बढ़ा। स्मार्टफोन और इंटरनेट ने संवाद के तरीके बदल दिए। इसी पीढ़ी ने डिजिटल दुनिया को सुविधा से आगे बढ़ाकर जीवन-शैली का हिस्सा बनाया।

जेन-जी : रियल टाइम में जीती पीढ़ी

जेन-जी तकनीक का इस्तेमाल करने वाली ही नहीं, बल्कि तकनीक के साथ बड़ी हुई पीढ़ी है। इसकी दुनिया रियल टाइम की दुनिया है। सूचना के लिए प्रतीक्षा कम है और प्रतिक्रिया की गति बहुत तेज। ऐप्स, वीडियो, वॉयस कंटेंट और सोशल मीडिया इसके स्वाभाविक संवाद-माध्यम हैं। सीखना, खरीदना, मनोरंजन और संबंध—सब कुछ डिजिटल प्लेटफॉर्मों से जुड़ता जा रहा है। लेकिन यहीं एक बड़ा सवाल भी है—क्या जेन-जी तकनीक चला रही है या तकनीक जेन-जी को चला रही है? अमेजन, ब्लिंकिट, जेप्टो, स्विगी, फ्लिपकार्ट, जोमैटो और डोमिनोज जैसे प्लेटफॉर्म सुविधा को जीवन की गति से जोड़ चुके हैं। क्रेडिट और डिजिटल भुगतान ने उपभोग को आसान बनाया है। ह्यअभी चाहिएह्व की संस्कृति ने प्रतीक्षा के पुराने संस्कार को चुनौती दी है। बाजार अब केवल वस्तुएँ नहीं बेचता; वह समय, सुविधा और अनुभव भी बेचता है। यही जेन-जी की बड़ी सामाजिक चुनौती है। राज्य, बाजार और तकनीक के बीच उसका समाजीकरण हो रहा है। सवाल यह है कि इस प्रक्रिया में समाज और व्यक्ति के पारंपरिक संबंध कितने सुरक्षित रहेंगे?

जनरेशन अल्फा : सुविधाओं के बीच अनिश्चितता

जनरेशन अल्फा, यानी 2013 के बाद जन्मी पीढ़ी, स्मार्ट तकनीक के बीच बड़ी हो रही है। स्क्रीन उसके लिए बाहरी वस्तु नहीं, जीवन का हिस्सा है। लेकिन सुविधाओं के इस संसार के साथ तनाव, प्रतिस्पर्धा और अनिश्चितता भी बढ़ रही है। भारतीय बच्चों का पालन-पोषण अक्सर अतिसंरक्षण में होता है। वयस्क होने पर जब वे रोजगार की अस्थिरता और एडहॉक कल्चर से सामना करते हैं तो अनिश्चितता उन्हें परेशान करती है। इसलिए आने वाली पीढ़ियों की सबसे बड़ी जरूरत केवल तकनीकी दक्षता नहीं होगी। उन्हें अनिश्चितता के साथ जीना, बदलती परिस्थितियों में निर्णय लेना और सामाजिक रिश्तों तथा जिम्मेदारियों को नई मूल्य - संरचना में ढालना सीखना होगा।

आखिर सवाल पीढ़ी का नहीं, दिशा का है

हर पीढ़ी अपने पूर्ववर्ती से अलग होती है। उसे समझने के बजाय यदि हम केवल उसके व्यवहार पर फैसला सुनाने लगें तो हम उसके समय को नजरअंदाज कर देते हैं। ग्रेटेस्ट जनरेशन ने राष्ट्र-निर्माण का सपना देखा। साइलेंट जनरेशन ने संस्थाओं को स्थिरता दी। बेबी बूमर्स ने परंपरा और बदलाव के बीच रास्ता बनाया। जनरेशन एक्स ने वैश्विक दुनिया की दस्तक सुनी। जेन वाई ने डिजिटल क्रांति को अपनाया। जेन-जी तकनीक को जीवन की भाषा बना रही है और जनरेशन अल्फा कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा अनिश्चित भविष्य की दुनिया में प्रवेश कर रही है। इसलिए सवाल यह नहीं कि कौन-सी पीढ़ी बेहतर है। सवाल यह है कि कौन-सी पीढ़ी अपने समय की चुनौतियों को समझकर उसे बेहतर बनाने में कितनी सफल हुई। पीढ़ियों को उनके कपड़ों, भाषा, मोबाइल, रील या विरोध के तरीके से खारिज करना आसान है।लेकिन समाजशास्त्रीय दृष्टि इससे आगे जाती है! पीढ़ियाँ अपनी आयु और नाम से नहीं, अपने काम से पहचानी जाती हैं। इतिहास अंततः यह नहीं पूछता कि कोई पीढ़ी किस नाम से जानी जाती थी। इतिहास यह दर्ज करता है कि जब उसका समय कठिन था, तब उसने क्या किया। आने वाली पीढ़ियाँ हमें हमारे जन्म-वर्ष से नहीं, हमारे कर्मों से याद करेंगी—यही हर पीढ़ी की सबसे बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी है।

(लेखक जाने-माने शिक्षाविद एवं समाज विज्ञानी हैं।)

क्या वोटों की गूंज परिवर्तित होगी?

राहुल गांधी का प्रयागराज कार्यक्रम कांग्रेस को मीडिया की सुर्खियां दे सकता है। छात्रों के बीच राजनीतिक चर्चा पैदा कर सकता है। सरकार पर दबाव भी बना सकता है। लेकिन इससे अपने आप यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि इससे उत्तर प्रदेश का चुनावी गणित बदल गया है। 2027 का उत्तर प्रदेश चुनाव किसी एक सभा, किसी एक भाषण या किसी एक नेता की लोकप्रियता से तय नहीं होगा। वह बूथ पर तय होगा, विधानसभा क्षेत्र के सामाजिक समीकरणों पर तय होगा, स्थानीय उम्मीदवारों की स्वीकार्यता पर तय होगा और सबसे बढ़कर इस बात पर तय होगा कि कौन-सा गठबंधन किस वोट को वास्तविक मतदान में बदल पाता है। इसलिए मुद्दा यह नहीं है कि प्रयागराज के कार्यक्रम का क्या राजनीतिक असर होगा?ह्व मुद्दा यह है कि 403 विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस का संगठन कितना बड़ा है? और कांग्रेस के पास शिक्षा और रोजगार से जुड़ी समस्याओं का अपना ठोस व समयबद्ध समाधान क्या है? साथ ही प्रयागराज के चयन को केवल छात्रों के मुद्दे तक सीमित करके देखना भी शायद पूरी तस्वीर नहीं होगी। इसके पीछे पूर्वांचल की राजनीति में कांग्रेस की अपनी पुरानी राजनीतिक स्मृतियों को फिर से सक्रिय करने और उस भूगोल में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश भी देखी जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 2014 में वाराणसी को अपनी संसदीय राजनीति का प्रमुख आधार बनाया था और उसके बाद पूर्वांचल राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आया। वाराणसी और प्रयागराज स्टेशनों के बीच मात्र एक जंक्शन की दूरी है। ऐसे में प्रयागराज का चयन पूर्वांचल के राजनीतिक प्रभाव क्षेत्र में एक प्रतीकात्मक जवाब देने की कोशिश के रूप में भी देखा जा सकता है। एक तरफ मोदी का वाराणसी, दूसरी तरफ नेहरू-गांधी परिवार की इलाहाबाद-प्रयागराज की ऐतिहासिक स्मृति। साथ ही यह संयोग भी महत्वपूर्ण है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने इलाहाबाद सीट 40 साल बाद वापस जीती थी। कांग्रेस के उज्ज्वल रमण सिंह ने भाजपा के नीरज त्रिपाठी को 58,795 मतों से हराया था और 1984 में अमिताभ बच्चन की जीत के बाद पहली बार कांग्रेस इस सीट पर लौटी। उल्लेखनीय है कि जवाहरलाल नेहरू इलाहाबाद की फूलपुर संसदीय सीट से चुनाव लड़ते थे। इसके साथ ही प्रयागराज में नेहरू परिवार से जुड़ी स्मृतियां जैसे कि आनंद भवन और स्वराज भवन आदि हैं और राहुल गांधी के दादा फिरोज जहांगीर गांधी की कब्र भी यहीं है। बहरहाल, प्रयागराज के सफल कार्यक्रम के बाद अब सवाल यह है कि क्या यह विरासत आज के युवा मतदाता को उसी तरह राजनीतिक रूप से आंदोलित कर सकती है जैसे वह कांग्रेस के पुराने दौर में करती थी?

-अनाम

2027 की जनगणना संसदीय सीमाओं को फिर से बनाने में मदद करेगी

नन्तू बनर्जी

आजादी के बाद 2027 में भारत की आठवीं जनगणना, जो लगभग 16 साल के अन्तराल के बाद हो रही है, देश की राजनीतिक प्रणाली में बहुत अहमियत रखती है क्योंकि यह संसदीय सीमाओं को फिर से बनाने पर लंबे समय से लगी रोक को हटा देगी। जनगणना रिपोर्ट भारतीय संविधान के अनुच्छेद 82 के तहत रोक हटाने के लिए जरूरी आधिकारिक जनगणना आंकड़े देगी। जनगणना सरकार और चुनाव आयोग को लोकसभा और राज्य विधानसभा सीटों को फिर से तय करने में मदद करेगी। यह संघीय शक्ति संतुलन बनाने में मदद करेगी, और महिला आरक्षण जनादेश को लागू करने के लिए लीगल एक्ट कारक के तौर पर काम करेगी।

देश के 84वें संविधान संशोधन ने 1971 की जनगणना के आधार पर सीटों को 2026 तक के लिए रोक दी थी। इस तरह आने वाली 2027 की जनगणना इस प्रक्रिया को शुरू करने के कानूनी आधार बन गई। अनुच्छेद 82 के मुताबिक, नये जनगणना आंकड़े प्रकाशित होने के बाद संसद को एक नया परिसीमन कानून बनाना होगा ताकि राज्यों में और उनके अंदर सीटों की गिनती को फिर से समायोजित किया जा सके। इसका महिलाओं के लिए सीटों के आरक्षण पर बड़ा असर पड़ेगा। 106वां संविधान संशोधन लोकसभा और राज्य विधान सभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण को सीधे 2026 के बाद होने वाली जनगणना पर आधारित परिसीमन से जोड़ता है। उम्मीद है कि नई जनगणना से क्षेत्रीय शक्ति में बदलाव आएगा, जिससे ज्यादा आबादी बढ़ोतरी वाले उत्तरी और मध्य भारत के राज्यों के लिए प्रतिनिधित्व बढ़ने से संघीय शक्ति संतुलन बदलने का खतरा होगा, जबकि कम आबादी वृद्धि वाले दक्षिणी राज्यों में आनुपातिक फायदे कम हो जाएंगे। इसका असर सुरक्षित चुनाव क्षेत्रों पर पड़ेगा, जो उनकी नयी आबादी के आंकड़ों के आधार पर होगी जिससे अनुसूचित जाति और जनजाति सीटों की संख्या और भूगोल बदलेगा।

आबादी के आधार पर लोकसभा सीटों को फिर से तय करने से दक्षिणी और पश्चिमी राज्यों का आनुपातिक विधायी वजन कम हो जाएगा। हिंदी क्षेत्र पर बहुत ज्यादा निर्भर कोई भी राष्ट्रीय सत्तारूढ़ पार्टी कुल संसदीय सीटों का बड़ा हिस्सा हासिल कर सकती है, जबकि स्थानीय दक्षिण के गढ़ वाली पार्टियों की शक्ति कम हो जाएगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जिसकी हिंदी पट्टी में मजबूत पकड़ है, को सबसे ज्यादा फायदा होगा। हालांकि, इस काम से संघीय टकराव हो सकता है क्योंकि इससे संसाधनों के बंटवारे, प्रतिनिधित्व और सहकारी गणराज्यवाद को लेकर उत्तरी और दक्षिणी राज्यों के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ने का खतरा है। भारत में उत्तर-दक्षिण में आबादी में मतभेद साफ दिखता है। उत्तरी हिंदी पट्टी के राज्यों में आबादी में बढ़ोतरी

राष्ट्रीय औसत (लगभग 0.8 से 1.4प्रतिशत सालाना) से काफी ज्यादा है, जिसमें बिहार और उत्तर प्रदेश सबसे आगे हैं। इसके उलट, दक्षिणी राज्यों में जनसंख्या वृद्धि दर काफी कम है, और वे लगभग स्थिरता के करीब हैं।

यह ध्यान देने वाली बात है कि बिहार में सालाना आबादी में सबसे ज्यादा 1.1प्रतिशत से 1.38 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने का अनुमान है, इसके बाद उत्तर प्रदेश में लगभग 0.9 प्रतिशत, और मध्य प्रदेश और राजस्थान में लगभग 0.8प्रतिशत। इसके उलट, केरल और तमिलनाडु में देश में सबसे कम दर है, जहां जन्म दर दो (मां-पिता के बदले) से भी नीचे चली गई है और वृद्धि दर लगभग शून्य है। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में भी इसमें भारी गिरावट दिख रही है और वे उत्तरी राज्यों से काफी आगे आबादी को जल्दी स्थिर करने की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। दक्षिणी राज्यों को ज्यादा महिला साक्षरता, कम बहुआयामी गरीबी और मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य निवेश का फायदा मिल रहा है। दक्षिण में जल्दी और असरदार परिवार नियोजन लागू करना, उत्तरी बेल्ट में पिछड़ी आबादी में बदलाव के बिल्कुल उलट है। यात्रा की गाइड और यात्रा की जानकारी

परिसीमन की प्रक्रिया से पहले, देश की संसद सदस्यों की बढ़ी हुई संख्या को जगह देने के लिए तैयार है। चार मंजिला भारतीय संसद भवन, जो 64,500 वर्ग मीटर में फैली है, में लोकसभा में 888 और राज्यसभा में 384 सदस्य बैठ सकते हैं। संयुक्त सत्र के लिए, लोकसभा चैंबर को बढ़ाकर 1,272 सदस्य तक बैठाया जा सकता है। पिछले संसद भवन में 543 लोक सभा सदस्य और 250 राज्य सभा सदस्य बैठ सकते थे। पहले भवन के सेंट्रल हॉल में संयुक्त सत्र होते थे, जिसमें करीब 560 लोगों के बैठने की जगह थी।

मोबाइल एप्लिकेशन और वेब पोर्टल का इस्तेमाल करके भारत की पहली पूरी तरह से डिजिटल गिनती करते हुए, 2027 की जनगणना में 1931 के बाद पहली बार जनगणना, आर्थिक और गृह आंकड़े के साथ-साथ पूरी जाति की गिनती भी शुरू की जाएगी। डिजिटल सेल्फ-एन्यूमरेशन ऑप्शन नागरिकों को ऑनलाइन फॉर्म भरने की सुविधा देता है। जाति-समावेशी डेटा, अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) से आगे बढ़कर आंकड़े को रिकॉर्ड करने का काम करता है।

जनसंख्या गिनती के चरण के दौरान जाति से जुड़ी विस्तृत जानकारी इका की जाती है। इस दो-चरण वाली प्रक्रिया में पहला चरण 'घर की सूची बनाना और आवास जनगणना' (जिसमें इमारतों के प्रकार, उनकी हालत और घर की संपत्ति/सुविधाओं का आकलन किया जाता है) है और दूसरा चरण 'जनसंख्या की गिनतीइ (जिसमें लोगों की व्यक्तिगत जानकारी, साक्षरता, पलायन और काम-धंधे की जानकारी ली जाती है) है। इससे कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने, संसाधनों के बंटवारे और बुनियादी नीति बनाने के लिए जरूरी नए आंकड़े मिलते हैं।

भारत की पिछली राष्ट्रीय जनगणना 2011 में हुई थी, जिसमें कुल जनसंख्या 1.21 अरब दर्ज की गई थी। कुल साक्षरता दर 74.04 प्रतिशत थी, लिंगानुपात प्रति 1,000 पुरुषों पर 940 महिलाएं था, और 2001 से 2011 के बीच जनसंख्या वृद्धि दर 17.64 प्रतिशत थी। जनसंख्या में पुरुषों की हिस्सेदारी 51.54 प्रतिशत और महिलाओं की 48.46 प्रतिशत थी। उत्तर प्रदेश सबसे ज्यादा आबादी वाला राज्य (लगभग 1998लाख) था और सिक्किम सबसे कम आबादी वाला राज्य (लगभग 610,000) था। जनसंख्या घनत्व 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर दर्ज किया गया था। बच्चों का लिंगानुपात (0-6 साल) प्रति 1,000 पुरुषों पर 919 महिलाएं था। पुरुषों की साक्षरता दर 82.14 प्रतिशत और महिलाओं की 65.46 प्रतिशत थी। केरल में साक्षरता दर सबसे ज्यादा और बिहार में सबसे कम दर्ज की गई। धार्मिक संरचना के अनुसार, हिंदू आबादी का 79.8 प्रतिशत थे। मुसलमानों की हिस्सेदारी 14.23 प्रतिशत थी। पहली बार शामिल की गई 'कोई धर्म नहींइ श्रेणी में 287 लाख लोग दर्ज किए गए।

भारत की जनसंख्या जनगणना को राष्ट्रीय जनसांख्यिकीय आंकड़ों के लिए सबसे भरोसेमंद और व्यापक पैमाना माना जाता है, हालांकि इसके काम के बड़े पैमाने, खुद से दी गई जानकारी पर निर्भरता और गिनती के बीच लंबे अंतराल के कारण इसकी पूरी सटीकता पर अलग-अलग राय हो सकती है। जनगणना में देश के 640,000 से ज्यादा गांवों और हजारों शहरी कस्बों में घर-घर जाकर 100 प्रतिशत गिनती करने की कोशिश की जाती है। यह राजनीतिक निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन, शासन की योजना बनाने और 'राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षणइ जैसे अन्य सैंपल प्रोजेक्ट्स की पुष्टि करने के लिए बुनियादी आंकड़ा उपलब्ध कराती है।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 14 अगस्त 2026 शुक्रवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष मिथुन सिंह कन्या धनु और मकर राशि के जातकों का मानसिक मनोबल आध्यात्मिक प्रभाव और भाग्य का संबल बहुत उत्तम रहेगा। शुक्रवार का दिन आद्यशक्ति मां लक्ष्मी तथा वैभव के कारक शुक्र देव की आराधना के लिए अत्यंत पवित्र और फलदायी माना जाता है। आज के दिन श्वेत पुष्प मिश्री तथा खीर अर्पित कर श्री सूक्त का पाठ करने से जीवन में असीम ऐश्वर्य भौतिक सुख समृद्धि और संपत्ति में स्थायी वृद्धि प्राप्त होती है।

मेष

आज आपके आत्मविश्वास में अप्रत्याशित वृद्धि होगी जिसके बल पर आप कठिन से कठिन व्यावसायिक कार्य को भी सुगमता से पूर्ण कर लेंगे। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का भरपूर सहयोग मिलेगा और आय के नए स्रोत विकसित होंगे। मां लक्ष्मी को मखाने की खीर अर्पित करें जिससे आपके सभी वित्तीय मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष

आज आपको अपने क्रोध और वाणी पर संयम रखने की विशेष आवश्यकता है अन्यथा बनते हुए काम अंतिम समय में बिगड़ सकते हैं। आर्थिक मामलों में जल्दबाजी से बचें और निवेश से जुड़े किसी भी दस्तावेज को भली भांति पढ़कर ही हस्ताक्षर करें। किसी छोटी कन्या को मीठी वस्तु भेंट करें जिससे आपके सभी कष्ट दूर होंगे।

मिथुन

आज कला साहित्य और मीडिया क्षेत्र से जुड़े जातकों को विशेष ख्याति प्राप्त होगी और नए संपर्क से व्यापार में बड़ा लाभ होगा। मित्रों के साथ कहीं सुखद यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है जो मन को प्रसन्नता और नई ऊर्जा प्रदान करेगा। मां दुर्गा को लाल चुनरी चढ़ाएं जिससे आपके यश और कीर्ति में निरंतर विस्तार होगा।

कर्क

आज आपके पारिवारिक वातावरण में अपार सौहार्द और खुशहाली बनी रहेगी जिससे मानसिक शांति का अनुभव होगा। लंबे समय से अटका हुआ कोई महत्वपूर्ण कार्य आज अचानक पूरा होने से बड़ा आर्थिक लाभ संभव है। किसी जरूरतमंद महिला को वस्त्र दान करें जिससे घर में सुख और समृद्धि का वास होगा।

सिंह

आज आपको कार्यस्थल पर अपने विरोधियों से थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि वे आपकी प्रगति में बाधा डाल सकते हैं। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें और दिनचर्या में योग तथा ध्यान को अवश्य शामिल करें। मंदिर में सफेद चंदन का दान करें जिससे आपका मानसिक तनाव पूर्णतः समाप्त होगा।

कन्या

आज व्यापारिक दृष्टिकोण से दिन अत्यंत शुभ रहने वाला है और नए व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होने के प्रबल योग निर्मित हो रहे हैं। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता परीक्षा में मनोवांछित सफलता मिलेगी जिससे परिवार का नाम रोशन होगा। श्री सूक्त का पाठ करें जिससे आपके जीवन में धन और वैभव की प्राप्ति होगी।

तुला

आज आपको अपने कार्यक्षेत्र में अधिक परिश्रम करना पड़ सकता है परंतु संध्या काल तक उसका बहुत सुखद परिणाम भी प्राप्त हो जाएगा। वाहन चलाते समय पूर्ण सावधानी बरतें और अनचाही यात्राओं से परहेज करें। किसी निर्धन व्यक्ति को अन्न का दान करें जिससे आपके भाग्य के बंद द्वार खुलेंगे।

वृश्चिक

आज आपका पराक्रम और निर्णय लेने की क्षमता चरम पर रहेगी जिससे व्यापार में पुरानी समस्याओं का स्थायी समाधान निकलेगा। जीवनसाथी के साथ संबंधों में मधुरता आएगी और किसी सुखद योजना पर सहमति बनेगी। मां लक्ष्मी के समक्ष कपूर का दीपक जलाएं जिससे आपकी सभी बाधाएं समाप्त होंगी।

धनु

आज धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों में आपकी सक्रिय भागीदारी रहेगी जिससे समाज में आपका सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति पहले से अधिक सुदृढ़ होगी और पुराने दिए गए कर्ज की वसूली संभव होगी। मस्तक पर केसर का तिलक लगाएं जिससे आपकी बौद्धिक क्षमता और विवेक में वृद्धि होगी।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों के स्थानांतरण या पदोन्नति से जुड़ी कोई शुभ सूचना मिल सकती है जिससे मन अत्यंत प्रफुल्लित रहेगा। संपत्ति से जुड़े पुराने विवाद आपसी सहमति से सुलझ जाएंगे। पक्षियों को बाझरा डालें जिससे आपके व्यापार और करियर में आने वाली रुकावटें दूर होंगी।

कुंभ

आज किसी व्यावसायिक साझेदार के साथ अनबन होने की संभावना है इसलिए बातचीत में विनम्रता बनाए रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें अन्यथा आपका बजट बिगड़ सकता है। मां सरस्वती की पूजा करें जिससे आपकी वाणी में प्रभाव और निर्णय क्षमता में प्रखरता आएगी।

मीन

आज का दिन आपके लिए अत्यंत शुभ और प्रगतिदायक सिद्ध होगा और अचानक धन लाभ के मजबूत योग बनेंगे। अध्ययन और शोध कार्य में लगे लोगों को विशेष सफलता मिलेगी। गाय को हरा चारा अथवा गुड़ खिलाएं जिससे आपके घर में शांति और समृद्धि बनी रहेगी।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

शुक्रवार के दिन भवन के ईशान कोण अथवा मुख्य द्वार को स्वच्छ रखकर वहां गुलाब जल मिश्रित जल का छिड़काव करने तथा देसी घी का दीपक प्रज्वलित करने से घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है तथा महालक्ष्मी की कृपा से घर में अखंड धन धान्य और सुख शांति का स्थायी वास होता है।

भाजपा महानगर के सभी मंडलों में निकली तिरंगा यात्रा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी महानगर मथुरा द्वारा महानगर के सभी मंडलों में भव्य तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया गया। कृष्णा नगर मंडल, वृंदावन मंडल, होली गेट मंडल सहित सभी मंडलों में निकली यात्राओं में भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकताओं ने हाथों में तिरंगा लेकर राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष से वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो गया।

तिरंगा यात्राओं में मथुरा-वृंदावन विधायक श्रीकांत शर्मा, महापौर विनोद अग्रवाल, भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने कार्यकताओं को संबोधित किया। विधायक श्रीकांत शर्मा ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान से प्राप्त आजादी की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। महापौर विनोद अग्रवाल ने कहा कि तिरंगा देश की एकता और अखंडता का प्रतीक है। मथुरा की धरती सदैव राष्ट्रभक्ति और संस्कृति की प्रेरणा देती रही है। युवा पीढ़ी को देश के इतिहास, स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के प्रति जागरूक करना हम सभी की जिम्मेदारी है।भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने कहा कि सभी मंडलों में कार्यकर्ताओं ने उत्साह और अनुशासन के साथ तिरंगा यात्रा में सहभागिता कर संगठन की राष्ट्रभक्ति और समर्पण की भावना को प्रदर्शित किया है। जिला मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा ने कहा कि तिरंगा हमारी राष्ट्रीय अस्मिता, स्वाभिमान और गौरव का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी व्यक्त करने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को स्मरण करते हुए हमें राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य करना चाहिए। श्याम शर्मा ने बताया कि महानगर के सभी मंडलों में तिरंगा यात्राओं के आयोजन के बाद अब भाजपा महानगर की संयुक्त तिरंगा यात्रा गुरुवार को सुबह 10 बजे पुराना भाजपा कार्यालय के पास स्थित भगत सिंह पार्क से निकाली जाएगी।

न्यूनतम वेतनभोगी कर्मचारियों की उपेक्षा कर रहा नगर निगम

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

■ कई महीने से जारी नहीं किया गया वेतन, परिवार चलाना हो रहा मुश्किल

नगर निगम मथुरा वृन्दावन के समस्त स्थाई कर्मचारियों, आउटसोर्सिंग कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं सेवकों वेतन एवं पेंशन भोगियों के बकाया एरियर का भुगतान नहीं होने से बेचैनी है। स्वायत्त शासन कर्मचारी महासंघ ने इसके सम्बन्ध में जुलाई माह का सफाई कर्मचारियों का वेतन एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन जारी कर दी गई है लेकिन आउटसोर्स कम्प्यूटर ऑपरेटर व समस्त सेवक एक अल्प वेतन भोगी कर्मचारी हैं, जिनका जून व जुलाई का वेतन अभी तक जारी नही किया गया है। तीन महीने से वेतन नहीं मिलने से परिवार चलाना मुश्किल हो गया है। श्रावण मास होने के कारण सभी कर्मचारियों का अन्य परिवारों की तरह खर्चा बढ जाता है, जिसके कारण कर्मचारियों को अपने अपने परिवार चलाने में आर्थिक परेशानीयों का सामना करना पड़ रहा है।

नगर निगम मथुरा वृन्दावन के समस्त सामान्य स्थायी आउटसोर्स कर्मचारियों का जुलाई माह का वेतन भी जारी नही किया गया है। साथ ही समस्त स्थायी सामान्य एवं सफाई कर्मचारियों का जनवरी से जुन 2026 तक की अवधि का दो प्रतिशन एरियर का बकाया भुगतान भी लंबित है, जबकि शासन द्वारा विगत कई माह पूर्व शासनादेश जारी कर दिया है। नगर निगम के समस्त कर्मचारियों का बकाया एरियर का भुगतान अभी तक नहीं किया गया है।

महासंघ के प्रांतीय उप महामंत्री मदन मोहन ने बताया कि न्यूनतम वेतन भोगी कर्मचारियों का वेतन समय से निर्गत किया जाना चाहिए, जबकि नगर निगम इसके उलट ऐसे कर्मचारियों को कई महीने तक वेतन ही नहीं जारी करता है।

इस्कॉन मंदिर की मंशा कि सनातन परिधान में आएं श्रद्धालु

■ एक वर्ष से लगा बोर्ड लगा दिया गया संदेश, अब हटा दिया गया

हरी मोहन रावत,

टीएनएफ टुडे, मथुरा। धर्म की आड़ में आए दिन तरह तरह के विवाद एवं सिद्धांत स्थापित अथवा बिखरते नजर आते हैं। भारत में जैसे घूंघट प्रथा रही हो अथवा परिधानों का सदैव अपने समय के अनुसार बदलाव दिखाई दिया है। ऐसा ही एक मामला इस्कॉन मंदिर के बोर्ड ने एक वर्ष से लगाने के बाद अब हटाकर चचाओं का बाजार गरम कर दिया। हालांकि, मंदिर प्रबंधन कहते हैं कि ये बोर्ड एक संदेश बतौर लगाया गया था। ड्रेस कोड जैसा कुछ भी लागू नहीं था। हम चाहते हैं कि श्रद्धालु सनातन परिधान में आकर दर्शन करें।

बोर्ड में इस्कॉन मंदिर में श्रद्धालुओं को शालीन कपड़े पहनकर आने के लिए संदेश उल्लिखित था। मंदिर प्रबंधन ने कम और छोटे कपड़े पहनकर आने पर रोक लगा दी थी। इस संबंध में मंदिर प्रबंधन ने प्रवेश द्वार पर बोर्ड लगा था। इससे पहले भी नगर के दो मंदिरों ने श्रद्धालुओं के कम और छोटे कपड़े पहनकर प्रवेश करने पर रोक लगाई थी।

इस्कॉन मंदिर प्रबंधन ने महिला श्रद्धालुओं के स्लीवलेस, शॉर्ट्स, मिनी स्कर्ट, हाफ पैंट आदि पहनकर मंदिर आने पर रोक लगाने जैसा प्रयास किया गया। इसके साथ ही मंदिर परिसर में फोटोग्राफी, सेल्फी लेने और वीडियो बनाने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। कहा है कि श्रद्धालु पूर्ण भक्ति भाव से सनातनी परंपरा के अनुरूप यहां ठाकुरजी के दर्शन करें और भक्तिमय माहौल का आनंद लें।

पारंपरिक पोशाक ही यहां पहनकर आएं। साड़ी, कुर्ता सलवार या सूट सलवार या पुरानी परंपरा के परिधान पहनकर ही मंदिर आना चाहिए। इसके पीछे तर्क है कि छोटे कपड़े विदेशी सभ्यता को दर्शाते हैं। यह हमारी भारतीय परंपरा, सभ्यता एवं संस्कृति के अनुकूल नहीं है।

इससे पहले नगर के श्री राधादामोदर मंदिर और मथुरा मार्ग स्थित पागल बाबा मंदिर प्रबंधन ने भी छोटे और कम कपड़े पहनकर मंदिर आने पर रोक लगाई थी। मीडिया की जानकारी में आने पर बोर्ड को हटा दिया गया और बात को साधने का प्रयास किया गया।

इस्कॉन मंदिर के जनसंपर्क अधिकारी रविलोचन दास ने बताया कि मंदिर में ठाकुरजी के दर्शन करने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को स्लीवलेस और छोटे कपड़े पहनकर आने पर रोक लगाई है। इसके लिए मंदिर के प्रवेश द्वारा बोर्ड लगाया गया था। उन्होंने यह भी बताया कि हालांकि एक वर्ष से आज तक किसी भी भक्त को कम छोटे वस्त्र पहनने पर रोका नहीं गया। वह चाहते हैं कि भक्त स्वयं ही सनातन परिधानों का पालन करें।

वहीं विश्वविख्यात श्रीकृष्ण जन्मस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि उनके मंदिर में श्रद्धालू सामान्य एवं सनातनी परिधान में पहुंचते हैं। छोटे वस्त्रों वाला कोई भी प्रकरण उनके संज्ञान में अभी तक नहीं हैं। भक्त इस बात का स्वयं ही ध्यान रख रहे हैं।

हत्या के प्रयास में वांछित आरोपी तमंचा समेत गिरफ्तार

टीएनएफ टुडे, चौमुहां। थाना जैत पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में वांछित चल रहे 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से .315 बोर का एक तमंचा, दो खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, ग्राम नगला जाटान निवासी अजीत पुत्र विजय सिंह हत्या के प्रयास के मामले में वांछित चल रहा था। पुलिस टीम ने 11 अगस्त की रात करीब 10:50 बजे नगला जाटान से उसे गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से तमंचा और कारतूस बरामद हुए। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष सोनू कुमार, उपनिरीक्षक अंकित कुमार, उपनिरीक्षक उत्तम भड़ाना, कांस्टेबल मोहित खान और रिजर्व कांस्टेबल अजीत कुमार शामिल रहे।

118 मुकदमा दर्ज लम्बू ने आधी रात को छुड़ाया पुलिस का पसीना

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

■ ट्रांजिट रिमांड पर ले जा रही पुलिस टीम पर बदमाश ने कर दी फायरिंग, दरोगा को लगी गोली
■ पिस्तौल छीनकर दरोगा पर फायरिंग करने वाला बदमाश एनकाउंटर में घायल

नौहझील थाना क्षेत्रांतर्गत यमुना एक्सप्रेसवे पर मंगलवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया,जब दिल्ली पुलिस की हिरासत में जा रहा 118 मुकदमों का आरोपी बाथरूम जाने के बहाने पुलिसकर्मियों को चकमा देकर भागने लगा। आरोपी ने कांस्टेबल की सर्विस पिस्टल छीनकर पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। फायरिंग में दिल्ली पुलिस के उपनिरीक्षक के बाजू में गोली लग गई। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली आरोपी के पैर में लगी, जिसके बाद उसे दोबारा गिरफ्तार कर लिया गया। घायल दरोगा और आरोपी को नौहझील सीएचसी से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल मथुरा रेफर किया गया है।

सीओ अमरनाथ यादव ने बताया कि दिल्ली पुलिस के स्पेशल स्टाफ नॉर्थ वेस्ट की टीम पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम से अभियुक्त वसीम अकरम उर्फ लंबू को गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली ले जा रही थी। मंगलवार रात करीब सवा 12 बजे टीम नौहझील थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस वे के माइलस्टोन 63-64 के बीच गांव कटैलिया के समीप पहुंची।

इसी दौरान आरोपी ने बाथरूम जाने की बात कही। दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल और उपनिरीक्षक अजय कुमार उसे वाहन से उतारकर बाथरूम कराने सड़क किनारे ले जा रहे थे। इसी बीच आरोपी ने मौका पाकर कांस्टेबल की सर्विस पिस्टल छीन ली और पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास किया। अचानक हुई फायरिंग में उपनिरीक्षक अजय कुमार के बाजू में गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गये।

इसके बाद दिल्ली पुलिस की टीम ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें आरोपी वसीम अकरम उर्फ लंबू के पैर में गोली लगी। जो कि घायल होकर वहीं गिर गया। पुलिसकर्मियों ने उसे मौके पर ही दबोच लिया। सीओ अमरनाथ यादव ने बताया कि आरोपी वसीम अकरम उर्फ लंबू को दिल्ली पुलिस नंदीग्राम,पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार कर दिल्ली ले जा रही थी। आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में 118 प्राथमिकी दर्ज हैं। उसकी 13 अगस्त, बृहस्पतिवार को अदालत में पेशी होनी थी। इसी दौरान यमुना एक्सप्रेसवे पर बाथरूम जाने के बहाने उसने पुलिसकर्मी की सर्विस पिस्टल छीनकर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। जवाबी कार्रवाई में आरोपी घायल हुआ और उसे दोबारा गिरफ्तार कर लिया गया।

घटना की सूचना मिलने के बाद नौहझील थाना प्रभारी अंजीश कुमार भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गये। पुलिस ने घायल उपनिरीक्षक अजय कुमार और आरोपी वसीम अकरम को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौहझील भिजवाया। चिकित्सकों ने दोनों को प्राथमिक उपचार देने के बाद गंभीर हालत के चलते जिला अस्पताल मथुरा रेफर कर दिया। फिलहाल दोनों का उपचार जिला अस्पताल में जारी है।

राष्ट्र रक्षा सूत्र आह्वान के साथ संकल्प रैली निकाली

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

■ संकल्प राष्ट्र रक्षा सूत्र बन्धन यात्रा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत वर्ष मनाया जा रहा है

साध्वी ऋतंभरा के संकल्प राष्ट्र रक्षा सूत्र बन्धन यात्रा की निरन्तरता को 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत वर्ष मनाया जा रहा है जिसके अन्तर्गत राष्ट्र रक्षा सूत्र आह्वान एवं संकल्प रैली का आयोजन सैनिकों के सम्मान और राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता की भावना को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से किया गया। इस अवसर पर एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह (1,11,111) राखियां समर्पित कर स्थान स्थान पर सैनिकों को बांधी जाएंगी। यह रैली संविद् गुरुकुलम् गर्ल्स सैनिक स्कूल, वृंदावन के मुख्य द्वार से प्रारंभ होकर पवित्र श्री रंगजी मंदिर, वृंदावन तक जाएगी। इस राष्ट्रभक्ति से ओत प्रोत यात्रा में विद्यालय की लगभग 500 छात्राएँ पूरे उत्साह, अनुशासन और जोश के साथ सहभागिता कर रही थीं । सैनिक वेश में छात्राएँ हाथों में रक्षा सूत्र लेकर देशवासियों को संदेश दे रहीं थी। जोश पूर्ण उदघोषों के साथ कदम से कदम मिलाते हुए जन-जन में जोश पैदा कर रहीं थीं।

छात्राएं हाथों राष्ट्र भक्ति की श्लोगन पट्टिकाएं लेकर समाज को जगाने का आह्वान कर रहीं थीं। यात्रा का मूल उद्देश्य था लोग अधिक से अधिक लोग राष्ट्र रक्षा सूत्र यात्रा से जुड़े अपने संगठनों से अधिक से अधिक राखियां 20 अगस्त 2026 तक समविद गुरुकुलम में जाकर सौंप दें। इस पावन यात्रा में विद्यालय की डायरेक्टर सुमन लता, प्रधानाचार्या पूजा सिंह तथा विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं ने सहभागिता कर छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

तिरंगे के साथ गूंजेगा स्वच्छ ब्रज का संकल्प

■ 'ई-रिक्शा बनेंगे संदेशवाहक, आज निकलेगी 'हर घर तिरंगा रैली'

टीएनएफ टुडे, मथुरा। 'हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है' संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मथुरा-वृंदावन नगर निगम अब ई-रिक्शा को स्वच्छता जागरूकता का माध्यम बनाने जा रहा है। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने कहा कि स्वच्छ, सुंदर और गरिमामय ब्रज का निर्माण केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसमें ई-रिक्शा चालक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने बताया कि मथुरा-वृंदावन स्वच्छता अभियान कोर ग्रुप की पिछली बैठक में उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्रा की अध्यक्षता में मथुरा वृंदावन में ई-रिक्शा के माध्यम से स्वच्छता का संदेश पहुंचाने का निर्णय लिया गया था। इसी क्रम में अब ब्रज तीर्थ विकास परिषद और नगर निगम मथुरा-वृंदावन करीब 5,000 पंजीकृत ई-रिक्शा चालकों के साथ मिलकर इस पहल को धरातल पर उतार रहे हैं। नगर आयुक्त ने बताया कि 13 अगस्त को सुबह 11 बजे वृंदावन मंडी, दारुक पार्किंग के पास ई-रिक्शा चालकों की विशेष सभा आयोजित की जाएगी। इसमें चालकों को यातायात प्रबंधन, स्वच्छता व्यवस्था और स्वच्छ ब्रज के राजदूत के रूप में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक किया जाएगा। इसी कार्यक्रम से ई-रिक्शा की ्हर घर तिरंगा रैली् को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा।

37 स्कूली वाहनों के काटे चालान, चार किये सीज

टीएनएफ टुडे, मथुरा। परिवहन विभाग द्वारा मिशन सेफ फ्यूचर 2.0 संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को वरिष्ठ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी राजेश राजपूत के नेतृत्व में में सतेन्द्र कुमार सिंह, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन द्वितीय दल) मथुरा, संदीप चौधरी, यात्री कर अधिकारी मथुरा तथा पूजा सिंह, यात्री कर अधिकारी मथुरा द्वारा जनपद में संचालित विभिन्न स्कूली बसों, वैनों एवं निजी या अनुबंधित वाहनों की फिटनेस, परमिट, प्राथमिक उपचार बॉक्स, अग्निशमन यंत्र तथा चालकों की योग्यता व आवश्यक दस्तावेजों की गहनता से जाँच की गई। सुरक्षा मानकों में कमी, अनफिट वाहन संचालन तथा आवश्यक दस्तावेजों के अभाव पाए जाने पर 37 स्कूली वाहनों (बस, ईको) के चालान किए गए तथा 04 स्कूली वाहनों को जनपद के विभिन्न थानों में निरुद्ध किया गया। विभागीय जांच सूची के विश्लेषण से यह तथ्य सामने आया है कि जनपद के कई प्रमुख शिक्षण संस्थानों जैसे एसपीएस इंटर नेशनल अकेडमी (05 वाहन), रतन लाल फूल कटोरी (10 वाहन), कान्हा माखन पब्लिक स्कूल (07 वाहन), अमरनाथ विद्या आश्रम (06 वाहन), चंदनवन पब्लिक स्कूल (06 वाहन), संविद गुरुकुलम (05 वाहन), श्री बाबूलाल महाविद्यालय (04 वाहन), देहली पब्लिक स्कूल (04 वाहन) की फिटनेस अथवा परमिट की समयावधि समाप्त हो चुकी है।

वर्ष के अंतिम फूल बंगले में विराजे ठा. बांके बिहारी

मथुरा। हरियाली अमावस्या के पावन अवसर पर विश्वप्रसिद्ध ठा. बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। इस विशेष तिथि पर भक्तों ने इस वर्ष के अंतिम भव्य फूल बंगले में विराजमान ठाकुर जी के अलौकिक रूप के दर्शन कर पुण्य लाभ कमाया। तड़के से ही मंदिर की ओर जाने वाले रास्तों पर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं, जिससे पूरा क्षेत्र राधे-राधे और बांके बिहारी महाराज की जय के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर मंदिर के जगमोहन और प्रांगण को बेला, चमेली, गुलाब और गेंदा जैसे सुगंधित देसी-विदेशी फूलों से बेहद कलात्मक ढंग से सजाया गया था। भीषण गर्मी और भारी भीड़ के बावजूद भक्तों का उत्साह चरम पर रहा।

व्यापारियों को न सम्मान न सुरक्षा: मनीष जगन

समाजवादी पार्टी व्यापार सभा का व्यापार मण्डलीय सम्मेलन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, आगरा।

भाजपा की सरकार में व्यापारियों का न सम्मान है न ही सुरक्षा। व्यापारी हित में सबसे ज्यादा ऐतिहासिक निर्णय समाजवादी पार्टी की सरकार में लिए गए। जिसे आज भी व्यापारी समाज याद करता है। यह बात विजय नगर नवरंग भवन में आयोजित समाजवादी व्यापार पार्टी सभा द्वारा आयोजित व्यापारी मण्डलीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि एवं समाजवादी व्यापार सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष जगन अग्रवाल ने दिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कहा कि आज फुटकर, रेहड़ी, पटरी, गुमटी, खुमचा, ठेला दुकानदार से लेकर छोटे, मध्य दुकानदारों और कुटीर उद्यमियों ने इस बार सपा की सरकार बनाने का मन बना लिया है।

मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल ने कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार इन्वेस्टर समिट के फर्जी आंकड़ों को पेश कर जनता को गुमराह कर कूट रचित विज्ञापनों के माध्यम से अपना ढिंढोरा पीटने का कार्य कर रही है। व्यापार सभा के प्रदेश सचिव व मण्डल प्रभारी मनोज गुप्ता ने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण आगरा का मशहूर पेठा उद्योग संकट में है। गैस और जगह न मिलने की वजह से 400-500 फैक्ट्रियां बंद हो गईं। प्रदेश सचिव व कार्यक्रम संयोजक राकेश अग्रवाल ने कहा कि सरकार ने आज तक आगरा जन और जनता को ठगने का काम किया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामचरण पोरवाल ने की।

इस अवसर पर मुख्य रूप से संजीव पोरवाल जिला अध्यक्ष जिला व्यापार सभा, सोमेश गुप्ता शहर अध्यक्ष व्यापार सभा, आगरा जिला अध्यक्ष उदल सिंह कुशवाहा, शब्बीर अब्बास, राजपाल यादव, राहुल चतुर्वेदी, जिला महासचिव संतोष पाल, विनय अग्रवाल, मधुकर अरोड़ा, बलविंदर सिंह, सचिन चतुर्वेदी, अनूप यादव, यदुवीर यादव जाटव, रामसहाय यादव, राधा राठौर, रेनू गुप्ता, शीलू गुप्ता, जवाहरलाल अग्रवाल, जगदीश राठौर, मनीष भारद्वाज, पंकज अग्रवाल, राजीव ठाकुर, इलियास सिद्दीकी, राजकुमार यादव, अखिलेश पोरवाल, राजीव पोरवाल, गोपाल पंडित, पंकज चौहान, रामगोयल, ग्रीस सिंगल, आनंद पोरवाल, मनोज पोरवाल, कमलेश मौजूद रहे।

अनधिकृत वेंडरों के खिलाफ की कार्रवाई

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, आगरा।

मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त एस रामकृष्णन के निर्देशन में आगरा मंडल में यात्रियों की सुरक्षा, स्वच्छता एवं सुव्यवस्थित रेल संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ्ऑपरेशन दूसरा् अभियान निरंतर चलाया जा रहा है।

इस विशेष अभियान के अंतर्गत रेलवे परिसर एवं ट्रेनों में अनधिकृत वेंडिंग के विरुद्ध सघन कार्रवाई की जा रही है। अभियान के दौरान अप्रैल से की अवधि में आगरा मंडल में कुल 930 अनधिकृत वेंडरों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। इस दौरान रेलवे अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत ?3,23,625 का जुमार्ना भी वसूल किया गया।

जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार गौतम ने बताया कि अनधिकृत वेंडिंग से न केवल यात्रियों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। बल्कि यह रेलवे नियमों का भी उल्लंघन है। इसलिए ऐसे तत्वों के विरुद्ध नियमित एवं प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। आगरा मंडल यात्रियों से अपील करता है कि वे खाद्य सामग्री एवं अन्य वस्तुएँ केवल अधिकृत वेंडरों से ही खरीदें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत रेलवे सुरक्षा बल को दें। रेलवे प्रशासन यात्रियों को सुरक्षित,स्वच्छ एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में ्ऑपरेशन दूसरा् अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

कासगंज रोड पर छुट्टा सांड और पालतू गायों का आतंक, हादसे का बढ़ा खतरा

कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा को लेकर क्षेत्रीय लोगों ने जिलाधिकारी से स्थायी समाधान की मांग

टीएनएफ टुडे, एटा।।

कासगंज रोड पर गुरुकुल क्षेत्र से आगे सड़क पर दिन-रात खुलेआम घूम रहे छुट्टा सांडों और पालतू गायों के कारण कांवड़ यात्रियों सहित आम वाहन चालकों के लिए गंभीर दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। सड़क पर अचानक मवेशियों के आ जाने से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। कांवड़ यात्रा के दौरान इस मार्ग पर श्रद्धालुओं और वाहनों की आवाजाही बढ़ने से स्थानीय लोगों की चिंता और अधिक बढ़ गई है।क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि कासगंज रोड पर बड़ी संख्या में छुट्टा सांड और पालतू गायें लगातार सड़क पर विचरण करती रहती हैं। कई बार मवेशियों के झुंड के कारण वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाना पड़ता है, जिससे दुर्घटना की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। लोगों के मुताबिक, पूर्व में भी छुट्टा सांडों और गायों के कारण हुई मार्ग दुर्घटनाओं में आधा दर्जन से अधिक लोगों की जान जा चुकी है, जबकि इनसे टकराकर घायल होने वालों की संख्या काफी अधिक बताई जा रही है।

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि गुरुकुल से आगे रहने वाले श्यामवीर सिंह और रामवीर सिंह द्वारा खाली पड़े प्लॉट में पालतू गायों को रखा जाता है। आरोप है कि गायों का दूध निकालने के बाद उन्हें सड़क पर खुला छोड़ दिया जाता है। इसके चलते पालतू गायों के साथ लावारिस सांडों का झुंड भी सड़क पर घूमता रहता है। हालांकि, इन आरोपों की प्रशासनिक स्तर से पुष्टि होना बाकी है।क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि दिन के साथ-साथ रात के समय भी सड़क पर मवेशियों का जमावड़ा बना रहता है। अंधेरे में तेज गति से आने वाले वाहनों को सड़क पर बैठे या अचानक सामने आ जाने वाले सांड और गाय दिखाई नहीं देते, जिससे गंभीर हादसे की आशंका बनी रहती है। कांवड़ यात्रा के दौरान पैदल एवं वाहन से गुजरने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह स्थिति और भी खतरनाक हो सकती है।

जिलाधिकारी से हस्तक्षेप की मांग

क्षेत्रीय नागरिकों ने जिलाधिकारी अरविंद सिंह से मामले का तत्काल संज्ञान लेकर कांवड़ यात्रियों एवं आम वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है। लोगों ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी एटा को सड़क पर घूम रहे छुट्टा पशुओं को पकड़ने, पालतू पशुओं को खुले में छोड़ने वालों पर कार्रवाई करने तथा समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी व्यवस्था कराने के निर्देश देने की मांग की है।लोगों का कहना है कि केवल अभियान चलाकर कुछ दिनों के लिए मवेशियों को हटाना पर्याप्त नहीं होगा। सड़क पर दोबारा पशुओं के आने की स्थिति रोकने के लिए जिम्मेदारी तय करते हुए स्थायी व्यवस्था की आवश्यकता है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से कांवड़ यात्रा के दौरान विशेष निगरानी और पेट्रोलिंग बढ़ाने की भी मांग की है, ताकि किसी संभावित बड़े हादसे को समय रहते रोका जा सके।

ग्रामीणों और किसानों को मिले 20 हजार वृद्धवस्था पेंशन

किसानों, बेरोजगारों और शिक्षा व्यवस्था को लेकर सर्वजन सुखाय पार्टी ने उठाई आवाज

टीएनएफ टुडे, करहल/मैनपुरी।

सर्वजन सुखाय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व विधायक शिव प्रशाद यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने तहसील करहल पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम उपजिलाधिकारी को आठ सूत्रीय मांगपत्र सौंपा। मांगपत्र में किसानों, बेरोजगारों, विद्यार्थियों, बुजुर्गों और युवाओं से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की गई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवप्रशाद यादव ने मांगपत्र में कहा कि खाद खरीदने में किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खाद लेने के लिए अनावश्यक शर्तों और बाध्यताओं को समाप्त कर किसानों को आसानी से खाद उपलब्ध कराई जाए। इसके साथ ही खाद, बीज और कीटनाशकों की बिक्री में मिलावट पर तत्काल रोक लगाई जाए। मांगपत्र में आलू किसानों की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया गया। पार्टी ने कहा कि आलू किसान इस वर्ष भारी नुकसान में हैं। किसानों को राहत देने के लिए प्रति एकड़ 500 रुपये की अनुदान राशि उपलब्ध कराई जाए।

सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में आई गिरावट पर चिंता जताते हुए कहा गया कि विद्यालयों में गरीब, मजदूर, ग्रामीण और किसानों के बच्चे पढ़ते हैं। इसलिए सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जाए।

पार्टी ने शराब को लेकर भी मांग उठाई। कहा गया कि शराब के कारण बड़ी संख्या में युवा बबार्दी की ओर जा रहे हैं और सड़क दुर्घटनाओं सहित अपराधों में भी बढ़ोतरी हो रही है। इसलिए उत्तर प्रदेश में शराबबंदी लागू की जाए।

मांगपत्र में सभी विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा स्वीकृति से संबंधित मामलों में नियमों के अनुसार कार्रवाई की मांग की गई।

साथ ही उत्तर प्रदेश के नागरिकों, विशेषकर ग्रामीणों और किसानों को कम से कम 20 हजार रुपये मासिक वृद्धावस्था पेंशन दिए जाने की मांग रखी गई। इसके अलावा विभिन्न सरकारी विभागों में वर्षों से खाली पड़े पदों पर पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से बेरोजगार युवाओं को सरकारी नौकरी देने तथा अग्निवीर योजना के स्थान पर नियमित भर्ती व्यवस्था लागू करने की मांग की गई। इस दौरान पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। मांगपत्र के माध्यम से सरकार से जनहित से जुड़ी इन समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की गई।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष कौशल किशोर यादव, मनमोहित यादव, नरेश शाक्य, अमित, अभिषेक यादव, सूरज प्रशाद, शरद, शिवम, संजीत यादव, बंटू यादव, उरवीर सिंह, उदयभान, पवन, राजेश कुमार, नीतिन यादव समेत आदि तमाम लोग मौजूद रहे।

धार्मिक स्थलों से मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में श्रद्धालुओं के मोबाइल फोन चोरी करने वाले गिरोह का एसओजी और थाना एलाऊ पुलिस ने पर्दाफाश किया है। संयुक्त टीम ने गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 6.50 लाख रुपये कीमत के 32 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। आरोपियों के पास से आर्टिका कार, तमंचा और कारतूस भी बरामद हुए हैं।

अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम को धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह के सक्रिय होने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर एसओजी और एलाऊ पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी उज्जैन, मथुरा सहित अन्य भीड़भाड़ वाले धार्मिक स्थलों और मंदिरों में श्रद्धालुओं को निशाना बनाकर मोबाइल चोरी करते थे।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से विभिन्न कंपनियों के कुल 32 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 6.50 लाख रुपये बताई गई है। इसके अलावा आरोपियों के पास से एक आर्टिका कार, तमंचा और कारतूस भी बरामद किए गए हैं।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनुज उर्फ छोटू पुत्र विनोद कुमार, उमेश पुत्र ओम प्रकाश और सत्येंद्र पुत्र गोविंद सिंह निवासीगण फिरोजाबाद तथा विष्णु पुत्र भगवानदास निवासी अवागढ़, एटा के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक चारों आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। पुलिस अब उनके पुराने मामलों और गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में अवनीश त्यागी, छत्रपाल सिंह, धर्मेंद्र सिंह, दुर्योधन, सुखवीर, वीरेंद्र सिंह, विशंभर सिंह, आजाद सिंह, अजीत सिंह, रजत, आर्येंद्र और सतीश यादव शामिल रहे।

पुलिस ने गिरफ्तार चारों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश कर सलाखों के पीछे भेज दिया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गिरोह द्वारा चोरी किए गए मोबाइल फोन कहां-कहां बेचे जाते थे और इनके नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

जनपदीय फुटबॉल टीम चयन में खिलाड़ियों ने दिखाया अपना दमखम

शिकोहाबाद। ए.के. कॉलेज के मैदान पर जनपदीय फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न विद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। फुटबॉल मैच का उद्घाटन विद्यालय के प्रधानाचार्य रामकेश यादव ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया। प्रतियोगिता के माध्यम से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का चयन किया गया। चयनित खिलाड़ी जनपदीय फुटबॉल प्रतियोगिता में जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर क्रीड़ा प्रभारी ओम प्रकाश यादव (ए.के. इंटर कॉलेज, शिकोहाबाद), व्यायाम शिक्षक धर्मवीर सिंह (बीरी सिंह इंटर कॉलेज), गौरव यादव आर.के. इंटर कॉलेज, कोटला, शिवाजी यादव (आछेलाल इंटर कॉलेज), शिक्षक योगेंद्र सिंह, केहर सिंह, संजय समर्थ, धर्मेंद्र सिंह चौहान, रिंकू सिंह, अंकित कुमार उपस्थित रहे। चयन प्रक्रिया के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करते हुए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन जनपदीय फुटबॉल टीम के लिए किया गया।

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप, विरोध करने पर जान से मारने की धमकी

टीएनएफ टुडे, भोगांव/मैनपुरी।

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे का विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। भोगांव तहसील क्षेत्र के ग्राम औरंध निवासी पवन चौहान ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर मामले में कार्रवाई और परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

शिकायती पत्र में पवन चौहान ने आरोप लगाया है कि गांव के सतीश सिंह और रंजीत सिंह ने ग्राम समाज की बंजर भूमि पर कथित रूप से अवैध कब्जा कर पक्का मकान बना लिया है। आरोप है कि उन्होंने सार्वजनिक भूमि पर किए जा रहे अवैध निर्माण और अतिक्रमण का विरोध किया तो दोनों लोगों ने रास्ते में रोककर गाली-गलौज की तथा जान से मारने की धमकी दी।

पीड़ित का आरोप है कि इसके बाद से आरोपी उसे और उसके परिवार को झूठे मुकदमों में फंसाने तथा परेशान करने की धमकी दे रहे हैं। शिकायती पत्र के अनुसार, इन धमकियों के चलते परिवार में भय और दहशत का माहौल है और उन्हें जान-माल का खतरा बना हुआ है।

पवन चौहान ने जिलाधिकारी से मामले की जांच कराकर ग्राम समाज की सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा आरोपियों के खिलाफ उचित कानूनी एवं प्रशासनिक कार्रवाई की मांग की है। साथ ही उन्होंने स्वयं और अपने परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी गुहार लगाई है। शिकायतकर्ता ने कहा है कि भविष्य में उसके या उसके परिवार के साथ किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना होने पर संबंधित लोगों को जिम्मेदार माना जाए।

बारिश में मत्स्य पालन को लेकर विभाग ने जारी की एडवाइजरी, तालाब की सुरक्षा पर दें विशेष ध्यान

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

सहायक निदेशक मत्स्य ने मत्स्य पालकों को सूचित किया है कि वर्षा के मौसम में विशेष रूप से आसमान में बादल होने की स्थिति में मत्स्य पालन तालाबों में आवश्यक रूप से तालाब की बंधे मजबूत रखें ताकि बारिश में वह टूटे या कटे नहीं, तालाब के पानी निकलने और आने वाले स्थान पर जाली लगाएं ताकि मछलियां बाहर न जाएं और बाहरी मछलियां या अन्य जीव तालाब में न आएं, लगातार बारिश के बाद तालाब के पानी की गुणवत्ता की जॉच करते रहें, आवश्यकता होने पर चूने का प्रयोग करें यदि बारिश के समय मछलियां चारा नहीं खा रही हों, तो कुछ समय के लिए चारा देना बंद कर दें यदि सुबह मछलियां पानी की सतह पर मुँह निकालकर सॉस लेती दिखें तो तुरंत एरेटर चलाएँ या तालाब में ताजा पानी आने की व्यवस्था करें, तालाब में कीटनाशक, रासायनिक खाद या गंदा पानी जाने से रोकें यदि कोई मछली बीमार या मृत दिखाई दे तो उसे तुरंत तालाब से निकालकर सुरक्षित तरीके से नष्ट करें और मत्स्य विभाग से संपर्क करें, प्रतिदिन तालाब का विशेष रूप से सुबह के समय निरीक्षण करें, मछलियों में बीमारी या कोई असामान्य स्थिति दिखाई दे तो तुरंत मत्स्य विभाग या मत्स्य विशेषज्ञ से सलाह लें, मौसम विभाग की भारी बारिश की चेतावनी पर ध्यान रखें और पहले से आवश्यक तैयारी कर लें, सावधानी बरतें, तालाब सुरक्षित रखें और मछली उत्पादन को नुकसान से बचाएं, बरसात में नियमित निगरी ही बेहतर मत्स्य उत्पादन के लिए आवश्यक है।

जिला कारागार का निरीक्षण, बंदियों की विधिक सहायता और तनाव प्रबंधन पर जोर

सचिव योगेश शिवा ने बंदियों से संवाद कर जानी समस्याएं, कर्मचारियों को कराया ध्यान एवं श्वास-प्रश्वास अभ्यास

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेशों के अनुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, फिरोजाबाद की सचिव सुश्री योगेश शिवा ने सोमवार को जिला कारागार, फिरोजाबाद का निरीक्षण किया। इस दौरान बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही निःशुल्क विधिक सहायता, लंबित वादों की स्थिति, विधिक अधिकारों और कारागार में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया गया।

सचिव ने बंदियों से व्यक्तिगत रूप से संवाद कर उनकी समस्याओं और विधिक आवश्यकताओं की जानकारी ली। पात्र बंदियों को समयबद्ध एवं प्रभावी विधिक सहायता उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए। कारागार प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करते हुए यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया कि प्रत्येक पात्र बंदी को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं का लाभ मिले।

कर्मचारियों को सिखाए तनाव प्रबंधन के उपाय

इसी क्रम में जनपद न्यायालय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, फिरोजाबाद के कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन और कार्यक्षमता में वृद्धि के उद्देश्य से मंगलवार को 'Stress Management & Meditation Program' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन सचिव सुश्री योगेश शिवा ने किया।

उन्होंने कर्मचारियों को तनाव के प्रमुख कारणों तथा उसके शारीरिक एवं मानसिक प्रभावों की जानकारी देते हुए ध्यान, श्वास-प्रश्वास अभ्यास और सकारात्मक सोच के माध्यम से तनाव को नियंत्रित करने के व्यावहारिक उपाय बताए। उन्होंने स्वयं ध्यान का अभ्यास भी कराया और नियमित रूप से ध्यान एवं योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया।

सचिव ने कहा कि मानसिक रूप से स्वस्थ और तनावमुक्त कर्मचारी किसी भी संस्थान की कार्यकुशलता की महत्वपूर्ण शक्ति होते हैं। नियमित ध्यान और आत्मचिंतन से मानसिक शांति के साथ एकाग्रता, निर्णय क्षमता तथा कार्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है।

कार्यक्रम में जनपद न्यायालय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और ध्यान सत्र का लाभ लिया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा न्याय तक समान एवं प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने के साथ ही न्यायिक व्यवस्था से जुड़े कार्मिकों के मानसिक स्वास्थ्य और कार्यक्षमता के संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

सिरसागंज की 10 लाख की लूट में पुलिस का बड़ा एक्शन, रिमांड पर आरोपियों ने खोले राज

टीएनएफ टुडे, सिरसागंज।

सिरसागंज कस्बे के व्यस्त बाजार में बीज व्यापारी के कर्मचारी से हुई करीब 10 लाख रुपये की सनसनीखेज लूट के मामले में पुलिस ने कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए एक और बड़ी बरामदगी की है। रिमांड पर लिए गए आरोपियों से पूछताछ के बाद पुलिस टीम ने उनकी निशानदेही पर ग्रेटर नोएडा के जलपुरा क्षेत्र में एक बंद मकान से 1 लाख 70 हजार 200 रुपये की नकदी बरामद की है। इस बरामदगी को पुलिस की जांच में अहम कड़ी माना जा रहा है।

दिनदहाड़े वारदात से मचा था हड़कंप

बताया गया कि 27 अप्रैल की सुबह करीब 10:45 बजे सिरसागंज बाजार में बीज व्यापारी राजकुमार के कर्मचारी से बाइक सवार बदमाशों ने करीब 10 लाख रुपये की रकम लूट ली थी। वारदात के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मुकदमा दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू की। जांच आगे बढ़ी तो पुलिस के सामने इस वारदात से जुड़े हापुड़ और हरियाणा के आपराधिक नेटवर्क की तस्वीर सामने आने लगी। पुलिस जांच में सुनील कुमार, अभिषेक सिंह, मुकेश सैनी और गुलजार के नाम सामने आए। पुलिस के मुताबिक, वारदात से पहले रेकी किए जाने की बात भी सामने आई।

आरोपियों को रिमांड पर लेकर हुई पूछताछ

पुलिस ने मामले में गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय से रिमांड पर लेकर गहन पूछताछ की। पूछताछ के दौरान सामने आई जानकारी के आधार पर पुलिस टीम आरोपियों को लेकर ग्रेटर नोएडा पहुंची। वहां थाना ईकोटेक-03 क्षेत्र के जलपुरा स्थित शर्मा कॉलोनी में एक बंद मकान की तलाशी ली गई।

तलाशी के दौरान पुलिस को 1,70,200 रुपये की नकदी बरामद हुई। पुलिस के अनुसार यह रकम लूट की वारदात से जुड़ी हुई है। इससे पहले भी पुलिस आरोपियों के कब्जे से करीब 1.79 लाख रुपये और वारदात में इस्तेमाल की गई स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद कर चुकी है।

लूट की रकम की बरामदगी में पुलिस को लगातार सफलता

करीब 10 लाख रुपये की बड़ी रकम की लूट के बाद पुलिस लगातार आरोपियों के ठिकानों और उनके संपर्कों को खंगाल रही है। रिमांड के दौरान हुई पूछताछ के बाद ग्रेटर नोएडा से हुई नई बरामदगी ने जांच को और मजबूत किया है।

पालीवाल हॉल में आज होगा बीबीजी रामजी पंच सम्मेलन

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा के निर्देश पर मनरेगा (बीबीजी रामजी योजना) की समीक्षा और व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से 13 अगस्त को पालीवाल हॉल में बीबीजी रामजी पंच सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन शाम चार बजे शुरू होगा, जिसमें क्षेत्र के स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधि शामिल होंगे।

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य ग्राम प्रधानों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों तक योजना की सटीक और पूर्ण जानकारी पहुंचाना है, ताकि सूचना के अभाव में किसी भी स्तर पर विकास कार्य प्रभावित न हों और योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से प्रत्येक ग्राम पंचायत तक पहुंच सके। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में बीबीजी रामजी योजना एवं संबंधित ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन और प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर दिया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर क्षय रोग-एचआईवी जागरूकता शिविर, 205 लोगों की हुई जांच

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में जिला चिकित्सालय में क्षय रोग, एचआईवी सघन जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, शिविर का मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आर.सी. गुप्ता ने फीता काटकर शुभारंभ किया, मुख्य चिकित्साधिकारी ने स्टॉल का निरीक्षण करने के उपरांत एचआईवी सघन जागरूकता अभियान के विषय में उपस्थित मरीजों एवं उनके साथ आये परिजनों को बताया कि सघन जागरूकता अभियान 12 अगस्त से 12 अक्टूबर तक संचालित होगा, अभियान के अन्तर्गत विद्यालयों, महाविद्यालयों से लेकर पंचायत स्तर तक क्षय रोग से बचाव एवं बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में प्रचार-प्रसार किया जायेगा साथ ही कैंप आयोजित कर लोगों के स्वास्थ्य की जॉच की जायेगी। जिला क्षय रोग अधिकारी डा. आशुतोष ने जन-जागरूकता अभियान के विषय में अवगत कराते हुए कहा कि जनपद के 15 महाविद्यालयों, 60 विद्यालयों एवं 200 ग्राम पंचायतों पर प्रचार प्रसार किया जायेगा, आज आयोजित शिविर में कुल 205 जॉचे की गयी।

शिविर में मुख्य चिकित्साधीक्षक डॉ. राज सिंह, उप जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. गौरव अग्रवाल, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. विनय शुक्ला, जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी रविन्द्र गौर, टी.आई. प्रोजेक्ट से परियोजना प्रबन्धक वेद प्रकाश, उदयवीर सिंह, कविता सिंह, मोनिका यादव, यादवेन्द्र प्रताप सिंह, विकास चन्द्र गुप्ता, राहुल बाबू, अमन यादव, योगेश शाक्य, शिवानी, पूनम यादव, सरोज, राजेश भारद्वाज, नीरू चौहान, रिचा दुबे, राजीव, शशी यादव, अमित चौहान, मोहित दुबे, प्रमोद आदि उपस्थित रहे।

मदनपुर मंडल में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, गूंजे भारत माता के जयकारे

सिरसागंज मदनपुर। हर घर तिरंगा अभियान के तहत बुधवार को सिरसागंज के मदनपुर मंडल में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। हाथों में तिरंगा लेकर हजारों लोग यात्रा में शामिल हुए। भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष से पूरा क्षेत्र देशभक्ति के रंग में रंग गया। तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक सिरसागंज हरिओम यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह (छोटू), मदनपुर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि जोगेंद्र यादव, श्रीमती सुमन चतुवेर्दी, अविनाश सिंह भोले और जिला मंत्री विपिन शिवहरे समेत भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। यात्रा का नेतृत्व मंडल अध्यक्ष यशपाल यादव ने किया। यात्रा के दौरान मार्ग में जगह-जगह स्थानीय लोगों ने पुष्प वर्षा कर तिरंगा यात्रा का स्वागत किया। लोगों ने तिरंगे के प्रति सम्मान जताते हुए राष्ट्रभक्ति के इस आयोजन में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। मंडल अध्यक्ष यशपाल यादव ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान के साथ एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। ह्वहर घर तिरंगाह्व अभियान के माध्यम से प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रप्रेम की भावना को और मजबूत करने का संदेश दिया जा रहा है। तिरंगा यात्रा में ठाकुर प्रदीप सिंह, लव यादव, सोनू धाकरे, नवीन दुबे, मंडल उपाध्यक्ष रोहित बैश, मंडल महामंत्री आशीष दिवाकर, मंडल महामंत्री ओमवीर यादव, मंडल उपाध्यक्ष धर्मेंद्र राठौर, उपाध्यक्ष हरेंद्र सिंह, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष हरि सिंह यादव, ओबीसी मोर्चा के मेघनाथ, प्रधान बालीपुर बृजमोहन, पोस्टमास्टर, छोटे प्रधान, दीपक प्रधान, दारा सिंह, जितेंद्र, रविंद्र, सोमदेव, सुशील, रवि प्रताप, साहुल, रंजीत, अमन, विकास, अतेंद्र सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे। आयोजकों ने तिरंगा यात्रा को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी पदाधिकारियों, कार्यकताओं और क्षेत्रवासियों का आभार जताया।

मैनपुरी में 13 अगस्त को आएंगे राज्यमंत्री धर्मवीर प्रजापति, तिरंगा रैली में करेंगे सहभागिता

मैनपुरी। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा उ.प्र. धर्मवीर प्रजापति दि. 13 अगस्त को जनपद भ्रमण पर पधार रहे हैं, मंत्री जी पूर्वान्ह 11 बजे अमन इंटरनेशनल स्कूल में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित ह्वह्वहर घर तिरंगाह्वह्व कॉन्सर्ट एवं तिरंगा रैली में सहभागिता करने के उपरांत दोपहर 12 बजे जनपद आगरा के लिए प्रस्थान करेंगे।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना में अतिथि व्याख्याताओं की भर्ती

मैनपुरी। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत शैक्षिक सत्र 2026-27 में प्रतियोगी परीक्षाओं की नि:शुल्क तैयारी के लिए योग्य एवं अनुभवी अतिथि व्याख्याताओं का चयन किया जाएगा। सिविल सेवा, पीसीएस, नीट व एसएससी आदि के लिए विषय विशेषज्ञों से आवेदन मांगे गए हैं। प्रति 90 मिनट के व्याख्यान पर ?2,000 मानदेय मिलेगा और माह में अधिकतम 30 व्याख्यान अनुमन्य होंगे। इच्छुक अभ्यर्थी 18 अगस्त तक जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय, विकास भवन मैनपुरी के कक्ष संख्या-08 में आवेदन जमा कर सकते हैं। इसी दिन सुबह 11 बजे अम्बेडकर सभागार में वॉक-इन इंटरव्यू भी आयोजित होगा।

भारतीय वैश्य महासभा की नई नगर कार्यकारिणी का हुआ गठन

शिकोहाबाद। नगर के मोहल्ला गढ़ैया स्थित अग्रवाल धर्मशाला मे भारतीय वैश्य महासभा की बैठक संपन्न हुई। अध्यक्षता उद्योगपति राजीव अग्रवाल (पूजा ग्रुप) ने की। बैठक मे अतिथि के रूप में कृष्ण कुमार खण्डेलवाल तथा शेलेन्द्र गुप्ता फिरोजाबाद रहे । बैठक मे मुख्य अतिथि ने समाज की राजनीति भागेदारी पर जोर दिया कहा कि जब तक हमारे समाज के सांसद , विधायक नही होंगे तब तक समाज की बात ऊपर तक पहुंचने में दिक्कत ही आती रहेंगी। राजनैतिक दलों को वैश्य समाज को अपनी ताकत दिखाने के लिए एकजुटता दिखाने की बहुत जरूरत है। उद्योगपति राजीव अग्रवाल ने कहा कि अगर वैश्य समाज को कोई पार्टी टिकट नही देती है तो हम वैश्य वाहुल्य क्षेत्रो मे वैश्य वर्ग से जुड़े लोगों को चुनाव लडायेंगे । जीत हार लगी रहती है। भले ही हम हार जाए, लेकिन अन्य दलों को हमारी शक्ति का अहसास तो होगा। आज समाज के लोगों को चाहिए कि वे सोशल प्लेटफार्म पर भी अपनी शक्ति का अहसास कराएं। इधर वैश्य महासभा की नगर की सत्र 2026-2027 की नवीन कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया । नवीन कार्यकारिणी मे शहर अध्यक्ष विवेक गुप्ता (दुर्गा नमकीन भण्डार), सचिव तनय अग्रवाल (क्रियांस स्कूल), कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल (आकर्षण साड़ी सेंटर) को चुना गया। नवीन पदाधिकारियों को अपनी नई कार्यकारिणी जल्द चुनने को कहा गया। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष गगन कपूर, अनिल किशोर अग्रवाल, डा0 भारती वंसल, अमित कुमार, विशाल अग्रवाल, विकास गर्ग, धीरज अग्रवाल, व्यापारी नेता कुलदीप गुप्ता जोनू अर्पित, सजल अग्रवाल, अनुपम, राजीव वंसल, अमन मित्तल, दीपक अग्रवाल, विपिन गोयल, सोनी गम्भीर, पियुष अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, सुनीता वंसल, शोभा खण्डेलवाल, किशोरी, मिनी वंसल, अंजू अग्रवाल, निधि अग्रवाल, सोनम वंसल, नमृता, मिताली, पूजा कपूर, सोनिका आदि मौजूद रहे। संचालन अमनदीप मित्तल ने किया ।

शब्दम् देशप्रेम गीत कविता गायन में आस्था प्रथम, आकृति रही द्वितीय

शिकोहाबाद। साहित्य संगीत कला को समर्पित संस्था शब्दम् ने संस्कृति भवन में देशप्रेम, गीत, कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें दिल्ली पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल, पी.एस. ग्लोबल एकेडमी, सिटी पब्लिक स्कूल, यंग स्कॉलर्स एकेडमी, ब्लूमिंग बड्स स्कूल के छात्र छात्राओं ने भाग लिया। अतिथियों ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर शब्दम् संस्था की अध्यक्ष किरण बजाज ने कहा कि राष्ट्रभक्ति के गीतों ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हम अपना काम निष्ठापूर्वक कर रहे हैं, तो यह देश सेवा है। निर्णायक समिति में शब्दम् सलाहकार समिति के अरविन्द तिवारी, डॉ. महेश आलोक तथा स्पिक मैके चेप्टर के सदस्य मनोज कुलश्रेष्ठ रहे। इस दौरान बच्चों ने कविता, देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी जिसके आधार पर प्रतियोगिता में तीन बच्चों को पुरस्कार के लिए चुना गया। प्रतियोगिता में यंग स्कॉलर्स की छात्रा आस्था पचौरी प्रथम, ब्लूमिंग बड्स स्कूल की छात्रा आकृति उपाध्याय द्वितीय, अनुष्का जादौन ने तृतीय स्थान पाया । दीपक ओहरी ने सभी का आभार जताया। इस दौरान अल्फा गुप्ता, सोनू बघेल, अर्चना, पूनम, शुभ्रा कुलश्रेष्ठ, वंदना शर्मा, रेजी मंसूरी, अनुराग यादव, प्रीती औहरी, संतोष, प्रवीन, मुकेश, बृजेश उपस्थित रहे।

नसीरपुर पुलिस ने अवैध तमंचे के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

सिरसागंज। नसीरपुर थाना पुलिस ने अवैध शस्त्रों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मुखबिर की सूचना पर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से .315 बोर का अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमन पुत्र सतेन्द्र उर्फ करु, निवासी ग्राम प्रहलादपुर, थाना बरनाहल, जनपद मैनपुरी के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने उसे हैबतपुर अंडरपास के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर थाना नसीरपुर में आरोपी के खिलाफ मु0अ0सं0 196/26, धारा 9/25 आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ फिरोजाबाद और मैनपुरी जनपद के विभिन्न थानों में चोरी, आबकारी अधिनियम, मारपीट, हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में पूर्व में 7 मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम प्रभारी निरीक्षक जसवीर सिंह, उपनिरीक्षक सतेन्द्र कुमार, उपनिरीक्षक अजय कुमार, कांस्टेबल अर्चित कुमार और कांस्टेबल विकास प्रिया शामिल रहे।

स्वैच्छिक शस्त्र समर्पण से मजबूत हो रहा जनविश्वास, भयमुक्त समाज की ओर बढ़ रहा एटा

अभी तक 258 लाइसेंसधारियों ने स्वेच्छा से समर्पित किए शस्त्र लाइसेंस

- जिलाधिकारी ने चार नागरिकों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

जनपद एटा में सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण को और सुदृढ़ करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों को नागरिकों का सकारात्मक सहयोग मिल रहा है। असामाजिक एवं आपराधिक तत्वों के विरुद्ध गुंडा एक्ट, गैंगस्टर अधिनियम तथा जिला बदर की प्रभावी कार्रवाई के साथ-साथ नागरिकों में कानून के प्रति विश्वास एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इसी क्रम में स्वैच्छिक शस्त्र लाइसेंस समर्पण अभियान को जनपद में व्यापक समर्थन प्राप्त हो रहा है। जिलाधिकारी अरविन्द सिंह ने अपने कार्यालय कक्ष में स्वेच्छा से शस्त्र लाइसेंस समर्पित करने वाले शिवप्रकाश, सूरजपाल सिंह, राम कैलाश एवं राजपाल सिंह को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि बिना किसी दबाव के शस्त्र लाइसेंस समर्पित करने का निर्णय इन नागरिकों की सामाजिक जिम्मेदारी, कानून के प्रति सम्मान तथा प्रशासन के प्रति विश्वास को दशार्ता है।

जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में अब तक 258 शस्त्र लाइसेंसधारियों द्वारा स्वेच्छा से अपने लाइसेंस समर्पित किए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त अन्य लाइसेंसधारियों द्वारा शस्त्र लाइसेंस समर्पण के लिए प्रस्तुत की गई पत्रावलियों पर भी नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

उन्होंने बताया कि शस्त्र लिपिक कुंवर मोहित द्वारा लाइसेंसधारियों को स्वैच्छिक समर्पण की प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है, जिसके फलस्वरूप अभियान को निरंतर गति मिल रही है।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन का प्रयास केवल शस्त्र लाइसेंसों का समर्पण कराना नहीं है, बल्कि जनपद में शांति, सुरक्षा, सामाजिक सौहार्द और जनविश्वास का वातावरण मजबूत करना है। जिन नागरिकों को अब शस्त्र रखने की आवश्यकता महसूस नहीं होती, वे स्वेच्छा से अपना शस्त्र लाइसेंस समर्पित कर इस सकारात्मक पहल में सहभागी बन सकते हैं।

इस अवसर पर शस्त्र लिपिक कुंवर मोहित सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अलीगढ़ जेल में पड़ी जाएंगी स्वाधीनता सेनानियों की गाथाएं

अलीगढ़। किसी भी जनपद के युवाओं को अपने क्षेत्र के स्वाधीनता समर के सेनानियों की गाथाओं का अध्ययन अवश्य करना चाहिए। उक्त विचार अलीगढ़ जेल के सुप्रिटेंडेंट पंकज कुमार सिंह ने स्वतंत्रता दिवस से पूर्व, स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों से मुलाकात के बीच व्यक्त किए।साथ ही कहा कि जेल के पुस्तकालय में कैदियों के पढ़ने के लिए संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकें रखवाई जाएंगी।

अलीगढ़ जेल प्रशासन के आमंत्रण पर अन्य साथियों संग पहुंचे आजादी का अमृत महोत्सव के जनपद कॉर्डिनेटर सुरेंद्र शर्मा ने आजादी से पूर्व सन 1807 से लेकर आजादी उपरांत तक अलीगढ़ के क्रांतिकारियों की गाथाओं की जानकारी देते हुए जेल प्रशासन को ॰ स्वाधीनता के महासमर में मातृ शक्ति और साधु संतों का योगदान पुस्तकें भेंट की।जिन्हें अब जेल में निरुद्ध कैदी भी पड़ सकेंगे।

इस दौरान जेलर विकास कटियार, फार्मासिस्ट आनंद पांडे, संजय शर्मा, पंकज धीरज, मुकेश भारद्वाज , रजनी तोमर , विनय शर्मा, धर्मवीर सिंह आदि उपस्थित रहे।

गंगा का रौद्र रूप देखा, ग्रामीणों की पीर भी पूछ लेते साहब

उदित विजयवर्गीय,

- नाव से लिया बाढ़ का जायजा, गांवों में पहुंच नहीं जाना हाल
- कई गांव राहत सामग्री के इंतजार में, 12 दिन से बिजली गुल

टीएनएफ टुडे, पटियाली। गंगा के जलस्तर में बुधवार को स्थिरता दर्ज की गई, लेकिन बाढ़ प्रभावित गांवों में ग्रामीणों की मुश्किलें अभी कम नहीं हुई हैं। खेतों में पानी भरा होने से फसलें जलमग्न हैं और कई स्थानों पर आवागमन नाव के सहारे हो रहा है। मंगलवार को डीएम प्रणय सिंह ने नाव में बैठकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया था, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि निरीक्षण के दौरान केवल औपचारिकता पूर्ण कर अधिकारी चले गए। गांवों के अंदर पहुंचकर प्रभावित परिवारों से उनकी समस्याएं नहीं सुनी गईं।

वहीं समाजसेवी अब्दुल हफीज गांधी ने बुधवार को बाढ़ प्रभावित गांवो का दौरा कर ग्रामीणो की परेशानियो को जाना। उन्होने बताया कई गांवों में करीब 12 दिन से बिजली आपूर्ति ठप है। रात होते ही गांव अंधेरे में डूब जाते हैं। मोबाइल फोन चार्ज करना तक मुश्किल हो गया है, जबकि बाढ़ के दौरान आपात स्थिति में संपर्क बनाए रखने के लिए मोबाइल ही ग्रामीणों का प्रमुख सहारा है। उन्होने मांग की कि बिजली आपूर्ति बहाल होने तक प्रशासन की ओर से रोशनी और मोबाइल चार्जिंग के लिए वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। जिससे परेशानी का सामना न करना पडे।

कई गांवों में नहीं बंटी राहत सामग्री

ग्रामीणो ने आरोप लगाया है कि औपचारिता पूर्ति हेतु केवल कुछ गांवों में राहत सामग्री वितरित किए जाने के बावजूद नगला दुर्जन, नगला नरपत, नगला खना, नगला दीपी, नगला पदम, नगला जयकिशन और राजेपुरकुर्रा समेत कई बाढ़ प्रभावित गांवों के लोग राहत सामग्री के इंतजार में हैं। ग्रामीणों ने सभी प्रभावित परिवारों तक तत्काल राहत सामग्री पहुंचाने की मांग की है।

ग्रामीणों ने बताया है कि डीएम द्वारा मंगलवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण नाव से किया गया, लेकिन गांव के अंदर आकर किसी ने ग्रामीणो की परेशानी नहीं पूछी।कई दिनों से बिजली नहीं है। रात में अंधेरा रहता है और मोबाइल तक चार्ज नहीं हो पाता। इस समस्या का निदान भी आवश्यक है। जिससे विपरीत परिस्थिति में संपर्क न टूटे।

–अब्दुल हफीज गांधी, समाजसेवी

कुछ गांवों में राहत सामग्री वितरित हुई है, लेकिन कई गांव अभी भी इसका इंतजार कर रहे हैं। प्रशासन को सभी प्रभावित परिवारों तक राहत सामग्री पहुंचाने के साथ बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था भी करनी चाहिए। जिससे कुछ परेशानी कम हो सके।

–उर्वेश यादव, नगला दुर्जन

हत्या के मामले में पांच दोषियों को उम्रकैद, 62-62 हजार रुपये जुर्माना

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, हाथरस।

ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते थाना कोतवाली नगर के हत्या के एक मामले में न्यायालय ने पांच दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने सभी दोषियों पर 62-62 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

पुलिस के अनुसार 5 जुलाई 2023 को मनोज कुमार निवासी साथिनी, थाना इगलास, अलीगढ़ ने थाना कोतवाली नगर में तहरीर दी थी कि उसके भाई संजय निवासी गणेश सिटी, हाथरस को लाला का नगला गांधी नगर से आते समय दो अज्ञात लोगों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की नीयत से गोली मार दी। गंभीर हालत में संजय को जिला अस्पताल से अलीगढ़ रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। इसके बाद मुकदमे में हत्या की धारा 302 की बढ़ोतरी की गई।

विवेचना के दौरान पुलिस ने गौरव चौधरी निवासी भवनगढ़ी, हरदुआगंज अलीगढ़, संतोष जाट निवासी महामौनी मुरसान, रामू उर्फ रामकुमार निवासी नगला पद्दू मुरसान, देवेंद्र ठाकुर उर्फ देवू उर्फ देवकी निवासी रहना तथा मोनिस कान्त शर्मा निवासी चित्रकूट बगीची, आगरा रोड, हाथरस को आरोपी बनाया। पुलिस ने साक्ष्य संकलन के बाद 30 अगस्त 2023 को न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया।

पुलिस अधीक्षक हाथरस के निर्देशन में मॉनिटरिंग सेल एवं अभियोजन शाखा द्वारा मामले की प्रभावी पैरवी की गई। इसके परिणामस्वरूप मंगलवार को एडीजे-06, हाथरस की अदालत ने पांचों दोषियों को धारा 302 के तहत आजीवन कारावास और 50 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई।

अवैध तमंचा और कारतूस समेत युवक गिरफ्तार

हाथरस। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सिकंदराराऊ पुलिस ने एक युवक को अवैध तमंचा और कारतूस समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की है।

पुलिस के अनुसार 10 अगस्त को मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने जलेसर रोड नहर पुल से करीब 50 मीटर दूर सिकंदराराऊ क्षेत्र में घेराबंदी कर एक युवक को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 315 बोर का अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान पीतम उर्फ पीताम्बर पुत्र छोटेलाल, उम्र करीब 23 वर्ष, निवासी जलेसरी गेट, पुरदिलनगर, थाना सिकंदराराऊ, हाथरस के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना सिकंदराराऊ में मु0अ0सं0 560/2026, धारा 3/25 आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक शिव कुमार शर्मा समेत पुलिसकर्मी शामिल रहे।

सड़कें बदहाल, ब्रेकर से सजा दी वार्ड की गलियां

ब्रेकर निर्माण में मानकों की अनदेखी से राहगीर खा रहे ठोकरे

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, गंजडुंडवारा।

नगर में बदहाल सड़कों से जूझ रहे लोगों की परेशानी कम होने के बजाय नगर पालिका प्रशासन की कार्यशैली से और बढ़ती नजर आ रही है। नगर के अधिकतर वार्डों में सड़कें गड्ढों और उखड़ी सतह से बदहाल हैं, लेकिन इनकी मरम्मत कराने के बजाय जगह-जगह ब्रेकर बना दिए गए हैं। हालात यह हैं कि कई स्थानों पर महज 150 मीटर की दूरी में तीन से अधिक ब्रेकर मौजूद हैं। इनकी ऊंचाई और आकार भी मानकों के अनुरूप नहीं होने से वाहन चालकों को आए दिन तेज झटके खाने पड़ रहे हैं। दोपहिया वाहन चालकों के साथ बुजुर्गों, महिलाओं और मरीजो को गुजरने मे परेशानी सबसे अधिक है। वहीं ब्रेकरों पर स्पष्ट संकेतक और पेंट तक नहीं होने से रात के समय इनके

अचानक सामने आने पर दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है।

स्थानीय निवासी अखिल चौहान का कहना है कि यदि यातायात नियंत्रण के लिए ब्रेकर जरूरी हैं तो उनका निर्माण निर्धारित मानकों के अनुसार और केवल जरूरत वाले स्थानों पर होना चाहिए। एक ही मार्ग पर थोड़ी-थोड़ी दूरी पर कई ऊंचे ब्रेकर बना देना समस्या का समाधान नहीं, बल्कि राहगीरों के लिए ठोकर का इंतजाम है। अमित कुमार का कहना है कि जब नगर की सड़कें पहले से बदहाल हैं और जगह-जगह गड्ढे बने हुए हैं तो पालिका प्रशासन पहले सड़कों की मरम्मत कराने पर ध्यान क्यों नहीं दे रहा। उन्होंने प्रभारी अधिशासी अधिकारी एसडीएम मोहम्मद नासिर से मांग की है कि कस्बे के वार्डों में बने अनावश्यक और मानकविहीन ब्रेकरों का सर्वे कराकर उन्हें हटाया जाए, जिससे समय रहते किसी बड़ी दुर्घटना से बचाव संभव हो सके।

ब्रेकर के भी तय हैं मानक

भारतीय सड़क कांग्रेस की गाइडलाइन के अनुसार सामान्य गति अवरोधक की ऊंचाई अधिकतम करीब 10 सेंटीमीटर रखी जाती है और मानक गोलाकार हंप की चौड़ाई करीब 3.7 मीटर होती है। डिजाइन के अनुसार इसका आकार और ढलान इस तरह रखा जाता है कि वाहन निर्धारित कम गति से सुरक्षित तरीके से गुजर सके।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत निकली भव्य तिरंगा रैली

हाथरस। हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत जिला खेल कार्यालय एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को शहर में भव्य तिरंगा रैली निकाली गई। रैली में स्कूली विद्यार्थियों, एनसीसी कैडेट्स, खिलाड़ियों और स्काउट्स ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति का संदेश दिया। रैली का शुभारंभ सुबह 8:30 बजे पीबीएएस इंटर कॉलेज से भाजपा जिलाध्यक्ष प्रेम सिंह कुशवाह ने फीता काटकर एवं हरी झंडी दिखाकर किया। रैली पीबीएएस इंटर कॉलेज से शुरू होकर अंबेडकर पार्क, अलीगढ़ रोड तक पहुंची। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, लेबर कॉलोनी के घोष दल ने वादन करते हुए रैली की अगुवाई की। रैली में पीबीएएस इंटर कॉलेज, श्री रामबाग इंटर कॉलेज, श्री अक्रूर इंटर कॉलेज और सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। एनसीसी कैडेट्स, स्पोर्ट्स स्टेडियम के खिलाड़ी और स्काउट्स भी तिरंगा लेकर शामिल हुए। इस दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक रणवीर सिंह, उपक्रीड़ाधिकारी काशी नरेश यादव, जिला समन्वयक माध्यमिक शिक्षा अतुल कुमार वर्मा, प्रधानाचार्य डॉ. राजेश कुमार शुक्ल, डीओसी स्काउट धीरेन्द्र सिंह सहित शिक्षा विभाग, खेल विभाग एवं विद्यालयों के शिक्षक मौजूद रहे।

सावन के सोमवार पर फूल बंगला से सजे शिव जी का हुआ भव्य श्रृंगार

सादाबाद। सावन के पावन सोमवार के अवसर पर सुभाष गली स्थित ठाकुर श्री हनुमान जी महाराज मंदिर में भगवान शिव का भव्य एवं मनोहारी श्रृंगार किया गया। मंदिर परिसर को आकर्षक फूलों से सजाकर फूल बंगला का स्वरूप दिया गया, जिसने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। मंदिर प्रबंधक दिनेश अग्रवाल ने बताया कि सावन के सोमवार को भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना के लिए सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। भक्तों ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक एवं दुग्धाभिषेक कर विधि-विधान से पूजा की तथा बेलपत्र, पुष्प और फल अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की। फूल बंगला सजावट के दौरान मंदिर को विभिन्न प्रकार के रंग-बिरंगे फूलों से आकर्षक रूप दिया गया। फूलों से सजे शिव दरबार की सुंदरता देखते ही बन रही थी। इस अवसर पर मंदिर में भजन-कीर्तन एवं धार्मिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पूरे मंदिर परिसर में 'हर हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारों से भक्तिमय वातावरण बना रहा। इस अवसर पर पवन गौतम, नूतन राजोरिया,कुसुमलता वार्ष्णेय,ब्रजेश गहलौत, रेखा गौतम, इंद्रा मित्तल, चंचल वर्मा, राधा वर्मा , सरोज देवी, लाडो, ज्योति , सतीश वर्मा आदि भक्त मौजूद रहे।

हाईवे पर बाइक गिरने से युवक घायल, पत्रकार ने पहुंचाया सीएससी

सिकंद्राराऊ। कोतवाली क्षेत्र के अलीगढ़ रोड स्थित केजीएन कॉलेज पर सोमवार रात्रि को सोहेल पुत्र सलीम निवासी करीमनगर मोटरसाइकिल से किसी काम से अलीगढ़ की ओर जा रहा था जैसे ही वह केजीएन कॉलेज पर पहुंचा तो वह रोड पर खड़ी गए से टकरा गया और वह रोड पर गिर पड़ा जिसके कारण उसके सिर में और मुंह में गंभीर चोट आई जिससे युवक घायल हो गया। सूचना पाकर तत्काल पहुंचे मोहित कुमार(मेनू) पत्रकार ने मौके पर देखा तो युवक सड़क पर अपना मुंह झुकाए नीचे पड़ा था उसे वक्त मेरी प्राथमिकता थी कि मैं अपना कैमरा से फोटो बनाऊं और अपने घर की ओर वापस अपने घर की ओर लौट जाओ पर वही युवक की हालत को गंभीर देखते हुए मौके पर एंबुलेंस का इंतजार ना करते हुए तत्काल उसे घायल युवक को अपने कंधे पर डालकर उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। मोहित ने बताया की पहले एक व्यक्ति की जान को बचाना बहुत महत्वपूर्ण है मैंने अपनी पत्रकारता के साथ-साथ सबसे पहले मोहम्मद सोहेल को अस्पताल पहुंचाया ताकि उसकी जान बचाई जा सके उसके मुंह से उसके सिर से बुरी तरह खून बह रहा था और मेरे कपड़े भी पुरे खून में सन गए मोहित ने बताया कि आज भी ऐसे पत्रकार मौजूद है नगर के लोगों के द्वारा उनकी जितनी सराहना किया जाए उतनी कम है समाज में कुछ ऐसे भी लोग मौजूद हैं जो पत्रकारों को दूसरे तरीके से देखते हैं उन पर आरोप लगाते हैं मोहित ने लोगों से अपील की है कि अभी ऐसे पत्रकार मौजूद है जो अपने कर्म से पहले धर्म और इंसानियत और मानवता का चेहरा भी दिखाते हैं और ऐसी मिसाइल गंगा जमुनी तहजीब की पत्रकार मोहित कुमार ने पेश की है। मंगलवार की सुबह पत्रकार ने सोहिल कुरैशी के आवास पर पहुंचकर उनका हाल-चाल जाना और हर मदद का भरोसा दिया है।

रेलवे पुलिस अलीगढ़ स्टेशन पर महिला को बचाया

अलीगढ़। बुधवार को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की सतर्कता से बुधवार को अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर एक महिला को सुरक्षित बचाया गया। घरेलू विवाद के बाद परेशान होकर वह घर से निकलकर स्टेशन पहुंची थी। आरपीएफ के अनुसार, बुधवार सुबह लगभग 10:49 बजे प्लेटफॉर्म संख्या-7 पर गश्त के दौरान जवानों ने एक महिला को परेशान अवस्था में देखा। संदेह होने पर त्व्थ स्टाफ ने उससे बातचीत की। महिला ने अपना नाम 30 वर्षीय नीतू कुमारी , निवासी विजयगढ़, अलीगढ़ ने पूछताछ में कि वह घरेलू विवाद के कारण घर से निकली थी। उसकी स्थिति को देखते हुए आरपीएफ जवानों ने तत्काल उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की। महिला कांस्टेबल की मदद से उस आरपीएफ पोस्ट अलीगढ़ ले जाया गया, जहाँ उसे महिला स्टाफ की निगरानी में रखा गया। आरपीएफ ने इसके बाद महिला के परिजनों से संपर्क किया। महिला के भाई सुमनेश कुमार ने बताया कि उनकी बहन के घर से चले जाने की सूचना थाना क्वार्सी में दी गई थी। तत्काल थाना क्वार्सी के जांच अधिकारी उपनिरीक्षक वीरपाल सिंह को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर उपनिरीक्षक वीरपाल सिंह परिजनों के साथ आरपीएफ पोस्ट पहुँचे। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद, महिला को सुरक्षित रूप से थाना क्वार्सी पुलिस को सौंप दिया गया। आरपीएफ की इस कार्रवाई से महिला को समय रहते सहायता मिली।

विद्यालय वाहनों में सुरक्षा एवं वैधानिक मानक हों पूर्ण

- विद्यालय प्रबंधन सुनिश्चित करें व्यवस्थाएं
- परिवहन विभाग ने विद्यालयों को जारी किए दिशा निर्देश

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

स्कूली वाहनो के संचालन में नियमों और सुरक्षा मानकों की अनदेखी विद्यालयों को महंगी पड़ेगी, परिवहन विभाग ने सभी विद्यालयों को वाहनों के संचालन से पूर्व सुरक्षा और वैधानिक मानकों को पूरा करने के निर्देश दिए हैं। प्रबंधन को चेतावनी दी गई है कि मानको की अनदेखी पर विभागीय कार्यवाही की जाएगी।

उप संभागीय अधिकारी ने सभी विद्यालय संचालकों एवं प्रबंधकों को निर्देशित किया है कि विद्यालय में संचालित समस्त स्कूल वाहनों के पंजीयन, फिटनेस, परमिट, बीमा एवं अन्य आवश्यक प्रपत्रों को तत्काल सही करा लें तथा प्रपत्र पूर्ण एवं वैध होने के पश्चात ही वाहनों का संचालन करें। उन्होंने जारी निर्देश में कहा है कि यदि विद्यालय का कोई ऐसा वाहन जो अब संचालन में नहीं है अथवा जिसे विद्यालय द्वारा कटवाकर समाप्त कर दिया गया है, वह अभी भी आरटीओ कार्यालय के अभिलेखों में प्रदर्शित हो रहा है, तो ऐसे वाहन का पंजीयन नियमानुसार आरटीओ कार्यालय से निरस्त कराया जाए।यदि कोई वाहन चलने योग्य नहीं है तथा विद्यालय परिसर में खड़ा है, तो उसकी सूचना आरटीओ कार्यालय को लिखित रूप से उपलब्ध कराई जाए।जिन वाहनों की फिटनेस, परमिट अथवा अन्य आवश्यक प्रपत्र समाप्त हो चुके हैं, उनके प्रपत्र कब तक वैध अथवा पूर्ण कराए जाएंगे, इसकी सूचना भी कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए।

जिन वाहनों के प्रपत्र पूर्ण एवं वैध नहीं हैं, उनका किसी भी दशा में बच्चों के आवागमन हेतु प्रयोग न किया जाए।15 वर्ष पुराने वाहनों का विद्यालय में बच्चों के परिवहन हेतु प्रयोग नहीं किया जाएगा।किसी भी दशा में अनफिट, असुरक्षित अथवा अधूरे प्रपत्र वाले वाहन का संचालन बच्चों के लिए न किया जाए। प्रत्येक स्कूल वाहन में बच्चों की सुरक्षा एवं निगरानी हेतु अटेंडेंट की अनिवार्य रूप से व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। यदि कोई वाहन आप द्वारा किसी अन्य को बेच दिया गया है तो यह भी सुनिश्चित कर लें कि वाहन विद्यालय के नाम से अन्य के नाम ट्रांसफर हो गया है अथवा नहीं यदि ट्रांसफर नहीं होता है तो समस्त ज़िम्मेदारी विद्यालय की ही रहेगी ।विद्यालय प्रबंधन यह सुनिश्चित करें कि स्कूल वाहनों से संबंधित सभी वैधानिक एवं सुरक्षा मानकों का पूर्णतः पालन हो।बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। अतः किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

हर तरफ नजर आया देश की आन-बान-शान तिरंगा

टीएनएफ टुडे, कासगंज। बुधवार को हर घर तिरंगा अभियान के तहत कोतवाली पुलिस के तत्वावधान में शहर में तिरंगा यात्रा निकली गई, सोरों गेट स्थित अम्बेडकर पार्क से डीएम एसपी ने तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया। नगर के बाजार भारत माता की जय जयकार के उदघोष से गूंज उठे। चारों ओर देश की आन, बान शान तिरंगा नजर आया।

तिरंगा यात्रा का शुभारंभ करते हुए एसपी ओ पी सिंह ने हर घर तिरंगा अभियान की महत्ता बताई। अधिकारियों ने कहा कि इस तिरंगा में हम हिन्दुस्तानियों की जान बसती, यह देश की आन बान शान है, इस झंडे की खातिर अनगिनत कुर्बानियां हुई हैं। कार्यक्रम के दौरान अन्य अधिकारियों और व्यापारियों ने भी अपना संबोधन दिया। सोरों गेट स्थित आंबेडकर पार्क से शुरू होकर तिरंगा यात्रा शहर के प्रमुख बाजारों से गुजरी हाथों में तिरंगा लिए अधिकारी व्यापारी , समाजसेवी,भारत माता की जय जय कार कर रहे थे। तिरंगा यात्रा नगर भ्रमण कर नदरई गेट स्थित प्रभु पार्क पर पहुंची जहां यात्रा का समापन हुआ। इस मौके पर सतीश गुप्ता, सुरेश वार्ष्णेय, अनिल माहेश्वरी, किशोर अग्रवाल,अखिलेश अग्रवाल,जितेंद्र वार्ष्णेय,डॉ विकास गुप्ता, डॉ मुहम्मद फारुख, मोनू अग्रवाल, मनोज सिंघल, अनिल अग्रवाल, रजत बिरला, संजय माहेश्वरी, सतवीर सिंह मनकू, राजवीर सौलंकी, मयंक विरला, मिक्की अग्रवाल, अंकिश अग्रवाल, मनोज तोषनीवाल, संभव जैन, प्रदीप गुप्ता, अक्षत अग्रवाल, दीपक कुमारसहित बड़ी संख्या में अधिकारी, व्यापारी एवं पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

हाथों में तिरंगा लिए पुलिसकर्मी यात्रा की दिख रहे शान

कोतवाली पुलिस के तत्वावधान में शहर के निकली ही तिरंगा यात्रा में हाथों में तिरंगा लेकर निकल रहे लोग तिरंगा यात्रा की रौनक बढ़ा रहे थे वहीं वर्दी धारी पुलिस कर्मियों के हाथों में तिरंगा यात्रा की शान दिखाई दे रहे थे।

एटा में 21 वर्ष बाद मिला न्याय, पुलिस हिरासत में युवक की मौत के दोषी दो पुलिसकर्मियों को उम्रकैद

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

जनपद एटा के थाना जैथरा क्षेत्र में वर्ष 2005 में पुलिस हिरासत में हुई युवक मुहरपाल उर्फ पप्पू (निवासी गांव बहगों) की मौत के बहुचर्चित मामले में 21 वर्ष बाद अदालत ने आज ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए दोषी दो पुलिसकर्मियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। सत्र न्यायाधीश राकेश धर दुबे ने तत्कालीन पुलिसकर्मी महावीर सिंह (वर्तमान तैनाती जनपद हाथरस) तथा गजराज सिंह को हत्या, अवैध हिरासत, मारपीट और साक्ष्य मिटाने का दोषी करार दिया। दोषसिद्धि के बाद दोनों की जमानत निरस्त कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजते हुए एटा जिला जेल भेज दिया गया।

इस लंबे कानूनी संघर्ष में अभियोजन पक्ष ने सशक्त पैरवी करते हुए अदालत के समक्ष सभी महत्वपूर्ण साक्ष्य और गवाहों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता रेशपाल सिंह राठौर ने मामले की मजबूती से पैरवी करते हुए दोषियों को सजा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अदालत के इस फैसले को न्याय व्यवस्था में विश्वास मजबूत करने वाला माना जा रहा है। वर्षों तक चली कानूनी लड़ाई के बाद पीड़ित परिवार को आखिरकार न्याय मिला और दोषियों को उनके अपराध की कठोर सजा मिली।

सीडीओ ने की सीएम डेशबोर्ड विकाश एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा

- कार्यों की प्रगति में सुधार एवं लंबित कार्यों की शीघ्र पूरा करने के दिए निर्देश
- लापरवाही पर जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्यवाही की चेतावनी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड विकास कार्यों एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विभागवार प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा में 56 कार्यक्रमों को ए श्रेणी, 01 को बी श्रेणी, 06 को सी श्रेणी तथा 04 कार्यक्रमों को डी श्रेणी प्राप्त हुई। इस प्रकार जनपद को प्रदेश में 71वीं रैंक प्राप्त हुई।

बैठक में अधिकारियों को योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति में सुधार लाने तथा लंबित कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को नई सड़कों एवं सेतुओं के निर्माण कार्यों में भौतिक प्रगति के साथ वित्तीय प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए गए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को 108 एवं 102 एंबुलेंस सेवाओं की प्रगति में सुधार करते हुए आगामी माह में वाहनों की प्रगति निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने को कहा गया। जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को भी अपने-अपने विभागों की योजनाओं में प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए गए। सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा के उपरांत जनपद में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की भी विस्तार से समीक्षा की गई। राजकीय निर्माण निगम द्वारा न्यायालय परिसर में 10.5 करोड़ रुपये की लागत से 98 नग अधिवक्ता कक्षों का निर्माण कराया जा रहा है, जो विलंबित है। संबंधित अधिकारियों को कार्य की लक्षित तिथि बढ़ाने हेतु आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, जिला विकास अधिकारी, जिला परियोजना निदेशक, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, उप निदेशक कृषि, एलडीएम, खण्ड विकास अधिकारी सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

'मैं निराश हो चुका हूं, ऐसा पहली बार देखा है'

एजेंसी, नई दिल्ली।

नीट विवाद को लेकर संसद में सियासी घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक तरफ विपक्ष छात्रों के प्रदर्शन, कथित पुलिस ज्यादती और नीट पेपर लीक को लेकर गृह मंत्री अमित शाह से जवाब मांगते हुए सदन में हंगामा कर रहा है, तो दूसरी तरफ सरकार का दावा है कि वह हर सवाल का जवाब देने और इस मुद्दे पर खुली व विस्तृत चर्चा के लिए तैयार है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने तो विपक्ष पर ही चर्चा से भागने का आरोप लगा दिया है। वहीं, अमित शाह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर साफ कहा है कि वह सदन में मौजूद रहेंगे और विपक्ष के हर सवाल का जवाब देंगे।

'विपक्ष चर्चा से पीछे हट रहा'

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वह इस बात से बेहद निराश हैं कि सरकार संसद में नीट परीक्षा से जुड़े मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष चर्चा से पीछे हट रहा है। उन्होंने कहा कि अपने राजनीतिक जीवन में उन्होंने पहली बार ऐसी स्थिति देखी है, जब सरकार खुद सदन में चर्चा की मांग कर रही है और विपक्ष उससे भाग रहा है।

'विपक्ष सुनने को तैयार नहीं'

रिजिजू ने कहा, 'मैं बहुत निराश हूं। अपनी जिंदगी में पहली बार मैं ऐसा नजारा देख रहा हूं, जहां सरकार संसद में चर्चा करना चाहती है, लेकिन विपक्ष उससे भाग रहा है। इसकी कल्पना करना भी मुश्किल है, क्योंकि संसदीय लोकतंत्र में विपक्ष ही चर्चा की मांग करता है और सरकार जवाब देती है। लेकिन यहां सरकार खुद कह रही है कि हम चर्चा करेंगे और जवाब देंगे, फिर भी विपक्ष सुनने को तैयार नहीं है। क्या आप ऐसी स्थिति की कल्पना कर सकते हैं? यह लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है।' उन्होंने कहा कि सरकार ने बार-बार स्पष्ट किया है कि वह इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष इसके लिए सहमत नहीं हो रहा है।

शाह ने लोकसभा अध्यक्ष को क्यों लिखा पत्र?

रिजिजू के मुताबिक, इसी वजह से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक और पत्र लिखना पड़ा। रिजिजू ने कहा, 'गृह मंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर फिर से कहा है कि हम खुली, व्यापक और विस्तृत चर्चा के लिए तैयार हैं और उनसे विपक्ष के नेताओं को इसके लिए मनाने का आग्रह किया है। क्या आपने कभी ऐसी बात सुनी है?

सरकार खुद अध्यक्ष से गंभीरता से आग्रह कर रही है कि वे विपक्ष को चर्चा में भाग लेने के लिए मनाएं।' उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने बुधवार को भी विपक्ष से तत्काल चर्चा शुरू करने का आग्रह किया, लेकिन विपक्ष इसके लिए तैयार नहीं हुआ। रिजिजू ने इसे देश और लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अच्छा संकेत नहीं बताया।

अमित शाह संसद में हर सवाल का जवाब देने को तैयार

वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि वह नीट पेपर लीक को लेकर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन से जुड़े मुद्दे पर संसद में उठाए जाने वाले 'सभी सवालों के जवाब' देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से आग्रह किया कि वह इस मुद्दे पर विपक्ष से सलाह-मशविरा करें और चर्चा के लिए समय निर्धारित करें। लोकसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में शाह ने कहा कि संसद के मौजूदा सत्र में 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' पर पहले ही चर्चा हो चुकी है। उन्होंने कहा कि विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्ष के किसी भी सदस्य ने सदन में ठएएळ परीक्षा से जुड़ा मुद्दा नहीं उठाया था।

विपक्ष अमित शाह से किस मुद्दे पर बयान की मांग कर रहा?

विपक्ष नीट पेपर लीक को लेकर 20 जुलाई को जंतर-मंतर के पास छात्रों के विरोध मार्च के दौरान पुलिस की कथित ज्यादती और पैलेट गन के इस्तेमाल के आरोपों पर सदन में गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहा है। मॉनसून सत्र की शुरूआत से ही विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार से जवाब मांग रहा है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी इस मामले में अमित शाह से प्रतिक्रिया की मांग कर चुके हैं। इस मुद्दे को लेकर विपक्ष लगातार संसद की कार्यवाही में बाधा डाल रहा है।

बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने विपक्ष पर लगाया अराजक मानसिकता का आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली।

संसद में जारी गतिरोध को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव और तेज हो गया है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को विपक्ष पर संसद की कार्यवाही जानबूझकर बाधित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लगातार हो रहा हंगामा विपक्ष की 'अराजक मानसिकता' को दिखाता है। नवीन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। इसके बावजूद विपक्ष सदन की कार्यवाही नहीं चलने दे रहा है। उन्होंने कहा कि अब जनता देख रही है कि चर्चा से वास्तव में कौन भाग रहा है।

क्या विपक्ष जानबूझकर सदन नहीं चलने दे रहा?

नितिन नवीन ने आरोप लगाया कि सरकार की ओर से बार-बार महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा कराने की कोशिश की जा रही है। लेकिन विपक्षी दल हंगामा कर रहे हैं और कार्यवाही बाधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार हर अहम मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। विपक्ष को भी अपनी बात रखने का पूरा मौका मिलना चाहिए। लेकिन सदन को बाधित करने से चर्चा का रास्ता बंद हो रहा है। उन्होंने हाल ही में बनी नौ-जजों की कॉन्स्टिट्यूशन बेंच का भी जिक्र किया, जो सबरीमाला मामले से जुड़े एक रेफरेंस पर सुनवाई कर रही है। ऐसे मामलों से नियमित मामलों की सुनवाई और निपटारे की रफ्तार पर असर पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए जजों की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया था।
चीफ जस्टिस के पत्र के बाद, केंद्र सरकार ने 17 मई को एक अध्यादेश जारी किया था, जिससे सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू हुई।

एसआरएन का नाम 'अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंह' के नाम पर रखने की मांग, अनिश्चितकालीन धरना आठवें दिन भी रहा जारी

क्रांतिकारी-शहीद वंशजों ने की सूबे की सरकार से मांग पर मुहर लगाने की अपील

एजेंसी, प्रयागराज।

मोतीलाल नेहरू राजकीय मेडिकल कॉलेज से संबद्ध मंडलीय चिकित्सालय 'स्वरूप रानी नेहरू' (SRN अस्पताल) का नाम बदलकर 'अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंहह्व के नाम पर रखने की मांग को लेकर महुआ डाबर संग्रहालय परिवार के तत्वावधान में चल रहा अनिश्चितकालीन धरना आठवें दिन(12 अगस्त को) भी जारी रहा।

धरने को संबोधित करते हुए क्रांतिकारी और शहीद वंशज उत्तम कुमार बनर्जी ने काकोरी क्रांतिवीरों और शहीद मणीन्द्रनाथ बनर्जी के बलिदान का गौरवशाली इतिहास बताते हुए कहा कि क्रूर ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष करते हुए काकोरी केस के महान क्रांतिकारी ठाकुर रोशन सिंह का रक्त प्रयागराज की इसी कुख्यात मलाका जेल की मिट्टी पर गिरा था। आज उसी ऐतिहासिक बलिदान स्थल पर स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय स्थापित है।

उन्होंने अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंह के नाम पर अस्पताल का नाम तत्काल प्रभाव से किए जाने की सरकार से मांग करते हुए जोरदार वकालत की।

महुआ डाबर संग्रहालय के महानिदेशक डॉ. शाह आलम राना ने कहा कि ठाकुर रोशन सिंह करीब आठ महीने तक जेल के दक्षिणी हिस्से में फांसीघर के पास स्थित काल कोठरी में बंद रहे। आखिरकार 19 दिसंबर 1927 की सुबह उन्होंने हंसते हुए फांसी के फंदे को चूमकर देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि ठाकुर रोशन सिंह के बलिदान के करीब दो दशक बाद देश आजाद हुआ, लेकिन आजादी के बाद भी उनके बलिदान स्थल और स्मृतियों को इतना धुंधला कर दिया गया कि यहां उनके जन्मदिवस और बलिदान दिवस पर पूरा देश इस स्थल को भूल गया।

वहीं क्रांतिकारी और शहीद

टीएमसी के 20 बागियों पर फैसला कब? अभिषेक बनर्जी फिर पहुंचे स्पीकर के पास

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा में नेता अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से से मुलाकात कर टीएमसी के 20 बागी सांसदों के खिलाफ लंबित अयोग्यता याचिकाओं पर जल्द फैसला लेने की मांग की है। टीएमसी का आरोप है कि इन सांसदों ने पार्टी छोड़कर एनसीपीआई का समर्थन किया है और उनका यह कदम संविधान की 10वीं अनुसूची के तहत दल-बदल के दायरे में आता है। बनर्जी ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि समयसीमा में फैसला नहीं हुआ तो वह सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगे। साथ ही उन्होंने बागी सांसदों को अलग समूह की औपचारिक मान्यता न मिलने और इसके बावजूद उन्हें अलग तरीके से सदन में अवसर मिलने पर भी सवाल उठाया है। बनर्जी ने कहा कि उन्होंने सबसे पहले जून में ही स्पीकर ओम बिरला के सामने यह मुद्दा उठाया था। उस समय इन सांसदों के खिलाफ अलग-अलग अयोग्यता याचिकाएं दाखिल की गई थीं। लेकिन करीब दो महीने बीत जाने के बावजूद उन्हें अब तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला है।

कृष्ण जन्मभूमि विवाद में 'सुप्रीम' टिप्पणी, पहले तय हो कौन होगा लीड केस

एजेंसी, नई दिल्ली।

कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद से जुड़े कई मुकदमों में से किसे प्रतिनिधि या मुख्य मामला माना जाए, इस सवाल पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अहम टिप्पणी की। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा की पीठ ने संकेत दिया कि यह मुद्दा नए सिरे से विचार के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजा जा सकता है। मामले की अगली सुनवाई 2 सितंबर को होगी।

क्या 'लीड केस' तय करने का मामला फिर हाईकोर्ट जाएगा?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दूसरे मुकदमों के वादियों को नोटिस दिए बिना एक हिंदू पक्ष को भगवान कृष्ण के सभी भक्तों का प्रतिनिधि मान लिया था। पीठ ने कहा कि आवेदन का विषय कुछ और था और सभी वादियों को नोटिस भी नहीं दिया गया। इसी आधार पर शीर्ष अदालत ने मामले को दोबारा विचार के लिए हाईकोर्ट भेजने का संकेत दिया।

क्या हाईकोर्ट ने दूसरे पक्ष को प्रतिनिधि मानकर मुकदमा पहले सुनने का आदेश दिया था?

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 18 जुलाई 2025 को एक हिंदू पक्ष की ओर से दाखिल आवेदन को मंजूरी दी थी। इसके तहत उस मुकदमे को दूसरे मामलों में शामिल पक्षों की ओर से प्रतिनिधि कार्रवाई के तौर पर चलाने की अनुमति दी गई थी। हाईकोर्ट ने यह भी निर्देश दिया था कि इसी मुकदमे की पहले सुनवाई कर फैसला किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट में किस आदेश को चुनौती दी गई?

हाईकोर्ट के इस आदेश को एक अन्य हिंदू पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। उसका कहना था कि अलग-अलग दीवानी मुकदमों को मथुरा अदालत से हाईकोर्ट में स्थानांतरित किए जाने के बाद उसका मुकदमा प्रभावी तौर पर मुख्य मामला बन गया था, लेकिन हाईकोर्ट ने किसी दूसरे वादी को प्रतिनिधि का दर्जा दे दिया।

कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद में कितने मुकदमे हैं?

इस व्यापक विवाद से जुड़े 20 से अधिक दीवानी मुकदमे हैं। हिंदू पक्ष के वादियों का दावा है कि मथुरा स्थित शाही ईदगाह मस्जिद का निर्माण मुगल बादशाह औरंगजेब ने भगवान कृष्ण के जन्मस्थान पर मौजूद मंदिर को गिराने के बाद कराया था। इन मुकदमों को शुरूआत में मथुरा की अदालत में दाखिल किया गया था। बाद में इन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट में स्थानांतरित कर दिया गया। विवाद से जुड़े सर्वे और मुकदमों की पोषणीयता समेत कई मुद्दे हाईकोर्ट के सामने लंबित हैं।

ईदगाह परिसर के सर्वे पर भी सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई थी?

सुप्रीम कोर्ट में मस्जिद कमेटी और हिंदू पक्षों की ओर से विवाद से जुड़े अलग-अलग आदेशों को चुनौती देने वाली कई याचिकाएं भी लंबित हैं। इनमें इलाहाबाद हाईकोर्ट के 26 मई 2023 के उस फैसले को चुनौती भी शामिल है, जिसके तहत विवाद से जुड़े सभी मामलों को मथुरा अदालत से हाईकोर्ट में स्थानांतरित किया गया था। 16 जनवरी 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने मस्जिद कमेटी की याचिका पर हाईकोर्ट के 14 दिसंबर 2023 के आदेश पर रोक लगा दी थी। इस आदेश में शाही ईदगाह मस्जिद परिसर के कोर्ट की निगरानी में सर्वे की अनुमति दी गई थी।

अगली सुनवाई कब होगी?

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 2 सितंबर के लिए तय की है। अब नजर इस बात पर है कि 'लीड केस' तय करने के मुद्दे पर शीर्ष अदालत क्या निर्देश देती है और क्या मामला नए सिरे से विचार के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजा जाता है।

पूर्व पीएम इमरान की सेहत को लेकर बढ़ी चिंता, कस्टडी में मौत की अटकलों के बीच पार्टी ने की ये मांग

एजेंसी, ०इ।

रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान के सेहत को लेकर चिंता जताई जा रही है। इमरान खान की पार्टी और उनके परिजनों ने आरोप लगाए हैं कि इमरान खान को हिरासत में रहते हुए जान का खतरा है। इमरान खान की बहन डॉ. उजमा ने कहा है कि उनके भाई ने उन्हें साफ तौर पर चेतावनी दी थी कि अगर जेल में उन पर जानलेवा हमला होता है तो पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर इसके लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार होंगे।

पार्टी ने इमरान खान की बिगड़ती सेहत पर जताई चिंता

73 वर्षीय इमरान खान साल 2023 से पाकिस्तान की अदियाला जेल में बंद हैं। उनकी पार्टी पीटीआई बार-बार आरोप लगा रही है कि उन्हें इमरान खान से मिलने नहीं दिया जा रहा है और न ही जेल में इमरान खान को सही चिकित्सा देखभाल मिल रही है, जिससे उनकी हालत दिनों-दिन बिगड़ रही है। पार्टी के नेताओं ने दावा किया है कि जेल में इमरान खान की आंखों की रोशनी बुरी तरह से प्रभावित हुई है।]
इमरान खान की पार्टी के नेता और खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहैल अफरीदी ने चेतावनी दी है कि अगर पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान को जेल से रिहा नहीं किया जाता है तो हालात ऐसे मोड़ पर पहुंच सकते हैं, जहां इमरान खान के शांति की अपील करने के बावजूद शांति कायम नहीं हो सकेगी। सोहैल अफरीदी ने चेताया कि 'वे युवा लोगों की आंखों में क्रांति की ज्वाला देख रहे हैं और अगर इसे अभी नियंत्रित नहीं किया गया तो फिर इसे कोई नहीं रोक पाएगा।'

'होर्मुज पर अमेरिका का पूरा नियंत्रण', ट्रंप का बड़ा दावा

एजेंसी, वॉशिंगटन।

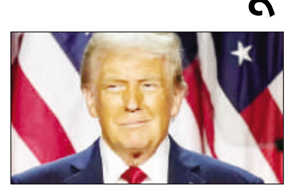

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका का होर्मुज जलडमरूमध्य पर पूरा नियंत्रण है और उनका मानना है कि अमेरिका इसे अपने नियंत्रण में बनाए रखेगा। ट्रंप ने अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी को ह्यस्टील की दीवारह्व बताया है। उन्होंने कहा कि ईरान इसके खिलाफ कुछ नहीं कर सकता। ट्रंप ने यह दावा ऐसे समय किया है, जब होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर तनाव बना हुआ है। उन्होंने ईरान की सैन्य क्षमता और मौजूदा स्थिति पर भी टिप्पणी की।

ट्रंप ने क्या-क्या कहा?

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी को हर कोई 'A WALL OF STEEL' यानी 'स्टील की दीवार' कह रहा है। ट्रंप के मुताबिक, ईरान के पास इसका सामना करने के लिए कुछ करने की क्षमता नहीं है। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के पास नौसेना नहीं है। ईरान के पास वायुसेना नहीं है। उनके बाकी बचे सैनिकों को वेतन नहीं मिल रहा है। ईरान का आईआरजीसी बुरी तरह कमजोर हो चुका है और उसके सदस्य भाग रहे हैं।

ईरान सिर्फ बयानबाजी कर रहा है: ट्रंप

ट्रंप ने ईरान पर सिर्फ बयान देने और कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ईरान के पास केवल ह्यफर्जी खबरें और 300 फीसदी मंहगाई दर है। उनकी स्थिति लगातार खराब हो रही है। अपने ट्रुथ सोशल पोस्ट के अंत में ट्रंप ने यह भी लिखा कि अल्लाह की इबादत हो।

ईरान युद्ध में अब तक क्या-क्या हुआ?

28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इस्त्राइल ने ईरान पर बड़े हवाई हमले शुरू किए, जिसके बाद ईरान ने इस्त्राइल और क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। लड़ाई के साथ होर्मुज जलडमरूमध्य भी बड़ा मोर्चा बन गया और ईरान ने वहां जहाजों की आवाजाही रोक दी। अप्रैल में अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते का युद्धविराम हुआ, लेकिन इस दौरान हुई बातचीत किसी समझौते तक नहीं पहुंच सकी और लड़ाई फिर तेज हो गई। इसके बाद अमेरिका ने ईरान के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी की और होर्मुज को खोलने के लिए सैन्य दबाव बढ़ाया। जून में फिर एक अंतरिम समझौता हुआ, लेकिन वह भी ज्यादा समय नहीं चल सका। जुलाई में ट्रंप ने इसे खत्म करने का एलान कर दिया। अब अगस्त में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत फिर चल रही है, लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर दोनों पक्षों में गतिरोध बना हुआ है। ईरान का कहना है कि वह तब तक जलडमरूमध्य नहीं खोलेगा, जब तक अमेरिका अपनी नाकेबंदी नहीं हटाता, प्रतिबंधों में राहत नहीं देता और युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई नहीं करता।

पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान पहुंचा रही बीएलए, 32 सैनिकों को मारने का किया दावा

एजेंसी, इस्लामाबाद।

बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाकर किए गए 38 हमलों की जिम्मेदारी ली है, जिसमें 32 से ज्यादा सैन्यकर्मी और उनके सहयोगी मारे गए और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए। मंगलवार को जारी बयान में बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच ने कहा कि ये हमले 1 से 8 अगस्त के बीच किए गए। सशस्त्र समूह ने पाकिस्तानी सैन्य काफिलों, कैंप, पैदल दस्तों, पुलों, रेलवे लाइनों, पुलिस चेक पोस्ट और सामान ढो रहे वाहनों को निशाना बनाया।

कई सैन्य वाहनों को बनाया निशाना

बयान के अनुसार,बीएलए के लड़ाकों ने कई सैन्य वाहनों, क्वाडकॉप्टर, पुलों और रेलवे ट्रैक को उड़ाया। समूह ने सैन्य उपकरण जब्त किया और पाकिस्तानी सेना के इंटेलिजेंस ऑपरेटिव को मार दिया गया। बयान में बताया गया है कि पहला हमला 1 अगस्त को कलात जिले के दश्त इलाके में हुआ। द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तानी सेना की बख्तरबंद गाड़ियों पर रॉकेट और दूसरे भारी हथियारों से हमला किया गया, जिससे बहुत नुकसान हुआ।

पुलिस चेकपॉइंट पर किया कब्जा

ग्रुप ने दावा किया कि उसी रात मस्तुंग के कुंड उमरानी इलाके में एक पैदल गश्ती दल पर किए हमले में पाकिस्तानी सेना के दो जवान मारे गए और कई घायल हो गए। बीएलए ने आगे कहा कि, 2 अगस्त को उसके लड़ाकों ने वाशुक जिले के सेची इलाके में घुसने की कोशिश कर रही पाकिस्तानी सेना पर हमला किया, जिसमें दो जवान मारे गए। उसने आगे कहा कि उसके लड़ाकों ने अगले दिन कई हमले किए, जिसमें क्वेटा-कराची हाईवे पर बेला के नामी इलाके में एक पुलिस चेकपॉइंट पर कब्जा करना भी शामिल था। बीएलए ने दावा किया कि उसके लड़ाकों ने चगाई जिले के याकमच इलाके में जोजकी ट्रेड रूट पर एक पुल को तोड़ दिया, और फिर उसी जगह पर पाकिस्तानी सेना और कमर्शियल गाड़ियों पर हमला किया। खबर है कि यह हमला करीब 40 मिनट तक चला, जिसमें पाकिस्तानी सेना के कई जवान मारे गए, जबकि एक क्वाडकॉप्टर को नष्ट कर दिया गया। बीएलए ने कहा कि उसके लड़ाकों ने 5 अगस्त को भी अपने हमले जारी रखे, और दलबंदिन के बार्टागजी इलाके में और क्वेटा-ताफ्तान रूट पर गैस प्लांट के पास पाकिस्तानी सैन्यकर्मियों और एक काफिले को निशाना बनाया।

ड्रोन से पाकिस्तानी सेना के शिविर पर किया हमला

ग्रुप के मुताबिक, उसके लड़ाकों ने बाद में नोशकी के पास सुल्तान चरहाई में दो पाकिस्तानी सैन्य वाहनों पर हमला किया जिसमें दो जवान मारे गए और चार घायल हो गए। बयान में कहा गया कि बीएलए के लड़ाकों ने 6 अगस्त को दलबंदिन के चेहतर इलाके में एक पाकिस्तानी मिलिट्री काफिले को निशाना बनाया, जिससे बड़ा नुकसान हुआ। इसने आगे दावा किया कि खारान के डाली इलाके में पाकिस्तानी मिलिट्री के पैदल गश्ती जवानों पर हमले में एक जवान मारा गया। इसके अलावा, 7 अगस्त को, बीएलए ने कहा कि उसकी हवाई और ड्रोन युद्ध इकाई, 'कहार' ने नोश्की के सुल्तान चरहाई में एक पाकिस्तानी सैन्य शिविर पर हमला किया, जिससे कथित तौर पर उस जगह को नुकसान पहुंचा।

इस्लामिक नाटो: चीन को पहले से थी भनक, मीडिया में मार्च से जारी थी सुरक्षा ढांचे की चर्चा

एजेंसी, बीजिंग।

सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच हुए रक्षा समझौते से काफी पहले चीन के राज्य-समर्थित मीडिया में ऐसे सुरक्षा ढांचे की चर्चा की जा रही थी। इस्लामी नाटो कहा जाने वाला यह गठबंधन 7 अगस्त को अस्तित्व में आया, लेकिन चीनी मीडिया ने इस संस्थागत ढांचे के ब्लूप्रिंट पर पांच महीने पहले से मुहर लगा दी थी। चीनी राज्य-समर्थित मीडिया के लेख यह गवाही देते हैं कि बीजिंग को इस सुरक्षा ढांचे की भनक महीनों पहले से थी।

सबसे महत्वपूर्ण कड़ी चीन के सरकारी अखबार चाइना डेली का 24 जुलाई को प्रकाशित लेख है। अखबार ने इस्लामी नाटो के अस्तित्व में आने से दो सप्ताह पहले इस लेख में मिस्र को भी शामिल करते हुए यह सवाल उठाया कि क्या इन चारों देशों का सहयोग एक नए सुरक्षा ढांचे का केंद्र बन सकता है। गौरतलब है कि तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान इस गठबंधन में मिस्र के भी शामिल होने की संभावना जता चुके हैं। 'पैविंग ए न्यू पाथ फॉर मिडिल ईस्ट सिक्योरिटी' शीर्षक वाले चाइना डेली के लेख में चारों देशों की क्षमताओं को एक साथ रखकर देखा गया। यहां तक कि अखबार ने चारों देशों के संभावित गठबंधन की संस्थागत जरूरतों तक पर चर्चा की।

इस लेख के मुताबिक इन चारों देशों का मेल भूमध्यसागर से दक्षिण एशिया तक फैला एक महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक गलियारा बनाता है, जिसके पास महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों, ऊर्जा बाजारों और बड़ी आबादी पर प्रभाव है। यानी जब सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच नया रक्षा समझौता हुआ भी नहीं था, चीन का सरकारी अखबार चारों देशों के सहयोग को एक सुरक्षा ढांचे की आधारशिला के तौर पर देख रहा था। लेख में मिस्र को अरब जगत की प्रमुख सैन्य व कूटनीतिक शक्ति, सऊदी अरब को प्रमुख आर्थिक शक्ति, तुर्किये को उन्नत रक्षा उद्योग और बड़ी सैन्य क्षमता वाला देश और पाकिस्तान को बड़ी सेना व सीमा सुरक्षा के अनुभव वाला देश बताया गया।

मार्च से मिला संकेत

इस साल 29 मार्च को पाकिस्तान, सऊदी अरब, मिस्त्र और तुर्किये के विदेश मंत्रियों की इस्लामाबाद में बैठक हुई थी। इसका घोषित उद्देश्य पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव कम करना और अमेरिका-ईरान वार्ता के प्रयास आगे बढ़ाना था। चारों विदेश मंत्रियों ने पाकिस्तान की ओर से अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता की मेजबानी के प्रस्ताव का समर्थन किया था। लेकिन चीनी सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ ने इसको चार देशों का 'क्वाड्रिलेटरल' बताया था।

अप्रैल में आई रक्षा समझौते की बात

इसके चंद दिनों बाद 2 अप्रैल को चीन के राज्य-समर्थित चैनल सीजीटीएन ने यह सवाल उठाया कि क्या चार देशों का यह सहयोग आगे चलकर ह्यरक्षा गठबंधनह्व का रूप ले सकता है। चैनल ने पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के हवाले से लिखा कि ऐसा कहना अभी जल्दबाजी होगा। उस समय चारों देशों के बीच कोई रक्षा गठबंधन बना भी नहीं था। फिर भी चीन के राज्य-समर्थित मीडिया में यह सवाल सामने आ चुका था।

जून में आई संस्थागत ढांचे की बात

21 जून को शिन्हुआ ने काहिरा में मिस्त्र, सऊदी अरब, तुर्किये और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों की चौथी बैठक को प्रमुखता से रिपोर्ट किया। मिस्त्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने चारों देशों के तंत्र को एक संस्थागत ढांचे में बदलने की जरूरत बताई। 11 जुलाई को शिन्हुआ ने अपनी रिपोर्ट में इसे फिर चारों देशों का 'क्वाड्रिलेटरल मैकेनिज्म' कहा।

चीन की दिलचस्पी के मायने

बीजिंग भली-भांति समझता है कि यदि पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण एशिया तक के यह इस्लामी देश किसी साझा सुरक्षा ढांचे के तहत आते हैं, तो यह अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रभाव को वैश्विक दक्षिण में टक्कर दे सकता है। साथ ही पाकिस्तान के जरिए सऊदी अरब और तुर्किये के साथ गठजोड़ चीन की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के लिए एक सुरक्षित सामरिक गलियारा भी तैयार कर सकता है।

तमिलनाडु और मिजोरम में 13 जगहों पर एनआईए की रेड

नई दिल्ली। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को तमिलनाडु और मिजोरम में 13 जगहों पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई नवंबर 2024 में बंगाल की खाड़ी में बैरन आइलैंड्स के पास म्यांमार की एक नाव से 6016.87 किलोग्राम मेथामफेटामाइन जब्त किए जाने के मामले में की गई। तलाशी वाले स्थानों में तमिलनाडु में आठ और मिजोरम में पांच जगहें शामिल थीं। एनआईए की टीमों के इस मिले-जुले ऑपरेशन के दौरान कई डिजिटल डिवाइस जब्त किए गए, ताकि फोरेंसिक जांच के जरिए इसमें शामिल पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा सके। तलाशी के दौरान चेन्नई में 71 लाख रुपये, 53,500 अमेरिकी डॉलर और 1,50,000 म्यांमार क्यात बरामद किए गए, जबकि चम्फाई और आइजोल में क्रमश: 22.38 लाख रुपये और 20.73 लाख रुपये बरामद किए गए।
यह मामला नवंबर 2024 में बैरन आइलैंड्स के पास म्यांमार की एक नाव से मेथामफेटामाइन, एक सैटेलाइट फोन और दूसरी चीजें जब्त होने के बाद शुरू हुआ, जिसके बाद अंडमान और निकोबार पुलिस ने केस दर्ज किया।

एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

क्रिएटिव कॅरियर है कार एसेसरीज डिजाइनिंग

कार एसेसरीज डिजाइनिंग एक ऐसा कॅरियर क्षेत्र है, जिसके बारे में बेहद कम लोगों को ही जानकारी होती है। लेकिन यह एक ऐसा क्रिएटिव कॅरियर क्षेत्र है, जिसमें ग्रोथ की संभावना बहुत अधिक है। यह एक ऑटोमोबाइल डिजाइनर के काम का एक हिस्सा है, लेकिन यह केवल कारों और इसके सामान के लिए पूरा करता है। कार एक्सेसरी डिजाइनर ऐसे व्यक्ति हैं जो कार एक्सेसरीज और पार्ट्स के लिए नए डिजाइन बनाते हैं। वे न केवल देखभाल की संरचना में सुधार करते हैं, बल्कि इसकी कार्यक्षमता भी बढ़ाते हैं। ऐसा करते समय, एक कार एक्सेसरी डिजाइनर को वाहन की सुरक्षा को ध्यान में रखना चाहिए और दिए गए मापदंडों के तहत काम करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इस कॅरियर क्षेत्र के बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं–

क्या होता है काम

एक कार एसेसरीज डिजाइनर तीन क्षेत्रों में से एक में काम करते हैं– इंटीरियर डिजाइनिंग, एक्सटीरियर डिजाइनिंग या कलर और ट्रिम डिजाइन। वे ड्राइंग, मॉडल और प्रोटोटाइप का उपयोग करके कार एक्सेसरी पार्ट्स, असेंबली और सिस्टम के ड्राफ्टिंग डिजाइन बनाते हैं। उनका मुख्य काम होता है कि वे कार को विजुअली अधिक अपीलींग बनाएं।

स्किल्स – कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक कार एसेसरीज डिजाइनर को हाइड्रोलिक, इलेक्ट्रिक और मैकेनिकल सिस्टम के बारे में विस्तृत जानकारी होनी चाहिए जो वाहन में उपयोग होने जा रहे हैं। इसके अलावा उन्हें ग्राहक की पूरी आवश्यकता को समझना चाहिए और डिजाइन और इसके उत्पादन के उपयोग के बारे में बड़े पैमाने पर शोध करना चाहिए। उनके भीतर कुछ अलग व हटकर सोचने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कंप्यूटर व कार का तकनीकी ज्ञान उनके काम को अधिक आसान बनाता है।

योग्यता – एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। जिस विश्वविद्यालय या कॉलेज से उम्मीदवार अपनी डिग्री हासिल करता है, उसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहिए।

आमदनी – कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व क्रिएटिविटी के आधार पर बढ़ती जाती है। हालांकि एक कार एसेसरीज डिजाइनर की एवरेज सालाना सैलरी सात से आठ लाख के बीच होती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नवी मुंबई
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- एरिना एनिमेशन, बैंगलोर
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, नोएडा
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, चेन्नई
- वीआईडीएम इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली
- वाईएमसीए इंस्टीट्यूट फॉर ऑफिस मैनेजमेंट, नई दिल्ली

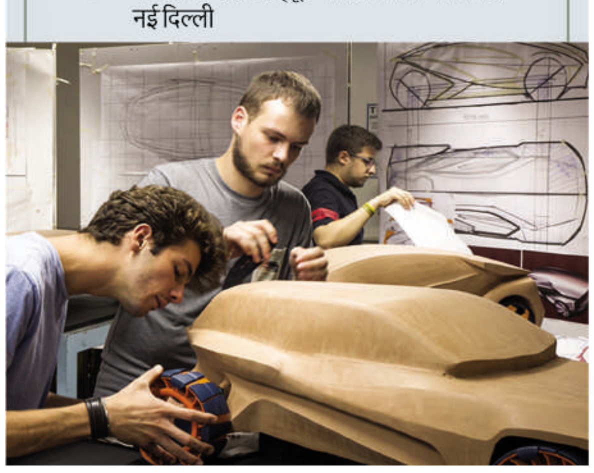

पढाई के लिए बेस्ट ऑप्शन है हॉन्ग कॉन्ग

अगर आप भी विदेश से पढाई करना चाहते हैं लेकिन डिसाइड नहीं कर पा रहें हैं कौन सी यूनिवर्सिटी बेहतर करियर ऑप्शन में आपकी सहायता कर सकती है।आज के इस लेख में हम आपको हॉन्ग कॉन्ग यूनिवर्सिटी की कुछ खासियत बता रहें हैं जिससे आपकी कन्फ्यूजन दूर हो जाएगी।

अगर आप भी विदेश में पढाई करके अपने करियर को बेहतर ऑप्शन देना चाहतें हैं तो आपको हॉन्ग कॉन्ग बेहतर विकल्प हो सकता है 2020 के फाइनेंशियल सेंटर इंडेक्स में हॉन्ग कॉन्ग को तीसरा रैंक प्राप्त हुआ है। यह युवाओं के बीच उच्च शिक्षा के लिए बेस्ट ऑप्शन के रूप में उभर रहा है। यहां की आसान वीजा पॉलिसी इसकी लोकप्रियता का एक कारण है। अन्य देशों के मुकाबले यहां की ट्यूशन फीस भी कम है जिससे छात्र हॉन्ग कॉन्ग की ओर आकर्षित होते हैं। आइये जानते हैं क्यों है हॉन्ग कॉन्ग स्टडी के लिए बेस्ट ऑप्शन

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

हॉन्ग कॉन्ग बेस्ट एजुकेशन हब है। क्यूएस छात्र सिटी 2021 में इसको 14वां रैंक दिया गया है। यहां इंटरनेशनल रैंकिंग प्राप्त बहुत सी यूनिवर्सिटीज हैं। दुनिया की टॉप 100 यूनिवर्सिटी में से 5 हॉन्ग कॉन्ग में हैं। यहां के शिक्षण संस्थान गुणवत्तापूर्ण और रिसर्च बेस्ड एजुकेशन मैथड का प्रयोग करते हैं।

शिक्षण संस्थान का चुनाव

अगर आप भी हॉन्ग कॉन्ग से पढाई करना चाहतें हैं तो पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी आपके लिए बेहतर ऑप्शन है। इसकी हॉन्ग कॉन्ग के बिजनेस और इंडस्ट्रियल लीडर्स से पार्टनरशिप है जो आपके लिए रोजगार के बेहतर विकल्प उपलब्ध कराने में सहायक है। इससे आप अन्य देशों में रोजगार के अवसर तलाश सकते हैं। यह यूनिवर्सिटी अपने इंटरनेशनल लिंक के लिए भी मशहूर है। इस यूनिवर्सिटी की स्थापना 1937 में हुई थी। यहां आपको समस्याओं को हल करने के नए और यूनिक तरीके बताये जाते हैं।

कौन से हैं कोर्स

पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी में आप बिजनेस, इंटरनेशनल स्टूडेंट अप्लाइड साइंस, हेल्थ साइंस, होटल एन्ड टूरिज्म मैनेजमेंट, लैंग्वेज, कल्चर एन्ड कम्युनिकेशन, फैशन एंड टेक्सटाइल, कंस्ट्रक्शन एन्ड इन्वायरमेंट, डिजाइन, इंजीनियरिंग और सोशल साइंसेज स्ट्रीम में ऑफर किये जाने वाले कोर्स में से अपने लिए किसी भी अंडर ग्रेजुएट कोर्स का चयन कर सकते हैं।

हॉन्ग कॉन्ग में पढाई के फायदे

- पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी दो साल तक बाहरी छात्रों के रहने का प्रबंध करती है।
- नेशनल या इंटरनेशल लेवल पर इंटर्नशिप का प्रबंध।
- किसी भी विदेशी युनिवर्सिटी कैम्पस से पढाई का अवसर।
- आप यहां स्कॉलरशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं। जिसके अंतर्गत आपको – 1,90,000 हॉन्ग कॉन्ग डॉलर % 17 लाख 36 हजार रूपये, मिलेंगे जो आपकी एजुकेशनल परफॉर्मेंस के आधार पर रिन्यू किया जाता है।
- बाहरी छात्रों के लिए इमिग्रेशन का प्रबंध
- अगर आपने हॉन्ग कॉन्ग से अपना अंडर ग्रेजुएशन कोर्स पूरा कर लिया है और नौकरी के लिए एचकेएसएआर में रहना चाहतें हैं तो प्रोफेशनल के रूप में अप्लाई कर सकते हैं। अगर आपने इमिग्रेशन से संबंधित सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं तो आपको 12 महीने तक रहने के लिए अनुमति मिल जाएगी।

हॉन्ग कॉन्ग में पढाई करने के अन्य आकर्षण

पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी में बेहतर छात्र और शिक्षक अनुपात, यहां की योग्य फैकल्टी, स्टाफ का सहयोगपूर्ण व्यवहार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पद्धति इस शिक्षण संस्थान को छात्रों के बीच लोकप्रिय बनाने का मुख्य कारण है।

ब्रिटिश काउंसिल ने निकाली भारतीय छात्रों के लिए स्कॉलरशिप स्कीम

ब्रिटिश काउंसिल ने भारतीय छात्रों के लिए पोस्ट ग्रेजुएशन स्कॉलरशिप की घोषणा की है। ब्रिटिश काउंसिल की यह स्कॉलरशिप 2022-23 एकेडमिक ईयर के लिए है। यह स्कॉलरशिप भारतीय छात्रों को फाइनेंस, बिजनेस, मार्केटिंग और डिजाइनिंग जैसे विषयों के लिए दी जाएगी। स्कॉलरशिप के लिए जरूरी योग्यता और अन्य जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

ब्रिटिश काउंसिल की इस स्कॉलरशिप योजना में यूके सरकार ने ग्रेट ब्रिटेन कैम्पेन की मदद से विभिन्न विषयों में अध्ययन के लिए भारतीय छात्रों 20 ग्रेट स्कॉलरशिप की घोषणा की है। इसमें यूके के 16 विश्व विद्यालयों की पार्टनरशिप है। जो छात्र कमर्शियल लॉ, ह्यूमन राइट्स और क्रिमिनल जस्टिस जैसे विषयों का अध्ययन करना चाहते हैं उनके लिए जस्टिस और लॉ से संबंधित 7 ग्रेट स्कॉलरशिप उपलब्ध है।

स्कॉलरशिप की पूरी जानकारी

छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवार britishcouncil.in/study-uk/scholarships/great-scholarships से पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यहां से आप उपलब्ध कोर्स, यूनिवर्सिटीज़ की पूरी लिस्ट, विश्वविद्यालयों की डेडलाइन की जानकारी ले सकते हैं।

अंग्रेजी शिक्षकों के लिए स्कॉलरशिप

ब्रिटिश काउंसिल ने भारतीय अंग्रेजी शिक्षकों के लिए अंग्रेजी भाषा शिक्षण में स्नातकोत्तर की पढाई के लिए यूके के दो विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप की घोषणा की है। अंग्रेजी शिक्षण में पोस्ट ग्रेजुएशन की पढाई के लिए कुल स्कॉलरशिप की संख्या 6 है। यह स्कॉलरशिप भारत में प्राइमरी या माध्यमिक सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों या उनके साथ काम करने वाले शिक्षकों के लिए है। 3 स्कॉलरशिप को लीड्स विश्वविद्यालय में फुल टाइम एमए के लिए उपलब्ध है, अन्य 3 स्कॉलरशिप स्टर्लिंग विश्विद्यालय द्वारा उपलब्ध है जो पार्ट टाइम/ऑनलाइन एमएससी प्रोग्राम के लिए है। इसके अंतर्गत दो हफ्तों की रेजिडेंशियल यात्रा शामिल है जो फुल्ली फंडेड होगी।

कहां से लें जानकारी

अंग्रेजी शिक्षण में पढाई के लिए आवेदन के लिए इच्छुक उम्मीदवार scholarship for english teachers पर क्लिक करके पूरी जानकारी ले सकते हैं। इसके पूर्व आवेदक विश्वविद्यालय से ऑफर प्राप्त कर लें।

करियर निर्माण में ऑक्सीजन की तरह है अंग्रेजी की भूमिका

यूं तो जीवन में सफल होने के लिए भाषा कहीं भी रोड़ा नहीं बन सकती लेकिन आज यदि तरक्की की दिशा में कदम बढ़ाना है तो अंग्रेजी को साथ लेकर चलना ही होगा। हो सकता है अंग्रेजी विषय की कमजोरी की वजह से आपको ज्यादा मशक्कत करना पड़े। जब प्रोफेशनल कोर्स में दाखिला लेते हैं तो करियर की राह में अंग्रेजी आड़े आ जाती है। आज अंग्रेजी न सिर्फ करियर के क्षेत्र में, बल्कि कम्युनिकेशन स्किल्स, पर्सनेलिटी डेवलपमेंट और बिजनेस के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए भी इसका ज्ञान आवश्यक है। ग्रुप डिस्कशन, इंटरव्यू, ओरल प्रजेंटेशन, रिपोर्ट राइटिंग और लेटर लिखने में अंग्रेजी का ज्ञान आपको लंबी रेस का घोड़ा साबित कर सकता है। अन्य विषयों को जिस तरह हम पढ़ते हैं, हमें अंग्रेजी को भी गंभीरता से लेना होगा। आज के समय में आप अंग्रेजी न आने का बहाना नहीं बना सकते। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने के लिए अंग्रेजी की प्रर्याप्त जानकारी आवश्यक है। इतना ही नहीं अगर आपको अंग्रेजी आती है तो उससे आत्मविश्वास बढ़ता है। यानी करियर निर्माण में अंग्रेजी की भूमिका ऑक्सीजन की तरह है।

- छोटे वाक्यों को बार–बार दोहराएं और उन्हें रोजाना बातचीत में इस्तेमाल करने की कोशिश करें। इस बात को याद रखें कि हर भाषाओं की तरह अंग्रेजी को भी पहले बोलने का अभ्यास करना चाहिए। इसके बाद लिखने और पढ़ने की प्रैक्टिस हो।
- वाक्यों का अभ्यास आप करते रहें लेकिन आपको नए शब्दों को वाक्यों और सही रैफ्रेंस में सीखते रहना चाहिए। केवल कोई शब्द और उसका अर्थ जान लेना पर्याप्त नहीं है बल्कि उसका सही जगह इस्तेमाल करना भी आना चाहिए। जितना आपका शब्द ज्ञान बढ़ेगा, उतना ही आप उसमें दक्ष होते जाएंगे।
- ग्रामर भले ही सीधे इंगलिश की प्रैक्टिस नहीं कराती, पर वह सही ढंग से उसे सीखने में सहायक होती है और आम तौर पर भाषा में होने वाली गलतियों को भी दूर करती है। इसलिए बोलने की प्रैक्टिस करते हुए ग्रामर का भी सहारा लें।
- अंग्रेजी यूं तो आम भाषा नहीं है इसलिए हमें हमारी मातृभाषा की तरह माहौल नहीं मिल पाता। लेकिन हम चाहें तो ऐसा माहौल बना सकते हैं। अपने पेरेंट्स, दोस्तों से जितना हो सके अंग्रेजी में बात करें। टीवी पर आने वाले अंग्रेजी कार्यक्रमों को देखें। अंग्रेजी न्यूजपेपर पढ़ें।

सफल होना चाहते हैं तो...

नेटवर्किंग को करियर की सफलता की कुंजी कहा जाए, तो आज के दौर में गलत नहीं है क्योंकि सिर्फ स्किल और क्वॉलिफिकेशन रखना ही आजकल अच्छी जॉब की गारंटी नहीं है। जॉब मार्केट में ऐसी कई फील्ड्स हैं, जहां बिना नेटवर्किंग के नौकरी पाना कठिन है। बिजनेस स्थापित करने और बढ़ाने के लिए तो यह महत्वपूर्ण स्किल है ही। चलिए, जानते हैं संपर्क बढ़ाने के कुछ उपायों के बारे में, जो आपके करियर को आगे ले जा सकते हैं।

संकोची स्वभाव से बचें

नेटवर्किंग का पहला नियम यह है कि आप मिलनसार बनें। अगर आप संकोची स्वभाव रखेंगे, तो अच्छी नेटवर्किंग करना असंभव है। इसलिए सबसे पहले तो अपने कंफर्ट जोन से बाहर आएं। सोशल बनने की आदत डालें। अपनी जान–पहचान का दायरा बढ़ाएं।

टारगेट लोगों पर रखें फोकस

नेटवर्किंग का राज सिर्फ इवेंट अटेंड करना नहीं है। बेवजह ज्यादा लोगों से मेल–मुलाकात भी जरूरी नहीं है। इसके बजाय अपना ध्यान सिर्फ काम के लोगों पर ही केंद्रित करें, जो करियर में मददगार साबित हो सकते हों।

दो–तरफा हों रिश्ते

एकतरफा नेटवर्किंग ज्यादा दिन नहीं चलती है। इसलिए हमेशा संबंधों में विन–विन सिचुएशन रखें, यानी खुद भी मदद लें और दूसरों को भी मदद पहुंचाएं। साथ ही, लंबे समय तक चलने वाले संबंध बनाने पर ज्यादा जोर दें।

संपर्क बढ़ाने पर दें जोर

नेटवर्किंग का मतलब यह नहीं कि आप किसी से हमेशा कुछ पाने की ही अपेक्षा करें। रिश्ते बनाने को भी अहमियत दें। तमाम तरह के लोगों से संपर्क बढ़ाते रहें। इससे आपका व्यक्तित्व भी विकसित होगा। फॉलो–अप करना न भूलें अक्सर लोग एक–दो मुलाकातों के बाद एक–दूसरे को भूल जाते हैं। लंबे समय तक उनके बीच संपर्क कटा रहता है। इस प्रकार लगातार टच में न रहने से संबंधो में गैप आ जाता है। कोशिश करें कि एक बार किसी से संबंध बनाने के बाद लगातार उनके संपर्क में बने रहें।

सोशल नेटवर्किंग

फेसबुक, ट्विटर, वॉट्सऐप या लिंक्डइन के जरिए आजकल एक–दूसरे के संपर्क में रहना आसान हो गया है। सोशल नेटवर्किंग के इस टूल का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए। इसके माध्यम से आप अपने कार्यक्षेत्र से जुड़े लोगों के संपर्क में रह सकते हैं। आप हमपेशेवर नए लोगों को भी अपने नेटवर्क में शामिल कर सकते हैं।

भारत सितंबर में अफगानिस्तान से खेलेगा तीन मैचों की टी20 सीरीज

एजेंसी, नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम सितंबर में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। बीसीसीआई और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (अउइ) ने बुधवार को संयुक्त बयान जारी कर सीरीज की घोषणा की। सीरीज के तीनों मुकाबले दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहला टी20 13 सितंबर, दूसरा 15 सितंबर और तीसरा मुकाबला 17 सितंबर को होगा। यानी भारत और अफगानिस्तान के बीच पूरी टी20 सीरीज पांच दिनों के भीतर पूरी हो जाएगी। इस एलान के साथ ही बांग्लादेश की भारत के खिलाफ सितंबर में प्रस्तावित लंबे समय से लंबित सफेद गेंद की सीरीज की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

बांग्लादेश की उम्मीदों को लगा झटका

भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय सीरीज पिछले साल टल गई थी। बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति के कारण दोनों टीमों के बीच प्रस्तावित सीरीज को स्थगित करना पड़ा था। इसके बाद बांग्लादेश ने सितंबर में भारत के खिलाफ सीरीज की मेजबानी का प्रस्ताव रखा था। हालांकि, अब सितंबर के लिए भारत का कार्यक्रम अफगानिस्तान के खिलाफ तय हो गया है। ऐसे में बांग्लादेश की उस सीरीज को लेकर उम्मीदें लगभग खत्म होती नजर आ रही हैं।

बीसीसीआई ने बताया अहम क्यों है यह सीरीज

बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने कहा कि बोर्ड अफगानिस्तान में क्रिकेट के विकास को समर्थन देने और उसके खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर खेलने के मौके देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय क्रिकेट टीमों को नियमित रूप से मजबूत विरोधी टीमों के खिलाफ खेलने और अनुभव हासिल करने का अवसर देता है। बीसीसीआई के मानद सचिव देवजीत सैकिया ने भी भारत-अफगानिस्तान क्रिकेट संबंधों को लेकर बात की।

उन्होंने कहा कि दोनों टीमों के बीच पिछले कुछ वर्षों में नियमित द्विपक्षीय मुकाबले हुए हैं। सैकिया ने याद दिलाया कि भारत ने 2018 में अफगानिस्तान के ऐतिहासिक पहले टेस्ट की मेजबानी की थी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच अलग-अलग फॉर्मेट में लगातार मुकाबले होते रहे हैं।

अफगानिस्तान ने जताई खुशी

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मिरवाइस अशरफ ने इस सीरीज को अफगानिस्तान क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि भारत में द्विपक्षीय सीरीज खेलना दोनों बोर्ड के बीच लंबे समय से चले आ रहे रिश्ते में एक और महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने यह भी कहा कि अफगानिस्तान ने हाल के वर्षों में भारत और यूएई दोनों जगह अपने घरेलू मुकाबले खेले हैं। बड़े स्तर की इस सीरीज के लिए भारत को उपयुक्त जगह बताते हुए उन्होंने बीसीसीआई के सहयोग की सराहना की।

तीनों मैच दिल्ली में होंगे

भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के सभी मुकाबले एक ही मैदान पर खेले जाएंगे। अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम को तीनों मैचों की मेजबानी मिली है।

मैच	तारीख	स्थान
पहला टी20	13 सितंबर	अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम
दूसरा टी20	15 सितंबर	अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम
तीसरा टी20	17 सितंबर	अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम

जून में भी हुआ था भारत-अफगानिस्तान मुकाबला

भारत और अफगानिस्तान के बीच हालिया क्रिकेट संबंध भी लगातार मजबूत हुए हैं। दोनों टीमों ने जून 2026 में तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली थी। इसके अलावा जनवरी 2024 में दोनों देशों के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज भी हुई थी। सितंबर की आगामी टी20 सीरीज के बाद भारत और अफगानिस्तान तीनों फॉर्मेट में एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला कर चुके होंगे।

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए श्रीलंकाई टीम घोषित, मेंडिस-निसांका बाहर; डिकवेला की वापसी

एजेंसी, कोलंबो।

भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट के लिए श्रीलंकाई टीम का एलान हो गया है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने मैच के लिए 16 सदस्यीय टीम का एलान किया है। विकेटकीपर-बल्लेबाज निरोसन डिकवेला करीब तीन साल बाद श्रीलंका की टेस्ट टीम में लौटे हैं। 33 वर्षीय डिकवेला ने पिछली बार 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला था। पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा। वहीं, दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। श्रीलंका के स्क्वॉड में अनकैप्ड ऑफ स्पिनर केशरा नुवांथा और अनकैप्ड टॉप ऑर्डर बल्लेबाज पसिंदु सूरियाबंदर को भी जगह मिली है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका की भी टीम में वापसी हुई है, जिन्होंने अब तक सिर्फ एक टेस्ट खेला है। वहीं, कुसल मेंडिस और पाथुम निसांका फिलहाल पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं।

मेंडिस की चोट से खुला डिकवेला के लिए रास्ता

डिकवेला की वापसी की सबसे बड़ी वजह कुसल मेंडिस का टीम से बाहर होना है। मेंडिस हैमस्ट्रिंग चोट के कारण चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं। वहीं पाथुम निसांका भी कलाई की सर्जरी से उबर रहे हैं और टीम में नहीं हैं। इन दोनों की गैरमौजूदगी ने श्रीलंका के बल्लेबाजी क्रम में जगह बनाई है। इसी वजह से डिकवेला को 33 साल की उम्र में दोबारा टेस्ट टीम में शामिल किया गया है।

निसांका की गैरमौजूदगी में इन पर जिम्मेदारी

- पाथुम निसांका के बाहर होने के कारण पसिंदु सूरियाबंदर को भी स्क्वॉड में अपनी जगह बनाए रखने का मौका मिला है।
- हालांकि, श्रीलंका के लिए निशान मदुश्का और लाहिरु उदारा के पारी की शुरूआत करने की संभावना है।
- दोनों ने श्रीलंका के पिछले टेस्ट में भी ओपनिंग की थी। मदुश्का ने भारत के खिलाफ वार्म अप मैच में ओपनिंग की थी और शानदार अर्धशतक लगाया था।
- मध्यक्रम में दिनेश चांदीमल, कामिंदु मेंडिस और कप्तानधनंजय डिसिल्वा की भूमिकाएं लगभग तय मानी जा रही हैं। इनके क्रमशः नंबर-तीन, चार और पांच पर उतरने की संभावना है।

भारत के खिलाफ टेस्ट के लिए श्रीलंका की 16 सदस्यीय टीम: धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), लाहिरु उदारा, निशान मदुश्का, कामिंदु मेंडिस, दिनेश चांदीमल, पसिंदु सूरियाबंदर, सोनल दिनूषा, नीरोजन डिकवेला, रमेश मेंडिस, प्रभात जयसूर्या, केशरा नुवांथा, मिलान रत्नायके, असिथा फर्नांडो, लाहिरु कुमारा, विश्वा फर्नांडो, दिलशान मदुशंका।

मनोरंजन

'इश्कनामा' के सेट पर शहनाज गिल के साथ हुआ था भयानक हादसा?

इश्कनामा' के सेट पर शूटिंग के दौरान एक्ट्रेस शहनाज गिल के साथ एक डरावना वाक्या हुआ। जब उनकी नोज रिंग गलती से मुंह में चली गई। इसके बाद शहनाज की हालात खराब होने लगी। वह खांसने लगीं। ऐसे में उनकी मदद के लिए को-एक्टर सौरभ सचदेवा आगे आए। यह वीडियो देखकर शहनाज के फैंस को काफी चिंता हुई। वीडियो पर फैंस ने रिएक्शन भी दिए।

कैसे शहनाज की स्थिति ठीक हुई?

वायरल वीडियो में नजर आ रहा है कि नोज रिंग मुंह में चले जाने पर शहनाज को दिक्कत हुई। वह खांसने लगी, तब सौरभ सचदेवा ने उनकी मदद की। को-एक्टर ने शहनाज की पीठ थपथपाई, इससे अभिनेत्री को राहत मिली।

फैंस को हुई शहनाज की चिंता

जब फैंस ने शहनाज का शेयर किया गया यह वीडियो देखा, उन्हें काफी चिंता हुई। एक फैन ने वीडियो के कमेंट सेक्शन में लिखा, 'शुक्र है कि आप ठीक है। वहीं दूसरे फैन ने लिखा, 'अपनी हेल्थ का ध्यान रखिए।'

इसी तरह के कई कमेंट्स फैंस ने शहनाज को लेकर किए।

क्या था फिल्म 'इश्कनामा' की कहानी?

पंजाबी फिल्म 'इश्कनामा' हाल ही में रिलीज हुई। यह एक रोमांटिक पीरियड ड्रामा फिल्म थी। इसकी कहानी निम्मा और नसीमा के प्यार की थी। इनकी प्रेम कहानी दर्द से भरी थी। इस फिल्म में शहनाज के अलावा जय रंधावा, सौरभ सचदेवा, अंजुम बत्रा और महानबीर भुल्लर भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे।

जमी शेरगिल के साथ स्क्रीन शेयर कर खुश हुईं दीया मिर्जा

अभिनेत्री दीया मिर्जा ने हालिया रिलीज वॉर-ड्रामा वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में पूर्व एयर चीफ मार्शल बीरेंद्र सिंह धनोआ (बीएस धनोआ) की पत्नी कमलप्रीत कौर धनोआ के किरदार में नजर आ रही हैं। सोमवार को अभिनेत्री ने सीरीज का हिस्सा बनकर पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया। दीया मिर्जा ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें अभिनेता जिमी शेरगिल के समेत कई लोगों के साथ नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने इस पोस्ट के जरिए बताया कि सीरीज का हिस्सा होना उनके लिए बड़ी बात है, जिसके लिए उन्होंने सभी का आभार जताया। अभिनेत्री ने तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, "एक कलाकार के तौर पर हम जो किरदार हम किरदार नहीं चुनते, बल्कि किरदार हमें चुनता है, जिससे हम एक बेहतर इंसान बनते हैं। 'ऑपरेशन सफेद सागर' में कमलप्रीत धनोआ का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। कमल मैम आपका शुक्रिया। आप हमेशा मेरे दिल में रहेंगी। टोनी सर, आप कमाल हैं। जिमी शेरगिल सर, आपके साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। टोनी धनोआ (पूर्व एयर चीफ मार्शल बीरेंद्र सिंह धनोआ का घर का नाम) के रोल के लिए आपसे बेहतर कोई नहीं हो सकता।" 6 एपिसोड की एक हिंदी वॉर-ड्रामा वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में जिमी शेरगिल ने अभिनेत्री दीया मिर्जा के पति पूर्व एयर चीफ मार्शल बीरेंद्र सिंह धनोआ (बीएस धनोआ) का किरदार निभाया है। सीरीज में दीया मिर्जा ने कमलप्रीत कौर धनोआ का किरदार निभाने के जरिए उन महिलाओं के अनकहे बलिदानों और ताकत को पर्दे पर उतारा है, जो अपने पतियों को मुस्कुराकर देश की रक्षा के लिए भेजती हैं।

सीरीज में युद्ध के मैदान के साथ-साथ राजनीतिक और कूटनीतिक तनावों (जैसे भारत और पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व के बीच की हलचल) का भी यथार्थवादी चित्रण किया गया है। सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के ऐतिहासिक और साहसी हवाई ऑपरेशन पर आधारित है। सीरीज में दीया और जिमी शेरगिल के अलावा, सिद्धार्थ, अभय वर्मा, दीया मिर्जा, आदिल हुसैन और प्राजक्ता कोली समेत कई कलाकार अहम भूमिका में नजर आ रहे हैं। यह सीरीज 7 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

सारा अली खान के बर्थडे पर रकुलप्रीत सिंह समेत फिल्मी हस्तियों ने लुटाया प्यार

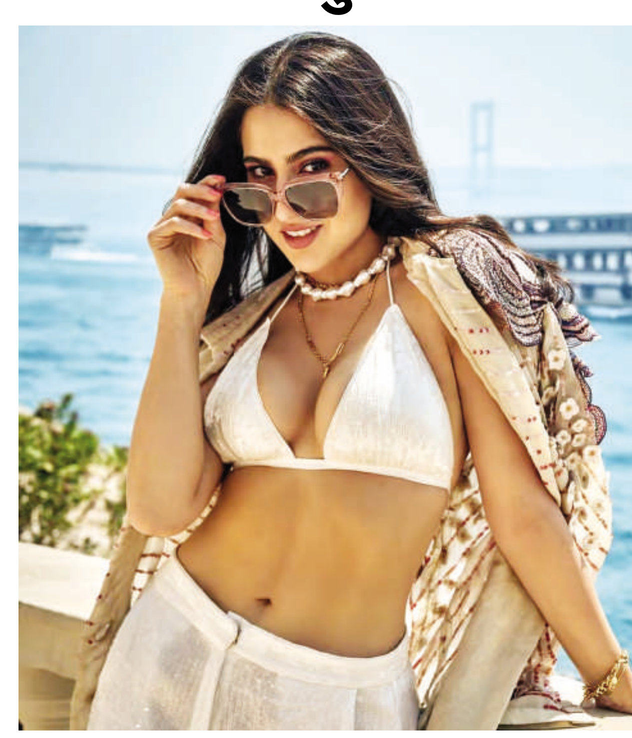

अभिनेत्री सारा अली खान बुधवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर इंडस्ट्री के खास दोस्तों और परिवार के लोगों ने अभिनेत्री को बधाई दी। अभिनेत्री करीना कपूर ने इंस्टाग्राम पर सारा के साथ एक तस्वीर पोस्ट की। इसमें सारा के साथ पिता सैफ अली खान, करीना कपूर, इब्राहिम नजर आ रहे हैं। करीना ने जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, ₹हैप्पी बर्थडे सारा डार्लिंगङ्गऔर कद्दू की सब्जी और अब दही। तुम्हारी प्लेट हमेशा भरी रहे।₹

अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह ने भी अपनी को-स्टार सारा अली खान को जन्मदिन की बधाई देते हुए इंस्टाग्राम स्टोरीज पर उनके साथ तस्वीर पोस्ट कर लिखा, ₹जन्मदिन मुबारक हो सारा! तुम जहां भी जाती हो, वहां अपनी प्यारी और मजेदार वाइब्स से माहौल खुशनुमा कर देती हो। तुम्हारे साथ बिताई सारी हंसी-मजाक, मस्ती और क्रेजी मूमेंट्स के लिए मैं बहुत शुक्रगुजार हूं। हमेशा ऐसी ही रहना और अपनी खुशियों से सबके चेहरे पर मुस्कान लाती रहना।₹

सारा अली खान 12 अगस्त को 31 साल की हो गईं। अभिनेत्री को सोशल मीडिया पर अपने परिवार के सदस्यों और फिल्म इंडस्ट्री के दोस्तों से जन्मदिन की दिल से शुभकामनाएं मिलीं। सारा जल्द ही आगामी सीरीज 'उड़ता तीर' में नजर आएंगी। इस सीरीज में वे आयुष्मान खुराना के साथ होंगी। फिल्म के रिलीज शेड्यूल में बदलाव किया गया है और अब यह पहले से घोषित 11 सितंबर के बजाय 9 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह प्रोजेक्ट फिल्ममेकर आकाश ए. कौशिक का पहला डायरेक्टोरियल वेंचर है। 'उड़ता तीर' सारा और आयुष्मान के बीच एक और कोलेबोरेशन है। इस फिल्म के निर्देशक आकाश ए. कौशिक हैं और इसका निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस व सिखिया एंटरटेनमेंट द्वारा किया जा रहा है। यह फिल्म 9 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इससे पहले सारा पिछली फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' में नजर आई थी, जिसमें रकुल प्रीत सिंह और वामिका गब्बी भी थीं। फिल्म को लेकर दर्शकों की तरफ से सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली थी।

स्कूलों में लड़कियों को पीरियड्स और वेल-बीइंग के अलावा फाइनेंस हैंडल करना भी सिखाया जाए: कृति

अभिनेत्री कृति खरबंदा ने नईदिल्ली में आयोजित वी विमेन वॉन्ट कॉन्क्लेव एंड शक्ति अवॉर्ड्स 2026 में फाइनेंशियल शिक्षा को स्कूली स्तर पर शुरू करने की बात की है। उन्होंने अपनी जिंदगी का अनुभव साझा करते हुए ये भी बताया कि उन्होंने न सिर्फ 17 साल की उम्र में ही कमाना शुरू कर दिया था, बल्कि अपने परिवार की जिम्मेदारी भी संभाली थी। कृति ने कहा, मैं हमेशा से एक लड़की और एक महिला के तौर पर आत्मनिर्भर होने की समर्थक रही हूं। मैंने 17 साल की उम्र में कमाना शुरू कर दिया था। मैंने अपने परिवार की जिम्मेदारी भी उठाई है और मुझे इस बात पर बहुत गर्व है। कृति ने यह भी बताया कि इस साल फरवरी से उन्होंने दोबारा पढ़ाई शुरू कर दी है और फिलहाल जियोपॉलिटिक्स के साथ अपने फाइनेंस को भी संभालना सीख रही हैं। उन्होंने कहा, पहली बार मैं अपना पूरा फाइनेंशियल पोर्टफोलियो खुद संभाल रही हूं, क्योंकि यह ऐसी चीज है जिसे मुझे खुद करना सीखना जरूरी है।

फाइनेंशियल आजादी को लेकर उन्होंने यह भी कहा कि लड़कियों को आर्थिक रूप से स्वतंत्र होना ही काफी नहीं है, बल्कि उन्हें यह भी समझना होगा कि दुनिया कैसे काम करती है। विशेष रूप से स्कूलों में फाइनेंशियल शिक्षा की जरूरत पर जोर देते हुए कृति ने यह भी कहा, जिस तरह हम हर महीने पीरियड्स और ओवरऑल वेल-बीइंग की बात करते हैं, उसी तरह बच्चों को यह भी सिखाया जाना चाहिए कि पैसे कैसे कमाने हैं, बचाने हैं, इन्वेस्ट करना है और फाइनेंस कैसे काम करता है।

मुझे लगता है कि यह शिक्षा स्कूल से ही मिलनी चाहिए। इसके अलावा मैं समझती हूँ कि फाइनेंशियल प्लान्स को भी समय के साथ बदलते रहना चाहिए। लोग म्यूचुअल फंड और एसआईपी की बात करते हैं और मैं भी इनके पक्ष में हूं, लेकिन आपको लगातार खुद को और अपनी रणनीति को विकसित करते रहना होगा। अगर करियर के फैसले हमेशा के लिए नहीं होते, तो हमारे फाइनेंशियल प्लान्स अलग क्यों होने चाहिए? है ना।